नई दिल्ली, रविवार 8 नवंबर 2026 ■ कार्तिक मास कृष्ण पक्ष-14 ■ वर्ष : 30, अंक : 202 ■ पृष्ठ : 12 मूल्य : 2.00 haribhoomi.com मौसम अधि. 31, न्यून. 17



तीनों लोकों को ऐश्वर्य और समृद्धि प्रदान करने वाली भगवती लक्ष्मी! आप मुझ पर प्रसन्न होइए





सरसिजनिलये सरोजहस्ते धवलतरांशुकगन्धमाल्यशोभे। भगवति हरिवल्लभे मनोज्ञे त्रिभुवनभूतिकरि प्रसीद मह्याम्॥

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

आपका जीवन प्रकाशमय हो

शुभ दीपावली

गणेश-लक्ष्मी पूजन का श्रेष्ठ मुहूर्त
शाम 5:54 बजे से रात 7:50 बजे तक





कब कितने जले दीये (लाख में)
- 2017: 1.87
- 2018: 3.01
- 2019: 5.51
- 2020: 6.06
- 2021: 9.41
- 2022: 15.76
- 2023: 22.23
- 2024: 25.12
- 2025: 26.17
- 2026: 30.00

ढोल-नगाड़ों की थाप पर झूमे अयोध्यावासी

अयोध्या में सरयू नदी के तट पर भव्य दीपोत्सव

30 लाख दीयों से रोशन 56 घाट

21 झांकियों में रामकथा के साथ योगी सरकार की विकास यात्रा का भव्य प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭ अयोध्या

भगवान राम की नगरी अयोध्या में शनिवार को 10वें भव्य दीपोत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सरयू नदी के किनारे स्थित 56 घाटों पर 30 लाख से अधिक मिट्टी के दीप जलाए गए। दीपों की रोशनी से पूरी रामनगरी जगमगा उठी। दीपोत्सव कार्यक्रम में उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शामिल हुए। इससे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भगवान राम और माता जानकी की पूजा-अर्चना कर आरती उतारी। इसके साथ राम की पैड़ी पर भव्य ड्रोन शो का आयोजन भी किया गया, जिसने दीपोत्सव की छटा को और ⏭ शेष पेज 7 पर

बोले मोदी
रोशनी से जगमगा रहा है देश

देश के वीर जवानों के साथ ही मनाऊंगा दिवाली: पीएम

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली



दीवाली की पूर्व संध्या यानी छोटी दीवाली के अवसर पर पीएम मोदी ने देशावासियों के नाम एक वीडियो संदेश जारी किया। इस वीडियो के माध्यम से पीएम मोदी ने देशवासियों को दीवाली की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। साथ ही उनके जीवन में सुख-समृद्धि की कामना की। इसके साथ ही पीएम मोदी ने दोहराया कि इस बार भी वह जवानों के साथ दिवाली मनाने की अपनी पुरानी परंपरा को जारी रखेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो संदेश जारी कर देश के लोगों को दीवाली की बधाई दी। उन्होंने कहा कि रोशनी का यह पावन पर्व देश में चारों ओर उत्साह भर देता है और यह ⏭ शेष पेज 7 पर

रक्षा बलों के जवानों और परिवारों के लिए सरकार ने प्रदर्शित की अपनी प्रतिबद्धता

दिवाली का उपहार है अग्निवीरों को मिला दो साल का सेवा विस्तार: सिंह

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

- 75% अग्निवीरों को स्थायी नौकरी देने के केंद्र के निर्णय के बाद पहली बार बागडोगरा में बोले रक्षा मंत्री

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को दिवाली की पूर्व संध्या के मौके पर पूर्वोत्तर में चीन के करीब स्थित पश्चिम-बंगाल के एक महत्वपूर्ण वायुसैन्य अड्डे बागडोगरा का विस्तृत दौरा किया। इस दौरान उन्होंने वायु योद्धाओं से बातचीत की। जिसमें रक्षा मंत्री ने पहली बार अग्निपथ योजना में हालिया किए गए बड़े बदलाव यानी 4 साल बाद सेनाओं से बाहर होने वाले 75% अग्निवीरों को सीधे बाहर न करते हुए 2 साल के सेवा विस्तार के साथ स्थायी नौकरी देने के फैसले पर अपनी पहली प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने केंद्र के इस निर्णय को अग्निवीरों के लिए दिवाली का एक विशेष उपहार बताया।

साथ ही कहा कि इसके जरिए उन्हें एक बार फिर से देश की सेवा करने का अवसर मिलेगा। ये रक्षा बलों के जवानों और उनके परिजनों के कल्याण के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है। 24 महीने की अवधि पूरी करने के बाद स्वेच्छा और तीनों सेनाओं द्वारा निर्धारित मानदंडों को पूरा करने वाले अग्निवीरों को नियमित रूप से काम करने का अवसर दिया जाएगा। यात्रा ⏭ शेष पेज 7 पर



2022 में लागू हुई अग्निपथ योजना

गौरतलब है कि 2022 में सरकार ने जब अग्निपथ योजना की शुरुआत की थी। तब ये निर्णय लिया था कि जवानों को सेना, वायुसेना और नौसेना में 4 साल के लिए भर्ती किया जाएगा। इसके बाद 25% को सेनाओं में स्थायी नौकरी प्रदान की जाएगी। जबकि बाकी बचे हुए 75% को बाहर कर दिया जाएगा। बाहर होने वाले सैनिकों के लिए केंद्र ने योजना की घोषणा के कुछ समय बाद अर्धसैन्यबलों में नौकरी में 20% आरक्षण देने की व्यवस्था की थी। इसके अलावा कुछ राज्य सरकारों ने भी इन्हें सरकारी नौकरी देने का वादा किया था।

उच्च स्तर की तैयारी बनाए रखें

उन्होंने मौजूदा सुरक्षा परिदृश्य के पहले से कहीं अधिक जटिल होने का उल्लेख करते हुए कहा कि अब युद्ध महज सीमाओं से जुड़े पारंपरिक संघर्षों तक सीमित नहीं है। बल्कि इसमें असीमित युद्ध, छद्म युद्ध, साइबर हमले, ड्रोन के झुंड, भ्रामक सूचना प्रवाह तथा विमर्शों को प्रभावित करने जैसी कई चुनौतियां भी शामिल हो गई हैं। ऐसे में रक्षा बलों को सभी प्रकार के खतरों से निपटने के लिए हर समय उच्च-स्तर ⏭ शेष पेज 7 पर

बताई स्टेशन की विशेषताएं

राजनाथ सिंह के मुताबिक, बागडोगरा में तैनात वायु सैनिक देश के पूर्वी क्षेत्र की सुरक्षा में एक मजबूत रक्षा कवच की भूमिका निभा रहे हैं। इलाके के हिसाब से देखें तो यह एयरफोर्स स्टेशन रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण और भारत के सुरक्षा तंत्र की एक अहम कड़ी है। क्षेत्र में शांति, स्थिरता को बनाए रखने के लिए जवानों की सतर्कता और परिचालन तैयारी महत्वपूर्ण है। आज जवान को युद्धक से इतर सोशल मीडिया पर दुश्मन द्वारा प्रचारित-प्रसारित की जाने वाली भ्रामक जानकारी को लेकर भी जागरूकता बनाए रखने की जरूरत है। तकनीकी प्रगति के अलावा अनुशासन, साहस का अपना महत्व हमेशा बना रहेगा।



राजनीति में उतरने से पहले खुद से जूझ रही थीं सोनिया

नई दिल्ली। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी राजनीति में आने को लेकर लंबे समय तक असमंजस में थीं। पति और पूर्व प्रधानमंत्री ⏭ शेष पेज 7 पर



अमिताभ की सेहत बिगड़ी केबीसी की शूटिंग बंद हुई

मुंबई। अभिनेता अमिताभ बच्चन की तबीयत ठीक नहीं होने के कारण लोकप्रिय क्विज शो कौन बनेगा करोड़पति (केबीसी) की शूटिंग ⏭ शेष पेज 7 पर

दिल्ली पुलिस
शांति सेवा न्याय

दिवाली का त्योहार मनाएं
समय का ध्यान रखें

पर्यावरण के अनुकूल तरीके से दिवाली का त्योहार मनाकर, तय समय-सीमा का सम्मान करके और दिल्ली की हवा को सभी के लिए सुरक्षित रखकर, इस त्योहार की असली भावना को अपनाएं।

सुबह का समय
6.00-7.00 बजे

शाम का समय
8.00-10.00 बजे

माननीय सर्वोच्च न्यायालय के 29.10.2026 के आदेश के अनुरूप पटाखे फोड़ने की अनुमति दी गई है। तदनुसार, संबंधित अधिकारी यह सुनिश्चित करेंगे कि पटाखे केवल आज सुबह 6.00 से 7.00 बजे तक और रात 8.00 बजे से 10.00 बजे के बीच ही फोड़े जाएं।

नीरी द्वारा स्वीकृत ग्रीन पटाखे

DP/9938/2026

केवल ग्रीन पटाखे
केवल CSIR-NEERI और PESO प्रमाणित ग्रीन पटाखे की ही बिक्री और उपयोग की अनुमति

क्यूआर कोड अनिवार्य
प्रत्येक पैकेट पर क्यूआर कोड प्रदर्शित होना आवश्यक है!

बेरियम या अन्य गैर-एनईईआरआई पटाखों पर प्रतिबंध
जिन पटाखों में बेरियम या अन्य गैर-एनईईआरआई प्रमाणित पदार्थ हैं, उनकी बिक्री और उपयोग पूर्णतः प्रतिबंधित है।

सीरीज/लड़ी वाले पटाखों पर प्रतिबंध
सीरीज़ या लड़ी प्रकार के पटाखों की बिक्री और उपयोग प्रतिबंधित रहेगा। अस्पतालों, स्वास्थ्य केंद्रों, वृद्धाश्रमों, शैक्षणिक संस्थानों और साइलेंस ज़ोन के 300 मीटर के दायरे में पटाखे जलाना प्रतिबंधित है।

पुलिस आयुक्त, दिल्ली को ई-मेल करें : cpdelhi@delhipolice.gov.in | लिखें : पुलिस आयुक्त, दिल्ली को, पोस्ट बॉक्स नं. 171, जीपीओ, नई दिल्ली पर

@DelhiPoliceOfficial @DelhiPolice @delhi.police_official @DelhiPoliceofficial Delhipolice.nic.in

तुरंत पुलिस सहायता के लिए 112 नम्बर पर कॉल करें | आतंकवाद विरोधी गतिविधियों की सूचना देने के लिए कॉल करें 14547

Inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

दिवाली पर्व की शुभकामनाएं

दिवाली के अवसर पर सुधि पाठकों, विज्ञापनदाताओं, एजेंसियों और हॉकर बंधुओं समेत सभी शुभचिंतकों को हार्दिक शुभकामनाएं।

अवकाश

इस अवसर पर 08 नवंबर रविवार को हरिभूमि कार्यालय में अवकाश रहेगा। 10 नवंबर मंगलवार को आपका यह प्रिय अखबार आपके हाथों में होगा।

प्रधान संपादक

एक्स पोस्ट में बोली वायुसेना, ये भारत ही नहीं दुनिया में इस विमान की सबसे ऊंचाई पर की गई फर्स्ट लैंडिंग

'आईएल-76एमडी' विमान ने रचा इतिहास 13629 फीट की ऊंचाई पर न्योमा में की लैंडिंग

देश की रणनीतिक हवाई क्षमता को चाक-चौबंद बनाने के मामले में मील के पत्थर के रूप में दर्ज हुई ये घटना

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

भारतीय वायुसेना के लिए शनिवार का दिन बेहद ऐतिहासिक साबित हुआ है। क्योंकि पहली बार पूर्वी लद्दाख में चीन से लगी हुई वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) से महज 23 किलोमीटर की दूरी पर स्थित न्योमा एयरबेस पर बल के गजराज यानी 'आईएल-76एमडी' परिवहन विमान की पहली सफल लैंडिंग



हुई है। एक्स पर 7 नवंबर को की गई एक पोस्ट के जरिए वायुसेना ने यह जानकारी देते हुए बताया कि यह लैंडिंग न केवल भारत बल्कि पूरी दुनिया में इस विमान द्वारा ⏭ शेष पेज 7 पर

इमरजेंसी में बढ़ेगी न्योमा की ताकत

इस लैंडिंग को वायुसेना ने एक नए इतिहास की रचना के रूप में परिभाषित किया और कहा कि विमान ने अपनी दृढ़ क्षमता का एक सराहनीय प्रदर्शन किया है। जो साफतौर पर इसके चालक दल यानी पायलटों द्वारा ⏭ शेष पेज 7 पर

'लोगों के स्वास्थ्य पर पड़ रहा बुरा प्रभाव'

दिल्ली में छाया हुआ है भयंकर प्रदूषण, एक्यूआई पहुंचा 400 पार

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली एनसीआर में छोटी दिवाली से पहले ही राजधानी का एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 366 से अधिक पहुंच गया। जबकि दिल्ली के कई क्षेत्रों में 400 पार एक्यूआई दर्ज हुआ। बढ़ते प्रदूषण लेवल के कारण लोगों को आंखों में जलन व खांसी की शिकायत आम बनती जा रही है। ऐसे में गंभीर बीमारियों से पीड़ित मरीजों को सबसे ज्यादा परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा (सीपीसीबी) द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार सुबह के समय दिल्ली का एक्यूआई 366 से अधिक दर्ज हुआ। जबकि दिल्ली के कई क्षेत्रों में



एक्यूआई का ग्राफ 400 के पार पहुंच गया। जिनमें सबसे ज्यादा आईआईटी दिल्ली में एक्यूआई 442 रहा। इसके अलावा पंजाबी बाग 433, बवाना 427, विवेक विहार 427, मुंडका 421, जहांगीरपुरी 421, रोहिणी 418, आरके पुरम 417, सोनिया विहार 414, डॉ करणी सिंह शूटिंग रेंज 413, नजफगढ़ 413, सीरी फोर्ट 413, नॉर्थ कैंपस 412, अलीपुर 411, द्वारका सेक्टर 8 411, , डीटीयू दिल्ली 409, नरेला 409, पूसा 404, आईटीओ दिल्ली 403, पटपटगंज 403, जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम 402 और ओखला फेस-2 में 402 एक्यूआई दर्ज हुआ। जानकारी अनुसार अभी तो दिल्ली में पटाखे चलने शुरू भी नहीं हुए हैं और हवा की हालत बुरी तरह पस्त होती दिख रही है। जिसके चलते दिल्ली एनसीआर में भयंकर प्रदूषण छाया हुआ है जिससे लोगों के स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है।

ऐसे में सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि दिवाली के बाद प्रदूषण से दिल्ली के लोग बुरी तरह हांफ रहे होंगे। ऐसे में सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि बड़ी दिवाली के दिन राजधानी दिल्ली में वायु प्रदूषण का लेवल 500 एक्यूआई तक पहुंच सकता है। बता दें कि इन दिनों दिल्ली एनसीआर में ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रैप) का तीसरा चरण लागू है। लेकिन तमाम पाबंदियों के लागू करने व दिल्ली सरकार, दिल्ली नगर निगम, नई दिल्ली नगरपालिका परिषद, दिल्ली कैंट बोर्ड सहित अन्य निकायों द्वारा प्रदूषण से निपटने के करोड़ों रुपए खर्च कर रहे है। लेकिन इसका असर कहीं नजर नहीं आ रहा है। दिन प्रतिदिन वायु प्रदूषण घटने की बजाए बढ़ता ही जा रहा है। दूसरी तरफ पटाखों को लेकर माननीय न्यायालय ने केवल ग्रीन पटाखे जलाने की अनुमति दी है वह तय समय सीमा तक ही।

प्रदूषण के चलते पांचवीं तक के बच्चों को स्कूल आने की अनिवार्यता से राहत

नई दिल्ली। दिल्ली में बढ़ते वायु प्रदूषण को देखते हुए दिल्ली सरकार ने स्कूली बच्चों की सुरक्षा के लिए अहम कदम उठाया है। दिल्ली के शिक्षा निदेशालय ने पांचवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों को स्कूल आने की अनिवार्यता से छूट दे दी है। अब अभिभावक अपनी सुविधा और बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उन्हें स्कूल भेज सकते हैं या घर पर रहकर ऑनलाइन पढ़ाई का विकल्प चुन सकते हैं। शिक्षा निदेशालय की ओर से जारी आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है। यह व्यवस्था अगले आदेश तक जारी रहेगी। इसके तहत दिल्ली के सभी सरकारी, सरकारी सहायता प्राप्त और मान्यता प्राप्त निजी स्कूलों को शामिल किया गया है। साथ ही दिल्ली नगर निगम (एमसीडी), नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) और दिल्ली कैंटोनमेंट बोर्ड के स्कूलों पर भी यह आदेश लागू होगा।

दिल्ली में मोजे के गोदाम में आग लगी, कोई हताहत नहीं

एजेंसी. नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के शहजादा बाग इलाके में एक इमारत के भूमिगत तल में स्थित मोजे के गोदाम में आग लग गयी। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। दिल्ली अग्निशमन सेवा के अनुसार, सराय रोहिल्ला में शुक्रवार रात 11 बजकर 36 मिनट पर आग लगी। इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। आग बुझाने के लिए दमकल की 12 गाड़ियां तैनात की गईं। अधिकारियों ने बताया कि शनिवार तड़के करीब चार बजकर 50 मिनट पर आग पर काबू पा लिया गया और आग बुझाने के बाद परिसर को ठंडा करने का काम जारी रहा। पुलिस ने बताया कि करीब 550 वर्ग गज क्षेत्र में फैलागोदाम इमारत के भूमिगत तल में स्थित था।

दिल्लीवाले दीये जलाकर पर्यावरण अनुकूल दिवाली मनाएं : यादव

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने शनिवार को दिल्ली के लोगों को एक खुशहाल और समृद्ध भविष्य के लिए दिवाली की शुभकामनाएं दी। यादव ने दिल्ली वालों से पर्यावरण के अनुकूल दिये जलाकर और मिठाई बांटकर दीपावली मनाने की अपील की और पर्यावरण की रक्षा और जहरीली हवा से बचने के लिए प्राथमिकता से दिल्ली एक जिम्मेदार नागरिक बनने का कर्तव्य निभाएं। उन्होंने कहा कि भाजपा की रेखा गुप्ता सरकार पर्यावरण संरक्षण में पूरी तरह विफल रही है, जिस पर सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने दिल्ली वालों के स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि लोगों को प्रदूषण के लिए कारक बनने वाली कोई गतिविधि जैसे पटाखे आदि न जलाकर सावधानी के साथ दिवाली मनानी चाहिए। यादव ने कहा कि चूंकि देश भर में दिवाली का जश्न मनाया जा रहा है, इसलिए विभिन्न एजेंसियों ने नागरिकों से पुरजोर अपील की है कि वे बिना सोचे समझे पटाखे जलाकर जश्न मनाने के बजाय सुरक्षा, पर्यावरण, स्वास्थ्य की रक्षा और सार्वजनिक शिष्टाचार को प्राथमिकता दें, क्योंकि प्रदूषण राजधानी में लोगों की स्वास्थ्य के लिए एक गंभीर समस्या बन चुका है। यादव ने कहा कि वायु, ध्वनि और धूल प्रदूषण के स्तर में वृद्धि के साथ रेखा गुप्ता सरकार को प्रदूषण को रोकने के लिए दिवाली के त्योहार से कुछ सप्ताह पहले ही ठोस कदम उठाने चाहिए थे, लेकिन सरकार जहरीली हवा को नियंत्रित करने के हर स्तर पर विफल रही और प्रदूषण लोगों को गंभीरता से प्रभावित कर रहा है जबकि सांस से संबधित बीमारियों से जूझ रहे लोगों के लिए जानलेवा साबित हो सकता हैं। उन्होंने कहा कि लोगों को सार्वजनिक कल्याण के साथ उत्सव की खुशी को संतुलित करना चाहिए ताकि दिल्ली को खतरनाक हवा से बचाया जा सके और लोगों को दीवाली के बाद एक सुखद, स्वच्छ, शुद्ध हवा का वातावरण मिल सके।

दिल्ली भाजपा कार्यालय में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया दिवाली पूजन



नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा कार्यालय में शनिवार को छोटी दिवाली के दिन सुबह दिवाली पूजन हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की उपस्थिति में दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने सपत्नीक विधिवत पूजा की और सभी उपस्थित नेता, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता 'जय माँ भारती तेरा वैभव प्रबल रहे, भारत राष्ट्र समृद्ध हो' के भाव के साथ पूजन में सम्मिलित हुए। प्रदेश भाजपा से मिली जानकारी के अनुसार, पूजन में सभी वर्तमान पदाधिकारियों को दिल्ली विधानसभाध्यक्ष एवं दिल्ली भाजपा के पूर्व अध्यक्ष विजेन्द्र गुप्ता का आशीर्वाद प्राप्त हुआ। प्रदेशाध्यक्ष ने सभी कार्यालय कर्मियों के साथ भी समय बिताया और उन्हें दिवाली गिफ्ट दिए। पूजन में महामंत्री विष्णु मित्तल सपत्नीक और महामंत्री योगिता सिंह, कोषाध्यक्ष सतीश गर्ग, उप महापौर डॉ. मोनिका पंत, प्रदेश पदाधिकारी विजय सोलंकी, कैलाश जैन, प्रवीण शंकर कपूर, सारिका जैन, ऋचा पांडेय मिश्रा, रंजीत कश्यप, अभिषेक टंडन, अमित गुप्ता, पुनीत अग्रवाल, संतोष पाल, लाजपत राय एवं सी.एल. मीणा भी सम्मिलित हुए। दो दिन पूर्व सभी पदाधिकारी, सांसद, विधायक, निगम नेता, पदाधिकारी वार्षिक दिवाली मिलन में शामिल हुए थे।



दिवाली पर आग से निपटने के लिए अग्निशमन विभाग अलर्ट

नई दिल्ली। दिवाली पर किसी भी आग की घटना से निपटने के लिए दिल्ली का अग्निशमन विभाग पूरी तरह मुस्तैद है। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए 71 फायर स्टेशन, 50 त्वरित प्रतिक्रिया वाहन और 20 मोटरसाइकिल फर्स्ट रिस्पांडर इकाइयों को तैनात किया गया है। वहीं भीड़-भाड़ वाले बाजारों, वाणिज्यिक केंद्रों और घनी आबादी वाले क्षेत्रों में आग से संबंधित आपात स्थितियों के जोखिम को देखते हुए, विभाग ने अतिरिक्त अग्निशमन संसाधनों को स्टैंडबाय पर रखा है। विभाग ने पिछली आग की घटनाओं, ऐतिहासिक जोखिम आकलन और त्योहारी भीड़ के आधार पर शहर भर में 23 संवेदनशील स्थानों की पहचान की है। जबकि इनमें से आठ स्थानों पर त्वरित प्रतिक्रिया वाहन पहले से ही तैनात हैं। 15 को स्टैंडबाय पर रखा है। पहचाने गए स्थानों में सदर बाजार में बारा टूटी चौक, तिलक नगर, लाजपत नगर सेंट्रल मार्केट, लाल कुआं चौक, लाहौरी गेट, नांगलोई, साउथ एक्सटेंशन मार्केट, घिटोरनी मेट्रो स्टेशन, रानी बाग मार्केट, मंगोलपुरी में कतरन मार्केट, गांधी नगर मार्केट, छत्तरपुर में टिवोली गार्डन के पास, आजाद मार्केट चौक, राधा स्वामी सत्संग के पास माटी माइंस और गाजीपुर में पेपर मार्केट शामिल हैं।

ग्रीन पटाखों का करें सीमित उपयोग : विजेंद्र

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने दीपावली के अवसर पर समस्त दिल्लीवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। अपने शुभकामना संदेश में गुप्ता ने कहा कि दीपावली प्रकाश, खुशियों, सद्भाव और सकारात्मकता का पर्व है। यह त्योहार अंधकार से प्रकाश की ओर बढ़ने तथा समाज में प्रेम, भाईचारे और आपसी सौहार्द को मजबूत करने की प्रेरणा देता है। गुप्ता ने दिल्लीवासियों से अपील की है कि वे दीपावली के उत्सव के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण का उत्तरदायित्व भी निभाएं। दिल्ली में प्रदूषण की चुनौती को देखते हुए नागरिक केवल ग्रीन पटाखों का ही सीमित उपयोग करें तथा वायु और ध्वनि प्रदूषण को कम करने में अपना रचनात्मक योगदान दें। गुप्ता ने कहा कि स्वच्छ एवं स्वस्थ दिल्ली का निर्माण केवल सरकार की नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का सामूहिक दायित्व है। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में प्रत्येक व्यक्ति का छोटा-सा प्रयास भी महत्वपूर्ण बदलाव ला सकता है। गुप्ता ने कहा किआइए, इस दीपावली पर खुशियों के दीप जलाएं, पर्यावरण को सुरक्षित रखें और एक स्वच्छ, स्वस्थ एवं प्रदूषण मुक्त दिल्ली का निर्माण करें।

पराली जलाने से खेतों की उपज और हवा दोनों को नुकसान : पूसा

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में बढ़ते वायु प्रदूषण के बीच भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईएआरआई), पूसा ने दिल्ली देहात और एनसीआर के किसानों से खरीफ फसलों, विशेषकर धान की पराली नहीं जलाने की अपील की है। संस्थान के कृषि भौतिकी संभाग की नोडल अधिकारी डॉ. अनन्ता वशिष्ठ ने किसानों को सलाह दी है कि वे फसल अवशेषों का उचित प्रबंधन करें, क्योंकि पराली जलाने से न केवल वायु प्रदूषण बढ़ता है, बल्कि फसलों की गुणवत्ता और उत्पादन पर भी प्रतिकूल असर पड़ता है। संस्थान की ओर से जारी 11 नवंबर 2026 तक के साप्ताहिक मौसम आधारित कृषि परामर्श में किसानों को पराली प्रबंधन के वैकल्पिक तरीके अपनाने की सलाह दी गई है। डॉ. वशिष्ठ के अनुसार, पराली जलाने से निकलने वाला धुआं और स्मॉग वातावरण में प्रदूषण बढ़ाने के साथ फसलों तक पहुंचने वाले सूर्य के प्रकाश को भी कम कर देता है। डॉ. वशिष्ठ ने बताया कि पराली जलाने से उत्पन्न धुआं और स्मॉग फसलों तक पहुंचने वाले सौर विकिरण को कम कर देते हैं। इससे प्रकाश संश्लेषण और वाष्पोत्सर्जन की प्रक्रिया प्रभावित होती है। परिणामस्वरूप फसलों की वृद्धि, कृषि उपज की गुणवत्ता और उत्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। इसके अलावा पराली के धुएं से वायु प्रदूषण बढ़ता है, जो लोगों के स्वास्थ्य के लिए भी गंभीर खतरा है। विशेष रूप से सांस संबंधी बीमारियों से पीड़ित लोगों को इससे अधिक परेशानी हो सकती है।

शिक्षकों के व्यावसायिक विकास और मार्गदर्शन पर कार्यशाला आयोजित

नई दिल्ली। गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी के यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ एजुकेशन (यूएसई) की पहल पर राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् (एनसीटीई) के सहयोग से पुष्टि (एनपीएसटी) और मित्र (एनएमएम) को अपनाने पर एक दिवसीय राज्यस्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई। विश्वविद्यालय के द्वारका परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम का विषय 'समर्थ शिक्षक-सशक्त भारत' था। आईपीयू प्रशासन ने शनिवार का यह जानकारी देते हुए बताया कि कार्यशाला का उद्देश्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप शिक्षकों के व्यावसायिक मानकों, सतत विकास और मार्गदर्शन को सुदृढ़ करना था। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) महेश वर्मा ने कार्यशाला की सफलता के लिए शुभकामनाएँ दीं और शिक्षक शिक्षा को सशक्त बनाने के लिए यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ एजुकेशन तथा एनसीटीई के संयुक्त प्रयासों की सराहना की। कार्यशाला का आयोजन यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ एजुकेशन के अधिष्ठाता प्रो. धनंजय जोशी के नेतृत्व में किया गया। अपने संबोधन में उन्होंने शिक्षकों को राष्ट्रनिर्माता और देश के भविष्य का संरक्षक बताया।

एनडीएमसी के सुविधा शिविर में प्राप्त हुईं 35 शिकायतें

100 से अधिक अधिकारियों ने मिलकर नागरिक समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु किया समन्वित प्रयास

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) ने शनिवार को जय सिंह रोड स्थित एनडीसीसी कन्वेंशन सेंटर, नई दिल्ली में अपने मासिक सुविधा शिविर का आयोजन किया। इस सुविधा शिविर में कुल 35 जन-शिकायतें प्राप्त हुईं, जिन्हें संबंधित विभागों द्वारा तत्काल संज्ञान में लेकर उनके समाधान की प्रक्रिया प्रारम्भ की गई।

प्राप्त शिकायतों में अधिकांश मामले कार्मिक, सिविल इंजीनियरिंग, उद्यान, जन स्वास्थ्य, प्रवर्तन, वाणिज्यिक, कर एवं संपदा विभागों से संबंधित थे। शिकायतों के



अतिरिक्त बड़ी संख्या में नागरिकों ने एनडीएमसी द्वारा संचालित विभिन्न नागरिक सेवाओं एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के संबंध में मार्गदर्शन एवं आवश्यक जानकारी भी प्राप्त की। सुविधा शिविर की प्रमुख विशेषता नागरिकों एवं विभागीय अधिकारियों के बीच प्रत्यक्ष संवाद रही, जिससे नागरिकों की समस्याओं को तुरंत समझने और उनके समाधान की प्रक्रिया में तेजी लाने में सहायता मिली। जिन मामलों में नीतिगत स्तर पर विचार की आवश्यकता थी, उनका भी परीक्षण किया गया तथा संबंधित नागरिकों को निर्धारित प्रक्रिया एवं शिकायतों के समाधान की संभावित समय-सीमा से अवगत कराया गया। सुविधा शिविर में 30 विभागों का प्रतिनिधित्व करते हुए 100 से अधिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया और समन्वित एवं समयबद्ध शिकायत निवारण सुनिश्चित किया।

सभी सहायता काउंटरों की व्यक्तिगत निगरानी संबंधित विभागाध्यक्षों द्वारा की गई, जो जवाबदेही, पारदर्शिता एवं प्रभावी जनसेवा के प्रति एनडीएमसी की प्राथमिकता को दर्शाता है। गौरतलब है कि डिजिटल सुशासन को बढ़ावा देने के लिए एनडीएमसी अपने 'जन सुविधा पोर्टल' को और अधिक सशक्त बना रही है। यह एक संपर्क-रहित ऑनलाइन शिकायत निवारण प्रणाली है, जिसके माध्यम से नागरिक एवं सेवा उपभोक्ता अपनी शिकायतें ऑनलाइन दर्ज कर सकते हैं, उनकी प्रगति की वास्तविक समय में निगरानी कर सकते हैं तथा शिकायत के समाधान के उपरांत अपनी प्रतिक्रिया भी दर्ज कर सकते हैं। एनडीएमसी की वेबसाइट के माध्यम से उपलब्ध यह पोर्टल पारदर्शी एवं समयबद्ध नागरिक सेवा उपलब्ध कराने का एक महत्वपूर्ण डिजिटल माध्यम बन चुका है।

दिल्ली देहात के कई मुख्य मार्गों में गड्ढे ही गड्ढे

दोपहिया वाहन चालकों पर मंडरा रहा हादसों का खतरा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली देहात के गांवों को आपस में जोड़ने वाली कई प्रमुख सड़कों की बदहाली अब वाहन चालकों की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बनती जा रही है। सड़कों पर जगह-जगह बने गहरे गड्ढे और उखड़ी हुई सड़कें खासतौर पर दोपहिया वाहन चालकों के लिए किसी बड़े हादसे का कारण बन सकती हैं। हैरानी की बात यह है कि इन मार्गों से प्रतिदिन बड़ी संख्या में ग्रामीण, नौकरीपेशा लोग, विद्यार्थी और अन्य वाहन चालक गुजरते हैं, लेकिन सड़क की मरम्मत और रखरखाव को लेकर जिम्मेदार विभागों की सक्रियता नजर नहीं आ रही है।

राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 44 के साथ सिंघौला गांव से बवाना जाने वाले मार्ग पर कई स्थानों पर सड़क में गड्ढे ही गड्ढे नजर आते हैं और दो पहिया वाहनों के लिए इस मार्ग की हालत बेहद खराब है। यहां जगह-



जगह गड्ढे होने के कारण वाहन चालकों को संभलकर निकलना पड़ता है।

इसी तरह अलीपुर से बख्तावरपुर मार्ग पर भी सड़क की बदहाली लोगों के लिए परेशानी का सबब बनी हुई है। इसके अलावा, ताजपुर गांव से सिंघु गांव की तरफ जाने वाले मार्ग, तिगीपुर गांव से यमुना पुस्ता होते हुए बुराड़ी जाने वाले मार्ग पर भी कमोबेश यही स्थिति है। इन सड़कों पर सफर करने वाले लोगों को हर समय दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। दोपहिया वाहन चालकों ने बताया कि सड़क पर बने गड्ढे कार या बड़े वाहनों के मुकाबले मोटरसाइकिल और स्कूटी चालकों के लिए कहीं अधिक खतरनाक साबित हो सकते हैं। अचानक सामने आए गड्ढे से बचने के लिए चालक को अचानक ब्रेक लगाना या वाहन मोड़ना पड़ता है। ऐसे में पीछे से आ रहे वाहन से टक्कर होने अथवा संतुलन बिगड़ने का खतरा रहता है। बारिश, जलभराव और रात के अंधेरे में सड़क के गड्ढों का अंदाजा लगाना भी मुश्किल हो जाता है। कई बार मामूली लापरवाही भी गंभीर दुर्घटना का रूप ले सकती है।

गांवों की कनेक्टिविटी पर भी पड़ रहा असर

दिल्ली देहात की ये सड़कें केवल आवागमन का माध्यम नहीं हैं, बल्कि ग्रामीणों की रोजमर्रा की जिंदगी का अहम हिस्सा हैं। इन्हीं मार्गों से लोग कामकाज, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और व्यापारिक गतिविधियों के लिए आते-जाते हैं। सड़कें खराब होने से न केवल यात्रा का समय बढ़ता है, बल्कि वाहनों को भी नुकसान पहुंचता है। एंबुलेंस और अन्य आपातकालीन वाहनों के लिए भी ऐसी सड़कें परेशानी खड़ी कर सकती हैं।

क्या हादसे के बाद जागेंगे जिम्मेदार विभाग?

सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या संबंधित विभाग किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहे हैं? क्या सड़क की मरम्मत के लिए दुर्घटना होने के बाद ही कार्रवाई की जाएगी? जनहित में जरूरी है कि संबंधित एजेंसियां इन तीनों मार्गों का तत्काल निरीक्षण कराएं। गड्ढों की पहचान कर उनकी स्थायी मरम्मत कराई जाए और सड़क की गुणवत्ता की नियमित निगरानी भी सुनिश्चित हो। ग्रामीणों का कहना है कि वाहन चालकों की सुरक्षा को देखते हुए इन मार्गों की मरम्मत को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। सड़कें विकास की पहचान होती हैं, लेकिन जब उन्हीं सड़कों पर सफर करना जान जोखिम में डालने जैसा हो जाए तो संबंधित विभागों की जवाबदेही तय होना भी जरूरी है।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 सीआरपीसी / 84 बीएनएसएस देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **शमीम पुत्रः शाहीद पताः गाँव बावला, थाना तावडू, जिला नूह, मेवात, हरियाणा** ने case **FIR No. 47/2020 U/s 186/353/307/34 IPC & 25/27 Arms Act, थानाः मैदान गढ़ी, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **शमीम** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **शमीम** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपनेआप को छिपा रहा है।)

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि case **FIR No. 47/2020 U/s 186/353/307/34 IPC & 25/27 Arms Act, थानाः मैदान गढ़ी, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **शमीम** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद / मुकदमा का उत्तर देने के लिए **दिनांक 18.12.2026** को या उससे पूर्व हाज़िर हो।

आदेशानुसार
श्री समर विशाल
अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश–02
दक्षिण, कोर्ट नं. 303
साकेत कोर्ट, नई दिल्ली

DP/16084/SD/2026 (Court Matter)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 सीआरपीसी/84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **अशोक कुमार, पुत्र श्री श्याम लाल निवासी डी-125, शिव गली, वेस्ट करवाल नगर, दिल्ली** ने **सीआरएल. अपील नं. 985/2009, प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 200/98 भा.द.सं. की धारा 342/376 के तहत, थाना गोकलपुरी, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया है कि उक्त अभियुक्त **अशोक कुमार** मिल नहीं रहा है और समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया है कि उक्त अभियुक्त **अशोक कुमार** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से **बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है**)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है **कि सीआरएल. अपील नं.985/2009, प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 200/98 भा.द.सं. की धारा 342/376 के तहत, थाना गोकलपुरी, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **अशोक कुमार** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए 27.01.2027 को या उससे पूर्व हाजिर हो।

आदेशानुसार
संदीप गुप्ता
संयुक्त रजिस्ट्रार
दिल्ली उच्च न्यायालय

DP/15733/NE/2026

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr. P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **आरोपी अनिल कुमार उर्फ चिंकू, पुत्रः** श्री. कृपाल सिंह **पताः** मकान नं. 10613 गली नंबर 15 प्रताप नगर अंधा मुगल गुलाबी बाग, दिल्ली **FIR No. 44/2022, U/s: 379/411 IPC थानाः कश्मीरी गेट, दिल्ली**, के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **अनिल कुमार उर्फ चिंकू,** मिल नही रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **अनिल कुमार उर्फ चिंकू,** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि उक्त अभियुक्त **अनिल कुमार उर्फ चिंकू, FIR No. 44/2022, U/s: 379/411 IPC थानाः कश्मीरी गेट, दिल्ली**, से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **07.12.2026** को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
वैभव गर्ग
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी–11
(केन्द्रीय) कमरा नंबर 138
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/16130/N/2026
(Court Matter)

हीरो मना रहा है भारत की कला शैलियों का जश्न. पेश है तमिलनाडु के **रुबेशकुमार टी** की **तंजौर कला.**

Hero

Hero

भरोसा सोने सा खरा

दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ



XOOM | STARTING EX-SHOWROOM PRICE ₹84 294

XTREME 125R | STARTING EX-SHOWROOM PRICE ₹91 500

सोने का सिक्का और बहुत कुछ जीतने का मौका पाएं@

कैश डिस्काउंट ₹3000~ तक

इंस्टेंट कैशबैक ₹10000^ तक SBI card HDFC BANK pine labs

कम डाउन पेमेंट ₹6999^ से शुरू

कॉर्पोरेट ऑफर्स ₹3200~ तक

For bulk / institutional inquiries, please write to us at : institutionalsales@heromotocorp.com | Available in CSD

INDIA'S FIRST 5 YEAR WARRANTY* *Conditions apply

Hero GoodLife

Also Available on: Flipkart amazon.in

Hero MotoCorp Ltd. Regd. Office: The Grand Plaza, Plot No.2, Nelson Mandela Road, Vasant Kunj Phase - II, New Delhi - 110070, India. I CIN: L35911DL1984PLC017354 I For further information, contact your nearest Hero MotoCorp authorized outlet or visit us on www.HeroMotoCorp.com. Accessories and features shown may not be a part of standard fitment. Always wear a helmet while riding a two-wheeler. ~Offer amount and combination of offer may vary for model/variant and states and it is applicable on select models only, for a limited time period or till stock lasts. Cash discount, Exchange & Corporate offer are exclusive and can't be availed together ^Finance/Card offer are at the sole discretion of the financier/bank, Subject to their respective T&Cs, Offer available only on limited stores. @Offer is only for New Goodlife members, Limited period offer-T&C apply.Ex-showroom price of Xtreme 125R IBS & Xoom 125 VX in Delhi.

TOLL FREE 1800 266 0018

Authorised Dealers: South Delhi: Pul Prahladpur Badarpur: Singla Hero - 9289922771, **Lajpat Nagar: Sapphire Hero-** 9289923175, **Adchini (Main Mehrauli Road): Pashupati Hero-** 9289922381, **Okhla Phase II: ARC Hero-** 9289922461, **East Delhi: Durgapuri (Loni Road, Shahadra): Himgiri Hero-** 9289922380, **Pushta Kartar Nagar: Aman Hero-** 9289922735, **Dilshad Garden: RK Hero-** 9289923010, **Patparganj Pandav Nagar: Singla Autoneeds Hero-** 9289923222, **North Delhi: Azadpur: Shraman Hero-** 9289923185, **Pitampura: Shraman Hero–** 9289924252, **Rithala (Rohini): Metro Hero-** 9289922597, **Rama Vihar : Metro Hero-** 9289924250, **Narela: MetroHero-** 9289924251, **Budh Vihar: JMD Autoworld Hero-** 9289924188, **Mangolpuri: JMD Autoworld Hero** - 7838405858, **Central Delhi: Karol Bagh (Faiz Road): EssAay Hero-** 9289922382, **Upper India Hero-** 9289924343, **West Delhi: Roshan Vihar (Najafgarh): Avni Hero-** 9289922671, **Paschim Vihar (Peeragarhi): Shivganga Hero-** 9289922796, **Palam Dabri Road (Dwarka): Singla Hero-** 9289922530, **Raja Puri: Singla Hero-** 7836078383, **Samalkha: Singla Hero-** 7836078484, **Janak Puri, C-1: Singla Hero-** 9911884416, **Tilak Nagar: Khanna Hero-** 9289922383, **Bali Nagar: Khanna Hero-** 9289924309, **Nawada: Khanna Hero-** 9289924310; **Noida: H-206A, Sector 63: Dhansri Hero-** 9289923044, **Sector 5, B 124: Uppal Hero-** 9289922462, **Sector-58 C-70: Singla Hero-** 9289923059; **Ghaziabad: Meerut, Delhi Road- Globe Hero-** 9289922073, **Shiv Puri, Vijay Nagar- Aman Hero-** 9289232123; **Sahibabad: Sahib Hero-** 9289922486; **Gurugram: Sec–18, Noble Enclave: Globe Agencies-** 9289233915, **Badshahpur: Himgiri Hero-** 9289923046, **Basai Road Sector 11: Sharma Hero-** 9289923221, **Mehrauli Rd Sector 15: Autoneeds Hero-** 9289922051, **Rajeev Chowk: Jasodha Hero-** 9289922495, **Wazirabad: Himgiri Hero-** 9289924247, **Railway Road: Himgiri Hero-** 9289924248; **Sohna: No. 160/2 Delhi Road: Auto Links Hero-** 9289924089; **Faridabad: Sehgal Hero-** 9289922419, **NIT: Sehgal Hero-** 7217627327, Neelambata Road: **VPS Jindal Motors,** 9289235889.

Cheil 33547/26

खबर संक्षेप

8.76 ग्राम चिट्टा सहित एक आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद। क्राइम ब्रांच सिकरोना की टीम ने 8.76 ग्राम चिट्टा सहित एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान सोहिल उर्फ भब्बल निवासी ईरानी मोहल्ला गांव धौज फरीदाबाद के रूप में हुई है।



पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि 6 नवम्बर को क्राइम ब्रांच सिकरोना की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए आरोपी को सिलौखरी मोड़ के पास से काबू किया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 8.76 ग्राम चिट्टा बरामद हुआ। आरोपी के खिलाफ थाना धौज में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने गांव के ही एक व्यक्ति से 20 हजार रुपये में 20 ग्राम चिट्टा खरीदा था, कुछ का सेवन कर लिया। तथा कुछ बेच दिया। आरोपी को अदालत में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया जाएगा।

कट्टा रखने व उपलब्ध के मामले में दो गिरफ्तार



फरीदाबाद। अपराध शाखा सेक्टर-48 की टीम ने कार्रवाई करते हुए आकाश भड़ाना निवासी हरकेश नगर, पल्ला तथा अभिषेक शर्मा निवासी मोलड़बंद बदरपुर दिल्ली को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि अपराध शाखा की टीम सैनिक कॉलोनी चौक के पास गश्त पर थी। इसी दौरान मुखबिर खास से सूचना मिली कि आकाश भड़ाना गुरुग्राम मोड़ से पाली रोड पर अवैध देशी कट्टा लेकर खड़ा है। पुलिस टीम ने तुरंत मौके पर पहुंचकर उसे काबू कर लिया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से एक देशी कट्टा बरामद हुआ। पूछताछ के आधार पर पुलिस ने कट्टा उपलब्ध करवाने के मामले में अभिषेक शर्मा को भी गिरफ्तार किया गया है। मामले बारे थाना डबुआ में आम्र्स एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया है। पुलिस द्वारा दोनों आरोपियों को अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

सिद्धपीठ श्री हनुमान मंदिर में धूमधाम से मनाया गया हनुमान जन्मोत्सव

डॉ. राजेश भाटिया ने हनुमान जी की प्रतिमा पर चांदी का खड़ग चढ़ाकर लिया आशीर्वाद

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

मार्केट नंबर-1 स्थित सिद्धपीठ श्री हनुमान मंदिर में हनुमान जन्मोत्सव श्रद्धा और उल्लास के साथ धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना की गई और हनुमान जी का भव्य श्रृंगार किया गया। मंदिर के प्रगंण में अमित भाटिया व रीना भाटिया के द्वारा हवन किया गया तत्पश्चात मंदिर के प्रधान डॉ. राजेश भाटिया ने हनुमान जी के चरणों में चांदी का खड़ग अर्पित कर उनका आशीर्वाद लिया।

खास बातें

- मंदिर में प्रागंण में हवन कर पूजा-अर्चना की
- हनुमान जन्मोत्सव श्रद्धा और उल्लास के साथ धूमधाम से मनाया गया



सच्ची श्रद्धा और दृढ़ संकल्प से हर कठिन परिस्थिति का सामना किया जा सकता है

हनुमान जी शक्ति, भक्ति, साहस, समर्पण और निस्वार्थ सेवा के प्रतीक हैं। उनका जीवन हमें सिखाता है कि सच्ची श्रद्धा और दृढ़ संकल्प से हर कठिन परिस्थिति का सामना किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को हनुमान जी के जीवन से प्रेरणा लेकर समाज सेवा, धर्म और मानवता के मार्ग पर चलना चाहिए। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं को हनुमान जन्मोत्सव की शुभकामनाएं देते हुए क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर हनुमान जी के दर्शन किए और पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की।

जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया

डॉ. राजेश भाटिया ने कहा कि हनुमान जयंती केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि हमें भगवान हनुमान के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने की प्रेरणा देने वाला पावन अवसर है। फरीदाबाद मार्केट नंबर-1 स्थित सिद्धपीठ श्री हनुमान मंदिर में हनुमान जन्मोत्सव श्रद्धा और उल्लास के साथ धूमधाम से मनाया गया।

प्रेरणा देने वाला पावन अवसर

मंदिर के प्रगंण में अमित भाटिया व रीना भाटिया के द्वारा हवन किया गया तत्पश्चात मंदिर के प्रधान डॉ. राजेश भाटिया ने हनुमान जी के चरणों में चांदी का खडग अर्पित कर उनका आशीर्वाद लिया। इस मौके पर डॉ. राजेश भाटिया ने कहा कि हनुमान जयंती केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि हमें भगवान हनुमान के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने की प्रेरणा देने वाला पावन अवसर है।

574 युवाओं ने रोजगार के लिए आजमाई किस्मत

मेवाड़ में वृहद रोजगार मेला आयोजित,38 कंपनियों ने मेवाड़ के 298 विद्यार्थी किए शॉर्टलिस्ट

हरिभूमि न्यूज ⏭ गाजियाबाद

जिला सेवायोजन अधिकारी गौतम घोष ने बताया कि युवाओं को उनकी योग्यता एवं कौशल के अनुसार रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इस मेले का आयोजन किया गया।

उत्तर प्रदेश सरकार के निर्देश पर जिला प्रशासन और वसुंधरा स्थित मेवाड़ ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स ने वृहद रोजगार मेले का आयोजन किया। मेवाड़ ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के कैम्पस में आयोजित मेले में विभिन्न क्षेत्रों की 38 कंपनियों ने भाग लिया। इस दौरान कुल 574 विद्यार्थियों ने रोजगार के लिए साक्षात्कार दिया, जिनमें से 298 विद्यार्थियों को विभिन्न कंपनियों ने शॉर्टलिस्ट किया। जिला सेवायोजन अधिकारी गौतम घोष ने बताया कि युवाओं को उनकी योग्यता एवं कौशल के अनुसार रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इस मेले का आयोजन किया गया। उन्होंने कहा कि रोजगार मेले युवाओं और कंपनियों के बीच सीधा संवाद स्थापित करने का प्रभावी माध्यम है। इस अवसर पर मेवाड़ ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स के चेयरमैन डॉ. अशोक कुमार गदिया ने कहा कि युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने और उन्हें रोजगार से जोड़ने के लिए सरकार एवं शिक्षण संस्थानों के संयुक्त प्रयास अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने संस्थान के महासचिव सीए अशोक कुमार सिंघल ने कहा कि वर्तमान समय में युवाओं के लिए कौशल विकास, व्यावहारिक ज्ञान और सकारात्मक दृष्टिकोण बेहद जरूरी है। ऐसे आयोजन युवाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने और बेहतर भविष्य की दिशा में आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करते हैं। कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री प्रदान करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को रोजगार के योग्य बनाना भी है।

मेले का उद्देश्य रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना

रोजगार मेले युवाओं और कंपनियों के बीच संवाद सेतु



रोजगार के अवसरों की जानकारी के लिए प्रोत्साहित किया

कार्यक्रम के अंत में मेवाड़ ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस की निदेशक डॉ. अलका अग्रवाल ने जिला प्रशासन, जिला सेवायोजन अधिकारी, प्रतिभागी कंपनियों एवं सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। रोजगार मेले में युवाओं को रोजगार संगम तथा सेवायोजन विभाग के आधिकारिक पोर्टल `मूंलवरंद.नच.दपब.पद के माध्यम से भी रोजगार के अवसरों की जानकारी प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

मानेसर डिटेंशन सेंटर भेजे गए सभी नागरिक

एटीएस की बड़ी कार्रवाई, 14 बांग्लादेशी नागरिक हिरासत में



एटीएस गुरुग्राम, एसओजी नूंह और रोहतक की संयुक्त टीम ने की कार्रवाई

धर्मेंद्र कौशिक ⏭ गुरुग्राम

भारत सरकार के दिशा-निर्देशों और राष्ट्रीय सुरक्षा के मद्देनजर गुरुग्राम एंटी टेररिस्ट स्क्वाड (एटीएस) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए भारत में कथित रूप से अवैध रूप से रह रहे 14 बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत में लिया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक एटीएस वरुण सिंगला के नेतृत्व में एटीएस गुरुग्राम, एसओजी नूंह और एसओजी रोहतक की संयुक्त टीम ने गुप्त सूचना और जांच के आधार पर की।

पुलिस के अनुसार, जांच के दौरान हिरासत में लिए गए सभी 14 व्यक्तियों के पास बांग्लादेश से संबंधित पहचान पत्र और अन्य दस्तावेज मिले। प्रारंभिक जांच में उनके पास भारत में रहने के लिए वैध वीजा, पासपोर्ट अथवा अन्य आवश्यक अनुमति नहीं पाई गई। हिरासत में लिए गए लोगों की पहचान मोहम्मद लुतफोर रहमान (17), मोहम्मद राजू मियां (20), साकिब हुसैन (18), मोहम्मद तारेकुल इस्लाम (17), इलियास अली (18), मोहम्मद फेरुज इस्लाम (19), मोहम्मद अनारुल हक (30), साकिब राणा (19), गुलाम रब्बानी (23), मोहम्मद ज्वेल राणा (20), अनवर हुसैन (37), आरिफुल उर्फ अलाउद्दीन (22), मोहम्मद मसूद राणा (27) और राजू आलम (28) के रूप में हुई है।

पुलिस टीम ने सभी 14 नागरिकों को हिरासत में लेने के बाद मानेसर स्थित डिटेंशन सेंटर भेज दिया है। एटीएस अधिकारियों के अनुसार, राष्ट्रीय सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों की पहचान और उनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई का अभियान लगातार जारी रहेगा।

गाजियाबाद में निर्माणाधीन भवन का लेंटर गिरा, कई लोग दबे

हरिभूमि न्यूज ⏭ गाजियाबाद

थाना मोदीनगर क्षेत्रान्तर्गत निर्माणाधीन घर का लेंटर गिर गया। जिससे पूरे इलाके सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और रेस्टो का कार्य शुरू कर दिया कई लोगों को सुरक्षित निकाला गया है। थाना मोदीनगर क्षेत्रान्तर्गत बताया गया है ।



राहत-बचाव कार्य शुरू

पुलिस के मुताबिक सतेन्द्र का निर्माणाधीन मकान का लेंटर पड़ रहा था, इसमें कुछ लोग काम कर रहे थे । तभी लेंटर गिर गया है और इसमें घटना के उपरांत सूचना के तत्काल बाद फायर सर्विस, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ सारी टीमें आ गई हैं, यहां पर रेस्क्यू चल रहा है। और इसमें से पांच लोगों को अभी तक रेस्क्यू कर लिया गया है, बाकी शेष भी अभी कुछ देर में अगर कोई होगा तो उसको भी रेस्क्यू किया जाएगा ।



थाना डबुआ पुलिस ने की अलग-अलग कार्यवाही

अवैध पटाखों के खिलाफ पुलिस का एक्शन, 378 किलो के प्रतिबंधित पटाखे बरामद, 2 गिरफ्तार

कैंटर से 198 .100 किलो पटाखे बरामद, चालक गिरफ्तार, कैंटर जब्त, डबुआ-पाली रोड स्थित फर्नीचर गोदाम पर छापेमारी कर 180 किलो प्रतिबंधित पटाखे किए बरामद

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

त्योहारों के दौरान अवैध पटाखों के भंडारण, परिवहन और बिक्री पर अंकुश लगाने के लिए फरीदाबाद पुलिस ने सख्त कार्रवाई करते हुए दो अलग-अलग मामलों में कुल 378.100 किलोग्राम प्रतिबंधित पटाखे बरामद किए हैं। पुलिस ने दोनों मामलों में एक-एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

इनमें एक कैंटर भी जब्त किया गया है, जिसका इस्तेमाल पटाखों के परिवहन में किया जा रहा था। अपराध शाखा एवीटीएस-2 भूपानी की टीम ने बाटा चौक के पास सेक्टर-20बी, मथुरा रोड स्थित इंडियन ऑयल पेट्रोल पंप के नजदीक एक कैंटर की जांच के दौरान छह गत्ते की पेटियों में रखे 198.100 कि लो ग्रा म अवैध पटाखे बरामद किए। कैंटर चालक ध्यान सिंह निवासी गांव मटोली जिला सोलन हिमाचल प्रदेश, पटाखों के संबंध में कोई वैध लाइसेंस या परमिट पेश नहीं कर सका। पुलिस ने पटाखों सहित कैंटर को जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार कर थाना सेक्टर-8 में मामला दर्ज किया है। थाना डबुआ पुलिस ने डबुआ-पाली रोड स्थित सोनू के फर्नीचर गोदाम पर छापेमारी कर 180 किलोग्राम प्रतिबंधित पटाखे बरामद किए।



तलाशी में शॉट, अनार सहित पटाखे मिले

पुलिस ने मौके से आरोपी सुमित निवासी एनआईटी फरीदाबाद को गिरफ्तार किया। गोदाम की तलाशी में तीन पेटियों से स्काई शॉट, अनार सहित विभिन्न प्रकार के पटाखे मिले। आरोपी इनके भंडारण एवं बिक्री से संबंधित कोई वैध लाइसेंस या परमिट पेश नहीं कर सका। पुलिस ने पटाखे कब्जे में लेकर थाना डबुआ में मामला दर्ज किया है। दोनों मामलों में पुलिस द्वारा विस्फोटक अधिनियम एवं भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत आगामी कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

अपराध शाखा सेक्टर-48 की कार्रवाई

जिला वैक्सीन स्टोर से चोरी की गई थी एसी वायर व इनवर्टर बैट्री, एक धराया

चोरी के मामले में आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेजा गया

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

सिविल अस्पताल फरीदाबाद स्थित जिला वैक्सीन स्टोर से एसी वायर व इनवर्टर बैट्री चोरी करने के मामले में अपराध शाखा सेक्टर-48 की टीम ने एक आरोपी नाजिम उर्फ डब्बू निवासी आदर्श कॉलोनी फरीदाबाद को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 10 हजार रुपये बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार जिला वैक्सीन स्टोर के अधिकारी ने थाना एसजीएम नगर में शिकायत दी थी कि 27 अक्टूबर को कार्यालय में अवकाश के दौरान अज्ञात द्वारा एयर कंडीशनर की कॉपर वायर व दो डबल बैटरी इन्वर्टर चोरी कर लिया है। शिकायत पर थाना एसजीएम नगर में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। प्रा रं भि क पूछताछ में सामने आया कि आरोपी ने 27 अक्टूबर की रात सिविल अस्पताल फरीदाबाद स्थित जिला वैक्सीन स्टोर में घुसकर चोरी की थी और बाद में उस सामान को 20 हजार रुपये में बेच दिया था।

पुलिस ने चोरी के सामान को बेचकर प्राप्त राशि में से 10 हजार रुपये बरामद किये हैं। आरोपी को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।



व्यापारियों से बातचीत कर चुनौतियों और अनुभवों की जानकारी ली

स्थानीय कारीगरों की मुस्कान में दिखा आत्मनिर्भर भारत का संकल्पः हिना शुक्ला

हरिभूमि न्यूज ⏭ गुरुग्राम

दीपावली के अवसर पर भाजपा हरियाणा की प्रदेश सोशल मीडिया सह-प्रमुख हिना शुक्ला ने स्थानीय दुकानदारों, छोटे व्यापारियों और पारंपरिक कारीगरों के बीच पहुंचकर उनके साथ त्योहार की खुशियां साझा कीं।

उन्होंने स्थानीय उत्पादों की खरीदारी कर वोकल फॉर लोकल अभियान को बढ़ावा दिया और कारीगरों का उत्साहवर्धन करते हुए आत्मनिर्भर भारत का संदेश दिया। इस दौरान हिना शुक्ला ने व्यापारियों और कारीगरों से बातचीत कर उनके कारोबार, चुनौतियों और अनुभवों की जानकारी ली। उन्होंने प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना और प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के बारे में बताते हुए इन योजनाओं से मिलने वाले लाभों और सुविधाओं की जानकारी भी साझा की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना रेहड़ी-पटरी संचालकों को कारोबार बढ़ाने के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने में मददगार है। वहीं, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना पारंपरिक कारीगरों को प्रशिक्षण, आधुनिक उपकरण और रियायती ऋण जैसी सुविधाएं प्रदान कर रही है।



मेहनत को सम्मान देने का अभियान

हिना शुक्ला ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार छोटे व्यापारियों, पारंपरिक कारीगरों और महिला उद्यमियों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रयासरत है। स्थानीय उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने और डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने से छोटे कारोबारियों को नए अवसर मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का वोकल फॉर लोकल अभियान केवल स्थानीय उत्पाद खरीदने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह देश के हुनर, परंपरा और मेहनत को सम्मान देने का अभियान है। छोटे दुकानदार से खरीदा गया सामान उसके परिवार की आजीविका से जुड़ा होता है।

बेटे ने गाड़ियों के बीच छिपकर बचाई अपनी जान

मल्टीस्टोरी में गाड़ी हटाने को लेकर गहराया विवाद

पड़ोसी ने पिता और बेटे पर चलाई गोली, पिता की मौत, फरार आरोपी गिरफ्तार, न्यायालय में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

फरीदाबाद के सेक्टर-21सी स्थित एक मल्टी स्टोरी मकान में पड़ोसी का पड़ोसी के साथ हुए विवाद में गोलियां मारकर हत्या करने के मामले में अपराध शाखा सेक्टर-30 की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी मोहन निवासी मकान नंबर 641 द्वितीय तल, सेक्टर-21 सी को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस के अनुसार शौर्य निवासी सेक्टर-21 सी ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 6 नवम्बर की रात करीब 8:30 बजे उनके पड़ोसी मोहन शर्मा ने उनके फ्लोर की घंटी बजाई और उसके पिताजी परमजीत को गाड़ी हटाने के लिए नीचे बुलाया। शिकायतकर्ता भी अपने पिताजी के साथ नीचे आया। जहां पर मोहन शर्मा, उसके पिताजी के साथ झगड़ा करने लगा और विवाद शुरू कर दिया। इसी दौरान मोहन शर्मा ने पिस्टल निकालकर उसके पिता पर कई गोलियां चला दीं। शिकायतकर्ता पर भी आरोपी ने गोलियां चलाई, उसने गाड़ियों के पीछे छिपकर अपनी जान बचाई वारदात के बाद आरोपी अपनी गाड़ी से फरार हो गया।



गहन पूछताछ की जाएगी

गोलियां लगने से उसके पिताजी की मृत्यु हो गई। जिसकी शिकायत पर थाना सूरजकुंड में हत्या, हत्या के प्रयास, षड्यंत्र की धाराओं के अंतर्गत मामला दर्ज कर जांच आरंभ की गई।6 नवंबर को उसने परमजीत को गाड़ी हटाने के लिए नीचे पार्किंग में बुलाया, जहां पर उनकी कहासुनी हो गई, जिस पर उसने अपनी पिस्टल से परमजीत पर गोलियां चला दी, जिससे परमजीत की मृत्यु हो गई। उसके बेटे को भी मारने के लिए भी उसने गोलियां चलाई थी लेकिन वह बच गया। इसके बाद वह वहां से फरार हो गया था। आरोपी को माननीय न्यायालय में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया जाकर गहन पूछताछ की जाएगी तथा साक्ष्य एकत्रित किए जाएंगे।

अपराध शाखा सिकरोना की कार्रवाई

मोटरसाइकिल चोरी के मामले में आरोपी गिरफ्तार, बाइक बरामद

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

अपराध शाखा सिकरोना की टीम ने थाना मुजेसर क्षेत्र में हुई मोटरसाइकिल चोरी के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर चोरीशुदा मोटरसाइकिल बरामद की है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि सीताराम वासी गौच्छी द्वारा थाना मुजेसर में सितम्बर 2026 में मोटरसाईकिल चोरी की शिकायत दी गई थी। जिसमें कार्रवाई करते हुए अपराध शाखा सिकरोना की टीम ने आरोपी अरशद उर्फ ललु वासी गांव मादलपुर फरीदाबाद को सिकरोना नाका से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरीशुदा मोटरसाइकिल बरामद कर ली है। जिसको न्यायलय में पेश कर जेल भेजा गया है।



पर्यावरण संरक्षण को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं

स्वच्छ, हरित और प्रदूषणमुक्त दीपावली मनाएं दिल्लीवासी: रेखा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली



स्वच्छ, हरित और प्रदूषणमुक्त दिल्ली बनाने में हम सभी को जिम्मेदारी निभानी होगी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दीपावली के पावन पर्व पर दिल्लीवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए यह बात कही। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने दिल्लीवासियों के सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की है।

उन्होंने कहा है कि दीपावली केवल दीपों और रोशनी का त्योहार नहीं, बल्कि आशा, विश्वास, आत्मीयता और नए संकल्पों का पर्व है। मां लक्ष्मी की आराधना से जुड़ा यह त्योहार हमें समृद्धि के साथ सेवा, सहयोग और सामाजिक जिम्मेदारी का भी संदेश देता है। मेरी कामना है कि दीपावली का प्रकाश दिल्ली के प्रत्येक घर-परिवार में सुख, स्वास्थ्य और खुशहाली लेकर आए। कोई भी परिवार विकास और समृद्धि की इस यात्रा में पीछे न छूटे। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली मेरा परिवार है और इस परिवार के प्रत्येक सदस्य का बेहतर जीवन, सुरक्षित भविष्य और सम्मान मेरी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प से प्रेरणा लेकर हम विकसित दिल्ली के निर्माण की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा प्रयास है कि विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और दिल्ली आधुनिक सुविधाओं, स्वच्छ वातावरण, बेहतर बुनियादी ढांचे तथा आर्थिक अवसरों के साथ देश की अग्रणी राजधानी बने। मुख्यमंत्री ने दिल्लीवासियों से आह्वान किया कि वे प्रेम, सद्भाव, स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं। उन्होंने कहा कि आइए, इस दीपावली पर हम सब मिलकर ऐसी दिल्ली बनाने का संकल्प लें, जहां हर घर में खुशहाली हो, हर बेटी के सपनों को उड़ान मिले, हर परिवार सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन जिए तथा आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ, सुंदर और विकसित दिल्ली विरासत में मिले।

विकसित दिल्ली का संकल्प होगा पूरा

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार का संकल्प दिल्ली को केवल देश की राजधानी ही नहीं, बल्कि आधुनिक सुविधाओं, मजबूत बुनियादी ढांचे और नागरिकों के लिए बेहतर जीवन स्तर वाली विकसित राजधानी बनाना है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत-2047 के विजन के अनुरूप दिल्ली मास्टर प्लान 2047 के माध्यम से राजधानी के सुनियोजित विकास की मजबूत आधारशिला रखी जा रही है। इसके तहत आवास, परिवहन, बाजारों, गांवों और अनधिकृत कॉलोनियों के विकास के साथ गरीब परिवारों को सम्मानजनक आवास उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

'वजीराबाद से कालिंदी कुंज तक यमुना को स्वच्छ बनाने का लक्ष्य'

नई दिल्ली। अपने जन्मदिन को पर्यावरण संरक्षण के संकल्प से जोड़ते हुए दिल्ली सरकार के कैबिनेट मंत्री एवं जल मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने वासुदेव घाट पर माँ यमुना की आरती कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया और अपना जन्मदिन माँ यमुना के साथ मनाया। इस अवसर पर उन्होंने अगले तीन वर्षों में वजीराबाद से कालिंदी कुंज तक यमुना के पूरे हिस्से को स्वच्छ और निर्मल बनाने के लक्ष्य को दोहराया। इस अवसर पर प्रवेश साहिब सिंह ने कहा कि कुछ दिन पहले मैंने दिल्लीवासियों से अपील की थी कि वे अपने जन्मदिन और जीवन के खास अवसर माँ यमुना के साथ मनाएं। आज अपने जन्मदिन पर स्वयं माँ यमुना की आरती कर उनका आशीर्वाद प्राप्त कर रहा हूँ। मेरी अपील है कि दिल्ली का हर व्यक्ति माँ यमुना से जुड़े, अपनी खुशियों के पल उनके साथ मनाए और यमुना को स्वच्छ बनाने के सामूहिक प्रयास का हिस्सा बने। रिवरफ्रंट पर हट सहित विभिन्न सुविधाएं विकसित की जा रही हैं, ताकि लोग और परिवार यमुना के किनारे अच्छा समय बिता सकें। मंत्री प्रवेश ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य लोगों और यमुना के बीच भावनात्मक जुड़ाव को मजबूत करना है। रिवरफ्रंट के किनारे विशेष हट तैयार किए जा रहे हैं, ताकि परिवार यहाँ आकर समय बिता सकें और जन्मदिन सहित अपने अन्य खास अवसर माँ यमुना के सान्निध्य में मना सकें। कैबिनेट मंत्री प्रवेश ने कहा कि यमुना का पुनर्जीवन केवल नदी की सफाई तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके साथ रिवरफ्रंट का विकास भी महत्वपूर्ण है।

थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों ने रंगों के जरिए दिया जल संरक्षण का संदेश

नई दिल्ली। पानी की एक-एक बूंद जीवन के लिए कितनी अनमोल है, इसका संदेश उन बच्चों ने अपनी कलाकृतियों के माध्यम से दिया, जो खुद जिंदगी की कठिन चुनौतियों से जूझ रहे हैं। कलावती सरन चिल्ड्रेन हॉस्पिटल (केएससीएच) के थैलेसीमिया वार्ड में आईआईसीसीएस सस्टेनेबल लाइफस्टाइल वीक के तहत पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों ने 'सेव वाटर, सेव लाइफ' थीम पर आकर्षक पोस्टर बनाकर जल संरक्षण का संदेश दिया। आमतौर पर अस्पताल के थैलेसीमिया वार्ड में बच्चों का समय इलाज, नियमित जांच और ब्लड ट्रांसफ्यूजन के बीच गुजरता है। लेकिन इस बार वार्ड का माहौल कुछ अलग नजर आया। बच्चों के हाथों में रंग, ब्रश और कागज थे। उन्होंने अपनी कल्पनाओं को रंगों में उतारते हुए पानी की बर्बादी रोकने, जल स्रोतों को बचाने और पानी का समझदारी से इस्तेमाल करने की अपील की। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य बच्चों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने के साथ उन्हें रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ना था। पोस्टरों के माध्यम से बच्चों ने बताया कि जल संरक्षण केवल सरकार या किसी एक संस्था की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। दैनिक जीवन में पानी की छोटी-छोटी बचत भी भविष्य में बड़े बदलाव का आधार बन सकती है।

दिवाली मिलन के साथ पुलिस आयुक्त ने सुनीं ग्रामीणों की शिकायतें

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस और आम जनता के बीच बेहतर तालमेल और विश्वास कायम करने के उद्देश्य से पुलिस आयुक्त अनुराग कुमार शनिवार को बाहरी उत्तरी जिले के अलीपुर थाने पहुंचे। यहां उन्होंने दिवाली मिलन समारोह के साथ जनसुनवाई का आयोजन किया। इस दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीणों ने पहुंचकर अपनी समस्याएं और सुझाव पुलिस आयुक्त के सामने रखे। खासतौर पर ग्रामीण इलाकों में यातायात व्यवस्था और अन्य नागरिक समस्याओं को लेकर लोगों ने ध्यान आकर्षित किया। जनसुनवाई में पुलिस आयुक्त ने लोगों की शिकायतों को गंभीरता से सुना और संबंधित मामलों की समीक्षा की। जिन समस्याओं का मौके पर समाधान संभव था, उनके निस्तारण के लिए आवश्यक कदम उठाए गए। वहीं, अन्य शिकायतों पर त्वरित और समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए संबंधित पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए गए। इस मौके पर उत्तरी रेंज के संयुक्त पुलिस आयुक्त विजय सिंह और बाहरी उत्तरी जिले के डीसीपी शोभित डी. सक्सेना सहित अन्य पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।

CHIEF ELECTORAL OFFICER, HARYANA

ONE MORE CHANCE
HARYANA SIR 2026

Your name missing from the Draft Electoral Roll?

If you were marked Absent, Shifted, Dead or Duplicate (ASDD), you can still get your name included in the Final Electoral Roll.

1 Check the list

ASDD lists shall be displayed afresh at Polling Stations, Panchayat Bhawans, ULB & BDO offices and on the CEO Haryana website.

2 Get your form

Your BLO will deliver your enumeration form either physically or by WhatsApp / SMS / e-mail. Or you can download and fill it on the website or the ECINET App by entering the same EPIC number that existed before your name was deleted.

3 Submit to your ERO / AERO / BLO

AT SAME ADDRESS
Enumeration Form + Annexure-B
Mention reason why you couldn't submit enumeration form earlier. Submit yourself, through family, or online on ECINET with e-sign.

SHIFTED WITHIN HARYANA
Enumeration Form + Annexure-C
Submit to the ERO / AERO of the Assembly Constituency where you have shifted. No Form-8 needed.

ALREADY SUBMITTED FORM-6
No need to apply again
Your Form-6 submitted during SIR will be processed.

✓ **Same EPIC number** that was assigned to you prior to SIR shall be re-assigned once your enumeration form is accepted.

Homeless? The BLO's field verification will be accepted as residence proof.

NEED HELP?
Voter Helpline 1950 • "Book a call with BLO" on ECINET App
Website ceoharyana.gov.in Facebook /ceoharyana Instagram @ceo.haryana
X @ceoharyana YouTube @ceo.haryana

सत्यमेव जयते
दिल्ली सरकार

शुभता और समृद्धि का पर्व
विकसित दिल्ली का संकल्प

शुभ दीपावली



नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री



रेखा गुप्ता
मुख्यमंत्री, दिल्ली

DIP/Shabdarth/Display/123/26-27

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
दीपोत्सव विशेष
नई दिल्ली, रविवार 8 नवंबर 2026



मन में भी जलाएं एक दीपक

दीपों से घर-आंगन रोशन करने के पर्व दीपोत्सव पर हम सब अपने आस-पास कहीं भी अंधेरा नहीं रहने देते। लेकिन दीपावली का पर्व केवल बाहर ही नहीं अपने अंतस को भी उजियारे से भरने की प्रेरणा देता है। महात्मा बुद्ध के उपदेशों, पौराणिक संदेशों और धार्मिक कथाओं में भी आत्म चेतना का दीप प्रज्ज्वलित करने की बात कही गई है। तो आइए आज दीपों के महापर्व में हम सब अपने मन में भी एक दीपक प्रज्ज्वलित करने का संकल्प करें।

{ आवरण कथा / श्वेता ठाकुर }

दीपावली आते ही घर-आंगन बुहारे जाने लगते हैं। दीवारों पर नया रंग-रोगन किया जाता है। देहरी पर रंगोली सजती है और सांझ ढलते ही मिट्टी के नन्हे-नन्हे दीये टिमटिमाने लगते हैं। अमावस की रात चारों ओर उजियारा जगमगाने लगता है। लेकिन इन जगमगाहटों के बीच एक सवाल भी चुपचाप खड़ा रहता है, बाहर तो हर ओर इतना उजाला कर लिया, पर क्या अपने भीतर का हर कोना भी रोशन हुआ? मन के अंतः कोनों में छिपी बैठी मलिनता भी दूर हो पाई?

महात्मा बुद्ध का उपदेशः स्वयं के भीतर प्रकाश फैलाने के संदर्भ में महात्मा बुद्ध का संदेश बहुत मूल्यवान है। महापरिनिर्वाण के समय शोकाकुल आनंद को महात्मा बुद्ध ने जो सीख दी, उसे हम 'आत्म दीप भव' के रूप में याद करते हैं। पालि परंपरा में यह 'अत्तदीपा विहरथ' है। यानी, अपने ही दीपक बनो और अपनी ही शरण में रहो। इसका अर्थ यह नहीं कि गुरु, ग्रंथ या समाज निरर्थक हैं। अर्थ यह है कि कोई भी उजाला, उधार का हो तो बुझ जाता है। रास्ता दिखाने वाले मिल सकते हैं, पर चलना अपने ही पैरों से होता है और लौ अपने ही भीतर जलानी पड़ती है।

उपनिषद की प्रार्थनाः आत्मालोकित करने का भाव भारतीय चिंतन में बहुत प्राचीन काल से प्रवाहित होता आया है। बृहदारण्यक उपनिषद् की प्रसिद्ध प्रार्थना है-

असतो मा सद्गमय। तमसो मा ज्योतिर्गमय। मृत्योर्मामृतंगमय॥

अंधकार से प्रकाश की ओर जाने की यह प्रार्थना, बाहरी अंधेरे के लिए कम और भीतरी अंधकार के लिए अधिक है। वह अंधकार अज्ञान का है, भ्रम का है और उस अहंकार का भी, जो हमें अपने ही सच से दूर रखता है।

गीता का स्वरः गीता आत्मालोकित करने के भाव को और स्पष्ट करती है। भगवान कृष्ण कहते हैं कि अपने भीतर बैठकर वे 'ज्ञानदीप' से अज्ञान से उपजा अंधकार मिटाते हैं (नाशयाम्यात्मभावस्थो ज्ञानदीपेन भास्वता, गीता 10-11)। यानी, दीया कहीं बाहर से नहीं आता, भीतर ही जलता है, बस उसे जलाने की इच्छा चाहिए। गीता के ही छठें अध्याय का सूत्र भी उतना ही सटीक है-

उद्धरेदात्मनात्मानं नात्मानमवसादयेत।
आत्मैव ह्यात्मनो बन्धुरात्मैव रिपुरात्मनः॥

अर्थात, अपना उद्धार स्वयं करो, स्वयं को गिरने मत दो, क्योंकि मनुष्य अपना सबसे बड़ा मित्र भी है और सबसे बड़ा शत्रु भी। बुद्ध के 'अत्त दीपो भव' से इसका स्वर और निहितार्थ पूरी तरह मिलता है।



पौराणिक परंपरा और दीपदानः पौराणिक परंपरा में कार्तिक मास को दीपदान का महीना माना गया है। नदी-तट पर, तुलसी के नीचे, मंदिर की देहरी पर जलता एक छोटा दीया, पुण्य का प्रतीक माना जाता है। दीप-स्तुति का यह श्लोक प्रसिद्ध है-

शुभं करोति कल्याणमारोग्यं धनसंपदा।
शत्रुबुद्धिविनाशाय दीपज्योतिर्नमोऽस्तुते॥

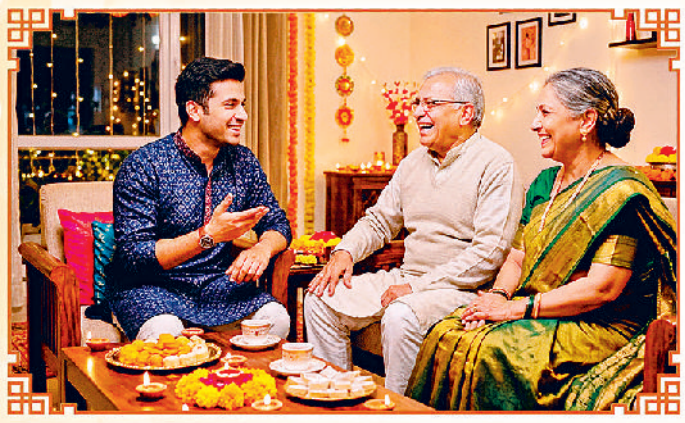

इस श्लोक में दीपक से धन-संपदा के साथ 'शत्रुबुद्धि के विनाश' की भी कामना की गई है। यह शत्रुबुद्धि कोई बाहरी दुश्मन नहीं, हमारे भीतर पलती ईर्ष्या, क्रोध और कटुता के भाव ही हैं। पौराणिक लोक-कथाओं के अनुसार चौदह वर्ष के वनवास और आततायी रावण का वध करने के बाद भगवान श्रीराम के अयोध्या लौटने की खुशी में दीपावली का पर्व मनाते हैं। कुछ पौराणिक मान्यताएं दीपावली को नरकासुर के अंत के उत्सव के रूप में भी मनाने की बात कहता है। हर कथा का संदेश एक ही है कि अंत में अंधकार हारता है, पर तब, जब कोई दीप जलाने का साहस करे।

जीवन से दूर रहे अंधेराः आधुनिक जीवन में अंधेरे का रूप बदल गया है। आज की रातें रोशनी की झालरों से जगमगाती हैं, पर मन की कोठरी में अकसर सन्नाटा रहता है। हम सैकड़ों लोगों से जुड़े तो दिखते हैं, फिर भी अकसर हम अकेले ही रह जाते हैं। स्क्रीन की नीली रोशनी दिन-रात जलती है, पर उसमें हमें अपना चेहरा नहीं दिखता। तुलना की होड़, कुछ पा लेने की बेचैनी, असंतोष, थकान और रिश्तों में बढ़ती दूरी भी अंधेरा ही हैं। इस अंधेरे में बिजली के बल्ब काम नहीं आते, यहां वही लौ चाहिए, जिसकी बात महात्मा बुद्ध ने की थी, जिसके बारे में पुराणों में बताया गया है।

ऐसे होगा अंतस में उजालाः आधुनिकता की चकाचौंध में बाहर ही नहीं अपने भीतर भी अंधियारा न बढ़े, इसके लिए हमें ही सजग रहना होगा। दीपावली, आत्मचिंतन को प्रेरित करती है कि केवल बाहरी दुनिया में ही नहीं अपने अंतस में भी उजाला फैले, इसके लिए प्रयास करें। दिन में कुछ पल मौन बैठकर अपनी सांस सुनने से, किसी के प्रति वर्षों पुरानी जमी मन की कड़वाहट धोकर क्षमा मांग लेने या क्षमा कर देने से, फोन को परे रखकर अपने घर के या आस-पड़ोस के बुजुर्गों के पास आत्मीयता से बैठ जाने से, भीतर खुशी का उजाला फैलेगा। ऐसे छोटे-छोटे दिखने वाले प्रयास ही भीतर के दीये में तेल डालते हैं, आत्म की आभा को प्रखर करते हैं।

दीये से प्रज्ज्वलित हो दीयाः यह शाश्वत सत्य है कि भीतर का उजाला, निजी होकर भी निजी नहीं रहता। जिसके भीतर आत्मबोध का दीप जल जाता है, उसकी वाणी में मिठास आ ही जाती है, व्यवहार में धैर्य और दृष्टि में करुणा स्वतः उत्पन्न हो जाती है। उसके सान्निध्य में रहने वाले को भी उस ज्योति की आभा, उसकी गर्माहट मिलती है। इस तरह एक दीये से दूसरा दीया जलता जाता है। एक दीये से दूसरा दीया जलाने पर भी पहले की लौ घटती नहीं, उजाला बढ़ता ही है। इसीलिए 'आत्म दीप' का अर्थ स्वयं में सिमट जाना नहीं है।

इस दीपावली करें संकल्पः आज दीपावली की रात में जब देहरी पर दीया रखें, तो एक दीया मन के नाम भी जरूर जलाएं। कुछ क्षण रुककर सोचें कि भीतर कौन-सा कोना बरसों से अंधेरे में पड़ा है, कोई पुरानी शिकायत, कोई अनकही बात, कोई अधूरा सपना। उस कोने तक अपनी लौ ले जाएं। संकल्प लें कि केवल बाहर ही नहीं, अपने भीतर भी प्रेम का दीया जलाएंगे। बाहर की जगमगाहट त्योहार की शोभा है, पर भीतर की रोशनी जीवन की शोभा है। बुद्ध के शब्दों में, अपने दीपक स्वयं बनें और जब आप खुद उजाले से भर जाएंगे, तो आपके आस-पास की दुनिया भी बिना प्रयास रोशन हो उठेगी। *



आज दीपोत्सव के शुभ अवसर पर दीपों को प्रज्ज्वलित करने से पूर्व गणपति और मां लक्ष्मी की आराधना अत्यंत शुभ फलदायी होती है। लेकिन पूजन का विधि-विधान से किया जाना भी अत्यंत आवश्यक है। इस बारे में विस्तार से यहां बता रहे हैं।

दीपोत्सव पर पूरे विधान से करें गणपति-लक्ष्मी की आराधना

{ पूजा-विधि / अनीता जैन }

हिंदू पंचांग के अनुसार प्रत्येक वर्ष कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की अमावस्या को दीपावली का त्योहार मनाया जाता है। पुराणों में कार्तिक मास का विशेष महत्व बताया गया है, इस को दामोदर मास भी कहा जाता है। इस महीने में भगवान विष्णु और उनके अवतारों की पूजा करना सबसे श्रेष्ठ माना जाता है। पूरे कार्तिक मास में कई त्योहार मनाए जाते हैं और इनमें स्नान, दान और भगवत्पूजन किया जाता है। मान्यता है कि ऐसा करने से अक्षय फल की प्राप्ति होती है।



पौराणिक मान्यताः स्वयं भगवान ब्रह्माजी कार्तिक मास की महिमा बताते हुए कहते हैं कि कार्तिक मास सब मासों में उत्तम है। देवताओं में भगवान विष्णु और तीर्थों में नारायण तीर्थ (बद्रिकाश्रम) श्रेष्ठ है।

न कार्तिकसमो मासो न कृतेन समं युगं,
न वेदं सदृशं शास्त्रं न तीर्थं गंगया समं।

अर्थात कार्तिक के समान कोई मास नहीं है, न सतयुग के समान कोई युग, वेद के समान कोई शास्त्र नहीं है और गंगा नदी के समान कोई तीर्थ नहीं। इस महीने में तैंतीस कोटि देवता मनुष्य के सन्निकट हो जाते हैं और इसमें किए हुए स्नान, दान, भोजन, व्रत, तिल, धेनु, सुवर्ण, रजत, भूमि, वस्त्र आदि के दानों को विधिपूर्वक ग्रहण करते हैं।

गणेश-लक्ष्मी पूजन की शुभ तिथिः कार्तिक मास में बुद्धि के दाता, विघ्नहर्ता श्री गणेश और धन-ऐश्वर्य की देवी मां लक्ष्मी की कृपा पाने के लिए दीपावली का दिन बहुत खास माना गया है। इस दिन भगवान राम असुरों का संहार करके अयोध्या लौटे थे, जिनका दीपोत्सव करके स्वागत किया गया था। दीपावली का दिन लक्ष्मी के स्वागत का भी दिन माना जाता है। इस शुभ तिथि पर हम चारों ओर प्रकाश फैलाकर सकारात्मकता के साथ महालक्ष्मी से समृद्धि और संपन्नता का वर मांगते हैं। शक्ति आराधना यानी काली पूजा के लिए भी यह कार्तिक अमावस्या की तिथि सर्वोपरि मानी गई है।

दीपावली की पूजा विधिः इस दिन प्रदोष वेला से लेकर पिशाच वेला के आरंभ से पहले तक ही महालक्ष्मी पूजा का विधान है। यह पिशाच वेला रात्रि 02 बजे से आरंभ होती है। दीपावली के दिन प्रदोष वेला, स्थानीय सूर्यास्त से 72 मिनट पहले और 72 मिनट बाद तक की वेला प्रदोष वेला मानी गई है। इस दिन स्नान आदि करके स्वच्छ वस्त्राभूषण धारण करके घर के पूजास्थल पर यथाशक्ति पूजन सामग्री लेकर बैठें। साथ ही गणेश सहित महालक्ष्मी वरुण, कुबेर, श्रीयंत्र, कुबेरयंत्र और नवग्रह यंत्र लें। ध्यान रहे दीपावली पूजन में लक्ष्मी और गणेश जी की मूर्तियां अथवा चित्र बिल्कुल नया होना चाहिए यानी, पहले उन मूर्तियों का प्रयोग पूजा में न किया गया हो। आप इस बात का ध्यान रखें कि पूजा में श्रद्धा का नैवेद्य अवश्य चढ़ाएं, भाव और भक्ति की कमी न रहने पाए, तभी लक्ष्मी जी आप से प्रसन्न होंगी। इसके अतिरिक्त गुड़हल, लाल कनेर, गेंदा आदि के पुष्पों से भी मां की आराधना कर सकते हैं। साथ ही श्रंगार का सामान हल्दी, रोली, मौली, लाल चंदन, अक्षत, लौंग, इलायची, पान, सुपारी, शहद, फल, मिष्ठान, गंगाजल, नारियल, कलश अथवा जो भी यथा समय उपलब्ध हो उसे साथ लेकर बैठें। अपने ऊपर जल छिड़कते हुए भगवान ॐ पुण्डरीकाक्ष का स्मरण करके अपने ऊपर जल छिड़कें। सभी सामग्रियों पर भी गंगाजल छिड़कें। अब पृथ्वी स्पर्श करते हुए ॐ भूम्यै नमः का उच्चारण करें। पूजा स्थल के दक्षिण-पूर्व के तरफ घी का दीप जलाते हुए

ॐ दीपज्योतिः परब्रह्मदीपज्योतिः जनार्दनः।
दीपो हरतु मे पापं दीपज्योतिर्नमोस्तुते।।

का उच्चारण करें। इसके अलावा, जो मंगल मंत्र आता हो उसे पढ़ें और स्वयं संकल्प करें। *ॐ श्रीं ह्रीं श्रीं कमले कमलालये प्रसीद प्रसीद, श्रीं ह्रीं श्रीं महालक्ष्म्यै नमः!* इस मंत्र को पढ़ते हुए सभी पूजन सामग्री अर्पण कर सकते हैं। देवी लक्ष्मी और भगवान गणेश के लिए भोग में खीर, बूंदी के लड्डू, सूखे मेवे या फिर मावे से बनी हुई मिठाई रखें एवं आरती करें। पूजन के पश्चात चारमुखी दीपक रात्रि भर जलाएं। *

{ कविता / गोविंद भारद्वाज }

बेच रहा हूं दीप...



ले लो, ले लो कुछ दीप नए अच्छे-अच्छे अम्मा जी,
बेच रहा हूं मैं दीप बड़े सस्ते-सस्ते अम्मा जी।
आज विदेशी दीप सजे हैं देखो तो बाजारों में,
लोग बड़े उनको लेने जाएं बैठ बड़ी कारों में।
मेरा रस्ता ताक रहे हैं बीवी-बच्चे अम्मा जी,
बेच रहा हूं मैं दीप बड़े सस्ते-सस्ते अम्मा जी।
निर्धन के घर-आंगन थोड़ा-सा उजियारा भर देते,
थोड़ी बोनी करवा के उपकार जरा-सा कर देते।
रोज पसीनों से खूब बनाए कच्चे-पक्के अम्मा जी,
बेच रहा हूं, मैं दीप बड़े सस्ते-सस्ते अम्मा जी।
लाखों-लाखों दीप जलेंगे अब की बार दिवाली में,
मेरे दीपों को शामिल कर लो अपनी खुशहाली में।
आवाज यही देता हर बस्ती हर रस्ते अम्मा जी,
बेच रहा हूं मैं दीप बड़े सस्ते-सस्ते अम्मा जी।
तुम क्या जानों बारिश, गर्मी में कैसे वक्त बिताया,
इक-इक दीप बनाने में पूरा ही परिवार लगाया।
तुम भी अपनी मन की बोलो सच्चे-सच्चे अम्मा जी,
बेच रहा हूं मैं दीप बड़े सस्ते-सस्ते अम्मा जी।

{ लघुकथाएं }

उदास मन में फैला उजास

मंदिरा जी के बचपन की सहेली रमा, दीपावली मनाने के लिए यू.एस. से भारत आईं। मंदिरा उनके बचपन की सहेली थीं। दीपावली के दिन जब वह मंदिरा जी के घर पर पहुंचीं तो वहां पसरी वीरानी को देख चकित हो गईं। लेकिन जब हॉल में मंदिरा जी के स्वर्गवासी पति सुधाकर जी की तस्वीर देखी तो उनकी मनोदशा समझने में थोड़ी-सी भी देर न लगी। पांच बरस पहले हृदयाघात से सुधाकर जी का देहांत हो गया था। पति को खोने के बाद मंदिरा जी के लिए उनका जीवन और सारे वार-त्योहार जैसे फीके और बेरंग हो गए थे। अब किसी काम में उनका मन नहीं लगता था। घर का जो दीया, दीपावली के सारे जगमगाते दीयों का कारण था, उसके बुझने से अब मंदिरा जी के लिए जैसे अंधेरा ही एकमात्र सच रह गया था। मंदिरा जी का हाथ थामते हुए रमा ने मंदिरा जी को समझाया, 'यदि वे इसी तरह जीवन भर उदास रहेंगी तो प्रेम से बना उनका यह आशियाना, यूं ही अंधेरे में डूबा रहेगा और यकीनन यह बात सुधाकर जी को भी अच्छी नहीं लगेगी।' मंदिरा जी कुछ कहतीं, इससे पहले ही रमा ने पूछ लिया, 'अच्छा, चल एक बात बता, यदि सुधाकर जी की जगह तुम्हें कुछ हो जाता और सुधाकर जी तुम्हारी तरह यूं अनमने और कटे-कटे रहते तो क्या तुमको अच्छा लगता?' मंदिरा जी कुछ बोल न पाईं और केवल ना में गर्दन हिलाकर रह गईं। रमा ने बात आगे बढ़ाते हुए कहा, 'दीये केवल तुम्हारे घर-आंगन को ही नहीं, सुधाकर जी की यादों को भी रोशन करते हैं। इसलिए तुमको दीवाली उसी उत्साह से मनानी चाहिए, जैसे उनके होने पर तुम मनाती थी।' रमा की यह बात मंदिरा जी के मन को छू गई। पर संकोच की बेड़ियां अभी भी मंदिरा जी को जकड़े



उजाड़ प्रतीक

हुई थीं। स्थिति भांपते हुए स्वयं रमा ने दीयों से उसका घर जगमग करने की तैयारी शुरू कर दी। रमा दीयों से सजा थाल लेकर आंगन में आईं, तो हिम्मत कर मंदिरा जी भी अपनी नम आंखों को पोंछते हुए उसके साथ जुट गईं। उसने रमा को धन्यवाद दिया और भावुकता के साथ दीयों की ओर देखते हुए कहने लगीं, 'शुक्रिया रमा। सच, आज इन दीयों की लौ मुझे उनके खुशनुमा नयनों की तरह प्रतीत हो रहे हैं, जो न केवल मुझे बल्कि इस पूरे घर को प्रेम से निहार रहे हैं।' मंदिरा जी का घर-आंगन ही नहीं उनका चेहरा भी अब उजास से दमक रहा था। पहली दीपावली की तरह ही आज भी प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से इस मुस्कुराहट व उजास के पीछे सुधाकर जी ही कारण थे, जिसे पुनः जगमग करने में रमा ने खास भूमिका निभाई थी। रमा की दीपावली भी इस बार कुछ खास हो गई क्योंकि आज उसने एक अंधेरे में डूबे दिल को पुनः रोशन जो कर दिया था। *

- कुलदीप सिंह भाटी

नन्ही सी खुशी

बड़ी-बड़ी इमारतों के किनारे मलिन बस्ती में ननकू अपनी मां के साथ झोपड़ी में रहता था। आज दीपावली के उल्लास में सभी ऊंची इमारतों पर खूब रोशनी की गई थी, मगर उनकी झोपड़ी में अंधेरा ही पसरा था। बाहर पटाखों के शोर के बावजूद ननकू के रोने के आवाज साफ सुनाई दे रही थी। वह अपनी मां से पटाखे खरीदने की जिद कर रहा था, ले कि न उसकी मां इसी सोच में दुखी थी कि आज मिले मजदूरी के पैसे से वह ननकू के लिए पटाखे लाए या दीये जलाने के लिए तेल या दीपावली की मिठाई या फिर रोज की तरह चटनी-रोटी का इंतजाम करे! कुछ देर बाद जब उसकी तंद्रा टूटी, उसे ननकू के हंसने की आवाज सुनाई दी। देखा तो ननकू पास ही की एक इमारत के बच्चों द्वारा फेंके गए जले अधजले पटाखों को जलाकर खुश हो रहा था। कुछ देर बाद ननकू की झोपड़ी के सामने भी एक नन्हा-सा दीपक जल रहा था, जिसके प्रकाश में ननकू की मां के चेहरे पर खुशी की एक हल्की-सी चमक स्पष्ट दिखाई दे रही थी। शायद ननकू की मां को अपनी समस्या का समाधान मिल जाने की खुशी थी। *



उजाड़ प्रतीक

-विनय मोघे

{ दोहे / प्रो. शरद नारायण खरे }

दीपपर्व



रोशनियों के पत्र हैं, अब दीयों के नाम।
पत्रों के मजमून में, खुशियों के पैगाम।।
फिर मुस्कानें पल रहीं, प्रमुदित है संघर्ष।
महक रहे नव आस से, दिवस, मास, नित वर्ष।।
उल्लासित होने लगे, सारे ही कंदील।
विश्वासों की महफिलें, लगतीं मीलों मील।।
नभ तक उत्सव की छटा, धरती पर आनंद।
मायूसी का दौर अब, आता नहीं पसंद।।
दुल्हन-सी लगती अमां, लजा रही है आज।
दीयों के इस पर्व पर, प्रमुदित लगे समाज।।
भवनों पर हैं झालरें, हर मुंडेर पर दीप।
प्रेमिल नव अहसास चल, आया आज समीप।।
तिमिर दूर जाता दिखे, होकर बहुत उदास।
उजियारे को है हुआ, जय का तो आभास।।
सज्जित वामा दीप ले, गाती शुभ के गीत।
बम, पटाखे फूटते, पली दिलों में प्रीत।।
रमा आज आतुर दिखीं, देने को वरदान।
धन-वैभव को मिल रही, आज पुरानी शान।।
कितने आकर्षक लगें, चलते हुए अनार।
दुआ और शुभकामना, बने आज आचार।।

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

बहुरंगी सॉनेट का सौंदर्य

एक समंदर गहरा भीतर' के बाद हाल में ही डॉ. वेद मित्र शुक्ल के सॉनेट संग्रह की दूसरी पुस्तक 'यादों का जो जंतर-मंतर' प्रकाशित होकर आई है। सॉनेट के अनुशासन को बरतते हुए समाज और दुनिया की तमाम श्याम-श्वेत छवियों के साथ ही जीवन के अंतर्द्वंद्व को भी कवि ने प्रभावी ढंग से व्यक्त किया है। बाजारवाद की हाहाकारी अराजकता से जीवन कैसे आक्रांत हो रहा है, इसकी बानगी इन पंक्तियों में देखी जा सकती है, *'बाजारू हो रही सदी बिकने को हर पल/ बीत रहा जीवन कुछ यों हर सांस वायरल।'* एक अन्य सॉनेट में वे भूमंडलीकरण के दुष्प्रभाव को दूसरे शब्दों में कुछ ऐसे व्यक्त करते हैं, *'वैश्विकता का क्या मतलब जो खुद को भूले/ व्यर्थ ही गया धरा भूल जो नभ हम छू लें।'* इसी तरह आधुनिकता की अंधी दौड़ में कैसे खेती-किसानी उजड़ती जा रही है, इस बारे में कवि कहते हैं, *'खेत हुए वीरान स्वप्न सूने सूने से/ वे दिन क्या थे जुटती थीं पांतें किसान की।'* कहना चाहिए ये सॉनेट हमारे समय की बहुरंगी छवियां उकेरती हैं। *

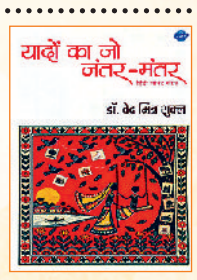

पुस्तकः यादों का जो जंतर-मंतर (हिंदी सॉनेट संग्रह), **लेखकः** डॉक्टर वेद मित्र शुक्ल, **मूल्यः** 395 रुपए, **प्रकाशकः** सर्व भाषा ट्रस्ट, नई दिल्ली

खबर संक्षेप

योगी सरकार ने महंगाई भत्ता बढ़ाकर 63% किया

लखनऊ। यूपी सरकार ने राज्य कर्मचारियों को दीपावली पर बड़ी सौगात दी है। राज्य कर्मचारियों,

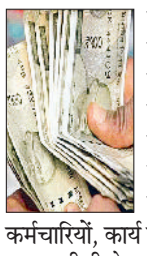

सहायता प्राप्त शिक्षण एवं प्राविधिक शिक्षण संस्थानों, शहरी स्थानीय निकायों के नियमित एवं पूर्णकालिक कर्मचारियों, कार्य प्रभारित कर्मियों तथा यूजीसी वेतनमान पर कार्यरत पदधारकों का डीए 3 प्रतिशत बढ़ा दिया है। अब कर्मचारियों को 60 के स्थान पर 63% डीए मिलेगा।

बिहार में 30 नवंबर से विधानमंडल का शीत सत्र

पटना। बिहार में 30 नवंबर से विधानमंडल का शीतकालीन सत्र शुरू होगा। यह सत्र 4 दिसंबर तक



चलेगा। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हसनैन ने 18वीं विधानसभा के चतुर्थ सत्र और बिहार विधान परिषद के 214वें सत्र को आहूत किया है। संसदीय कार्य विभाग,विधानसभा सचिवालय की ओर से आधिकारिक अधिसूचना जारी कर दी गई है।

रांची होकर चलेगी दुर्ग-बरौनी के बीच स्पेशल

रांची। दीपावली और छठ पूजा को देखते हुए रेलवे मंत्रालय ने दुर्ग-बरौनी-दुर्ग स्पेशल ट्रेन चलाने का



निर्णय लिया है। 4 से 18 नवंबर तक प्रत्येक बुधवार को दुर्ग-बरौनी स्पेशल का परिचालन होगा। ट्रेन दुर्ग से सुबह 10.30 बजे रवाना होगी और राउरकेला-हटिया होते हुए रांची रात 9.25 बजे पहुंचेगी। मुरी, बोकारो] धनबाद और झाझा होते हुए बरौनी दूसरे दिन सुबह 11 बजे पहुंचेगी।

अखिलेश के रामलला दर्शन प्लान पर योगी का हमला

संतों पर गोली चलवाने वाले माफी मांगकर ही अयोध्या आएं



अयोध्या पहुंचे सीएम योगी ने सपा पर तीखा हमला बोला। सीएम योगी ने दिसंबर में अखिलेश के रामलला दर्शन वाले प्लान पर तंस कसते हुए कहा, पहले राममभक्तों से माफी मांग लें, फिर अयोध्या आएं...

एजेंसी ⏭ अयोध्या

अब अयोध्या में कभी नहीं लगेगा कर्फ्यू

योगी ने कहा- अयोध्या हमारी वैचारिक विजय

अखिलेश पर हमला

सीएम योगी ने बिना नाम लिए अखिलेश यादव पर हमला करते हुए कहा कि सुनने में आया है कि कुछ लोग अयोध्या आना चाहते हैं। लेकिन अयोध्या आने से पहले वह साधु संतों से माफी मांग लें। यह वही लोग हैं जिन्होंने कारसेवकों पर गोली चलावाई थीं।

अब तो ट्रेन छूट गई, तुम घर जाओ...



12 दिसंबर को अखिलेश के अयोध्या जाने के कार्यक्रम पर अब भाजपा ने घेराव किया। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने सपा मुखिया के रामनगरी दौरे को लेकर तंज कस दिया। उन्होंने कहा, अब तो ट्रेन छूट गई है, तुम घर जाओ। जनता सबकुछ समझ चुकी है। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने सपा के पीडीए का मतलब भी बताया। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने सपा मुखिया पर हमला बोला।



दीपोत्सव के मौके पर अयोध्या पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंच से अयोध्या की भव्यता और त्रेतायुग की स्मृतियों का स्मरण करते हुए कहा कि आज की अयोध्या उसी त्रेतायुग की याद दिलाती है, जब 14 वर्ष का वनवास पूरा कर प्रभु श्रीराम, माता जानकी, अनुज लक्ष्मण और पवनसुत हनुमान के साथ अयोध्या लौटे थे।

उन्होंने गोस्वामी तुलसीदास की चौपाई 'अवधपुरी अति रुचिर बनाई, देवन्ह सुमन बृष्टि नभ लाई' का उल्लेख करते हुए कहा कि आज अयोध्या में बिल्कुल वैसा ही अलौकिक दृश्य दिखाई दे रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के करकमलों से रामलला के विराजमान होने के समय भी आसमान से पुष्पवर्षा का ऐसा ही दिव्य दृश्य देखने को मिला था।

अयोध्या में कोई दंगा करने का साहस नहीं कर पाएगा: कड़े तेवर और स्पष्ट संदेश देते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घोषणा की कि अब अयोध्या कभी कर्फ्यू के दायरे में नहीं आएगी। यहाँ कोई भी असामाजिक तत्व दंगा-फसाद करने का दुस्साहस नहीं कर सकेगा। अयोध्या को अब कोई उपेक्षित नहीं कर सकता और न ही यहाँ के संतों का अपमान करने या रामभक्तों पर गोली चलाने का पुराना दौर दोबारा लौट सकता है। उन्होंने कहा कि इसी संकल्प और संदेश को दोहराने के लिए वे आज दीपोत्सव के मंच पर उपस्थित हैं।

वनग्राम तैयार, 78 करोड़ की सौगात देंगे

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ दीपोत्सव मनाने के लिए वनग्राम तैयार हो रहा है। रविवार को योगी जंगल तिनकोनिया नंबर तीन में वनटांगियों के साथ दीपावली पर्व मनाएंगे। इस दौरान 78 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की सौगात भी देंगे। वनटांगियों के जीवन से उपेक्षा का अंधेरा मिटाकर विकास और खुशहाली की रोशनी पहुंचाने वाले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इस दीपावली भी उनके बीच होंगे। वनटांगियों के साथ दीपावली मनाने का योगी का सिलसिला 2006 में शुरू हुआ, जब वह सांसद थे। 2017 में मुख्यमंत्री बनने के बाद भी यह सिलसिला थमा नहीं। मुख्यमंत्री के रूप में वनग्राम में यह उनकी लगातार 10वीं दीपावली होगी। वनटांगियों को भी दीपपर्व का इंतजार पूरे साल रहता है। शुक्रवार को वनटांगिया बस्ती जाने वाली सड़कें चकाचक मिलीं। दीपोत्सव के लिए जर्मन हैंगर लगाने का काम जोरों पर था। हेलीपैड के साथ रेस्ट रूम को भी तैयार किया जा रहा है। गांव की सभी स्ट्रीट लाइटें दुरुस्त कर जांची गईं। बस्ती के लोग मुख्यमंत्री के स्वागत में अपने घर और द्वार की साफ-सफाई में जुटे मिले।

उपेक्षा से अधिकार और विकास तक का सफर

एक समय ऐसा था, जब वनटांगिया समुदाय के लोग जंगल में रहते हुए भी बुनियादी सुविधाओं और अधिकारों से वंचित थे। इस समुदाय को मुख्यधारा से जोड़ने की पहल योगी आदित्यनाथ ने सांसद रहते की थी। उनकी पहल पर सदन में वनाधिकार कानून पारित हुआ। वर्ष 2010 में अधिकार पत्र मिला, लेकिन राजस्व गांव का दर्जा अक्टूबर 2017 में तब मिला जब योगी मुख्यमंत्री बने। इसके बाद गोरखपुर और महराजगंज के 23 वनटांगिया गांवों के विकास की राह खुली। इसके बाद प्रदेश की 38 अन्य वनवासी बस्तियों तक भी विकास और अधिकारों की पहुंच बढ़ी।

30 लाख दीपों से जगमग सरयू घाट, राम की पैड़ी रोशन



एजेंसी ⏭ अयोध्या

दसवें दीपोत्सव को भव्य बनाने के लिए पूरी अयोध्या को पारंपरिक दीपों के साथ आधुनिक रोशनी से सजाया गया है। राम की पैड़ी पर 30 लाख दीप प्रज्ज्वलित करने काम शुरू हो गया है। जबकि धर्मपथ पर 50 डिजिटल स्तंभों के जरिए रामायण के प्रसंग दिखाए जा रहे हैं। नेशनल हाईवे से प्रवेश द्वार तक दोनों ओर 12-12 फीट ऊंचे ये स्तंभ डिजिटल लाइट शो का हिस्सा होंगे। रामपथ पर रामायण साकार हो उठी। ढोल-नगाड़ों की गूंज, लोक कलाकारों की थिरकन और जय श्रीराम के उद्घोष के बीच जब रथों पर सजी झांकियां आगे बढ़ीं तो लगा मानो त्रेतायुग अयोध्या की धरती पर उतर आया हो।

कहीं प्रभु श्रीराम, लक्ष्मण और माता सीता के दिव्य स्वरूप, कहीं गदा उठाए बजरंगबली का पराक्रम। रामायण के प्रसंगों का सजीव मंचन श्रद्धालुओं को भावविभोर कर रहा था। शोभायात्रा में महिला कलाकार कंधों पर ढोल रखकर थाप दे रही थीं। नगाड़ों और ताशों की गूंज के बीच कलाकारों के करतब और विभिन्न राज्यों के लोकनृत्य रामपथ को उत्सव के विराट मंच में बदल रहे थे। दर्शकों की आंखों में श्रद्धा, चेहरों पर उल्लास और वातावरण में

पुष्पक विमान के प्रतीक हेलीकॉप्टर से पहुंचे 'भगवान राम'

मुख्यमंत्री योगी ने उतारी 'राम' की आरती, खींचा रथ



साकेत महाविद्यालय से पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने शोभायात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। करीब तीन किलोमीटर का सफर तय कर शोभायात्रा रामकथा पार्क पहुंची। इस बार शोभायात्रा में 21 भव्य झांकियां शामिल हैं। इनमें 14 झांकियां योगी सरकार की उपलब्धियों और सात झांकियां रामायण के सातों कांडों पर आधारित हैं। बालकांड में रामजन्म और बाल लीलाओं से लेकर अयोध्याकांड में वनगमन, अरण्यकांड में वनवास के प्रसंग, किष्किन्धाकांड में सुग्रीव और हनुमान से मिलन, सुंदरकांड में बजरंगबली का पराक्रम, लंकाकांड में रावण के साथ युद्ध और उत्तरकांड की कथा को दृश्य रूप में प्रस्तुत किया गया। एक के बाद एक आगे बढ़ती झांकियां दर्शकों को रामायण की संपूर्ण गाथा का दर्शन करा रही थीं।

योजनाओं और विकास कार्यों को भी मिला झांकियों में स्थान

जल जीवन मिशन, ओडीओपी, कृषि एवं पशुपालन, आयुष्मान कैशलेस योजना, स्वच्छ एवं हरित उत्तर प्रदेश, विकसित भारत, उत्तर प्रदेश पुलिस, मिशन शक्ति, प्रधानमंत्री आवास योजना, पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना, आत्मनिर्भर नारी, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ और डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर की झांकियों में प्रदेश की विकास यात्रा भी दिखाई दी। विभिन्न राज्यों से आए कलाकारों के लोकनृत्य और पारंपरिक प्रस्तुतियों ने शोभायात्रा को सांस्कृतिक विविधता का अद्भुत संगम बना दिया।

पेज एक का शेष

30 लाख दीयों से....

आकर्षक बना दिया। पूरे आयोजन के दौरान रामनगरी में उत्सव और उल्लास का माहौल रहा। रामपथ पर रामायण साकार हो उठी। ढोल-नगाड़ों की गूंज, लोक कलाकारों की थिरकन और जय श्रीराम के उद्घोष के बीच जब रथों पर सजी झांकियां आगे बढ़ीं तो लगा मानो त्रेतायुग अयोध्या की धरती पर उतर आया हो। कहीं प्रभु श्रीराम, लक्ष्मण और माता सीता के दिव्य स्वरूप, कहीं गदा उठाए बजरंगबली का पराक्रम। रामायण के प्रसंगों का सजीव मंचन श्रद्धालुओं को भावविभोर कर रहा था। शोभायात्रा में महिला कलाकार कंधों पर ढोल रखकर थाप दे रही थीं। दसवें दीपोत्सव की शोभायात्रा में आस्था, संस्कृति और परंपरा का ऐसा संगम दिखाई दिया, जिसने अयोध्या की भव्यता को एक नया आयाम दिया।

देश के वीर ...

बुराई व अंधकार के खिलाफ भारत के मजबूत संकल्प को दर्शाता है। पीएम मोदी ने अपने संदेश में कहा कि जैसा कि आप सब जानते हैं, देश के वीर जवानों के साथ दीवाली मनाने की मेरी एक पुरानी परंपरा रही है और इस साल भी मैं इस परंपरा को पूरी निष्ठा के साथ जारी रखूंगा। इसके साथ ही उन्होंने देशवासियों के उत्तम स्वास्थ्य, सुख, शांति और समृद्धि की कामना की।

राजनीति में उतरने ...

राजीव गांधी की 1991 में हत्या के बाद वह राजनीति की दुनिया से दूर रहना चाहती थीं। लेकिन परिवार की जिम्मेदारियों और कांग्रेस पार्टी की स्थिति को लेकर उनके मन में चल रहे संघर्ष के बीच भगवद्गीता ने उन्हें रास्ता दिखाया। सोनिया गांधी ने अपनी नई किताब 'बिलॉन्गिंगः अ जर्नी ऑफ लव' में राजनीति में सक्रिय होने से पहले के अपने मानसिक संघर्ष और उथल-पुथल का जिक्र किया है। उन्होंने बताया कि 1990 के दशक के आखिरी वर्षों में जब कांग्रेस मुश्किल दौर से गुजर रही थी, तब हर बार राजीव गांधी और अपनी सास इंदिरा गांधी की तस्वीरों के सामने से गुजरते हुए उनके मन में दर्द और अपराधबोध का भाव उमड़ता था। उनके बच्चे राहुल और प्रियंका गांधी इस बात को लेकर चिंतित थे कि कहीं वह खुद को राजनीति में शामिल होने की अनुमति न दे दें। उन्होंने बताया कि दोनों ने इसका विरोध भी किया था, क्योंकि उन्हें डर था कि कहीं वे अपनी मां को भी न खो दें। कर्तव्य और डर के बीच उलझीं सोनिया ने भगवद्गीता का सहारा लिया। उन्होंने बताया कि जब गीता का अध्ययन अंतिम चरण में पहुंचा और भगवान कृष्ण ने निष्काम कर्म का संदेश दिया, तो उनके भीतर कुछ जागा। उन्होंने लिखा, मुझे अपने संदेहों और सवालों का जवाब मिल गया था। मुझे बाहर निकलकर वहां जाना था, जहां मेरा कर्तव्य मुझे बुला रहा था। और मैंने ऐसा ही किया।

अमिताभ की सेहत...

पिछले एक सप्ताह से रुकी हुई है। शो के निर्माताओं ने फिलहाल नए एपिसोड की शूटिंग रोकने का फैसला किया है। अमिताभ पिछले कुछ समय से अच्छा महसूस नहीं कर रहे हैं। अमिताभ ने शनिवार को अपने ब्लॉग में कामकाज की पुरानी दिनचर्या में धीरे-धीरे लौटने की बात कही। उन्होंने लिखा कि रोजमर्रा की जिंदगी से दूर रहने के बाद फिर उसी रफ्तार में ढलना आसान नहीं होता। कभी-कभी उन्हें चश्मा और मोबाइल तक याद नहीं रहता, लेकिन स्कूल के आठवीं कक्षा के दिनों की बातें आज भी याद हैं। उनकी तबीयत में सुधार हुआ तो अगले सप्ताह से शूटिंग दोबारा शुरू हो सकती है। शो के लिए आखिरी बड़ा सेलिब्रिटी एपिसोड रणबीर कपूर, साई पल्लवी और रवि दुबे के साथ शूट किया गया था। तीनों अपनी आगामी फिल्म रामायण के प्रचार के लिए केबीसी के मंच पर पहुंचे थे। इस एपिसोड को फिल्म की रिलीज के आसपास प्रसारित करने की योजना थी, लेकिन अमिताभ की सेहत को देखते हुए कार्यक्रम में बदलाव किया गया। इसे पिछले सप्ताह दिवाली स्पेशल वीक की शुरुआत में ही प्रसारित कर दिया गया।

दिवाली का उपहार ...

में रक्षा मंत्री ने वायुसैनिकों को दिवाली के त्योहार की बधाई देते हुए उन्हें मिठाई खिलाई। दो वायुवीरों ने उन्हें देशभक्ति की विशेष पंक्तियां गाकर सुनाई, जिससे वह मंत्रमुग्ध हुए बिना नहीं रह सके। स्टेशन पर रक्षा मंत्री के अलावा नव नियुक्त वायुसेनाध्यक्ष एयरचीफ मार्शल आशुतोष दीक्षित, बागडोगरा स्टेशन के एयर ऑफिसर कमांडिंग (एओसी) कमोडोर मनीष शर्मा व अन्य अधिकारी मौजूद थे।

आमजन से जुड़ाव बनाएं सैनिक: उन्होंने पूर्वोत्तर को लेकर जवानों से अपील की कि उनका आचरण, व्यवहार, भाषा और संयम स्थानीय समुदायों के मध्य सेना की छवि को तय करते हैं। उक्त गुणों का समावेश करते हुए वे इलाके के आसपास के लोगों के साथ अपने जुड़ाव को मजबूत बनाए रखें। आमजनता व रक्षाबलों के बीच विश्वास, आत्मीय रिश्ता जितना अधिक मजबूत होगा। विरोधियों के षड़यंत्र उतने ही कमजोर होते जाएंगे।

उच्च स्तर की ...

की परिचालन तैयारी को बनाए रखना चाहिए। उन्होंने वायुवीरों से आह्वान किया कि तमाम क्षेत्रों की स्थिति पर सतत निगरानी, साइबर सुरक्षा, सूचना की विश्वसनीयता-अखंडता को बनाए रखा जाए। रक्षा मंत्री ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत को लेकर सरकार संकल्पबद्ध है। लेकिन हम ड्रोन, ड्रोन रोधी प्रणालियों, साइबर खतरों से निपटने के लिए भी अपनी तैयारियों को चाक-चौबंद बनाए रखेंगे।

'आईएल-76एमडी'...

सबसे अधिक ऊंचाई पर की गई पहली लैंडिंग है। न्योमा एयरबेस की ऊंचाई समुद्रतल से 13 हजार 629 फीट (4,200 मीटर) है। गौरतलब है कि न्योमा के साथ अब लद्दाख में वायुसेना के तीन एयरबेस (दौलत बेग ओल्डी, फुक्चे) पूरी तरह से चालू हो गए हैं। जिन्हें एएलजी से एयरबेस में तब्दील किया गया है।

1962 के भारत-चीन युद्ध से जुड़ा एयरबेसः यहां एक ध्यान देने वाली एक और महत्वपूर्ण बात यह है कि जिस न्योमा एयरबेस पर आईएल विमान की लैंडिंग का हम जिक्र कर रहे हैं। उसका हकीकत में एक एडवांस लैंडिंग ग्राउंड (एएलजी) के रूप में उद्घाटन वर्ष 1962 में भारत की चीन के साथ हुई जंग के वक्त हुआ था। हालांकि युद्ध के बाद ये काफी लंबे समय तक बंद पड़ा था। 2009 के मध्य के बाद वायुसेना ने न्योमा को अपने लड़ाकू विमानों (फिक्स्ड विंग एयरक्राफ्ट) के अभियानों के लिए उन्नत बनाने का निर्णय लिया। उसी साल 18 सितंबर को इसे ऑपरेशनल किया गया और प्रमाण स्वरूप वायुसेना ने यहां अपने परिवहन विमान एएन-32 की लैंडिंग की। दिसंबर 2022 से एएलजी को सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) ने वायुसेना के एक पूर्ण एयरबेस में तब्दील करने की परियोजना की शुरुआत की। इसके अगले साल 2023 में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने निर्माण कार्य की आधारशिला रखी। संगठन ने निमार्ण कार्य के तहत एयरबेस पर 2.7 से लेकर 3 किलोमीटर लंबे पक्के रनवे का निर्माण किया गया। 2025 में तत्कालीन वायुसेनाप्रमुख एयरचीफ मार्शल ए.पी. सिंह ने कार्य पूरा होने पर एयरबेस पर वायुसेना के एक अन्य सी-130जे विमान के साथ लैंड किया था। वर्तमान में न्योमा एयरबेस पर एयरफोर्स के परिवहन विमानों के अलावा कई प्रमुख लड़ाकू विमान भी लैंड करते हैं।

एलएसी विवाद का जिक्र महत्वपूर्णः केंद्र सरकार ने खासकर 2020 के मध्य में चीन के साथ पूर्वी लद्दाख में एलएसी पर हुए विवाद के बाद से इलाके में बड़ी तादाद में सुरंगों, रणनीतिक सड़कों और हवाई पट्टियों का जाल बिछाने की कवायद शुरू की थी। उक्त वर्ष में गलवान घाटी में भारत और चीन के सैनिकों के बीच हुई खूनी हिंसक झड़प ने इस प्रक्रिया में और तेजी लाने का काम किया है। रक्षा विशेषज्ञ कहते हैं कि न्योमा जैसा एयरबेस आपात परिस्थितियों या चीन-पाकिस्तान के साथ किसी भी सैन्य संघर्ष के दौरान बिना वक्त गंवाए त्वरित प्रतिक्रिया देने में मददगार साबित होगा। इससे नई दिल्ली की सैन्य सामरिक क्षमता में भी कई गुना की बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। इसके उलट यह प्राकृतिक आपदा के समय स्थानीय समुदाय तक मानवीय सहायता भी पहुंचाएगा।

रूस में निर्मित है आईएल-76 विमानः आईएल-76 विमान मूलरूप से रूस में निर्मित चार इंजन वाला एक भारी रणनीतिक परिवहन विमान है। भारतीय वायुसेना में इसे लगभग चार दशक पूर्व वर्ष 1985 में औपचारिक रूप से शामिल किया गया था। यह करीब 40 टन वजनी सामग्री का एक जगह से दूसरी जगह पर आदान-प्रदान करने में सक्षम है। न्योमा जैसे अत्यधिक ऊंचाई वाले इलाकों में आईएल विमान की लैंडिंग काफी चुनौतीपूर्ण मानी जाती है। क्योंकि समुद्रतल से अत्यधिक ऊंचाई पर स्थित होने की वजह यहां हवा के पतले होने, ऑक्सीजन की कमी के चलते विमान को रनवे पर सफलता के साथ लैंड कराना मुश्किलों से भरा होता है। इस दृष्टिकोण से देखें तो यह लैंडिंग अपने आप में बेहद खास हो जाती है। सर्दियों के मौसम में यहां तापमान माइनस में शून्य से भी काफी नीचे चला जाता है।

इमरजेंसी में बढ़ेगी...

प्रदर्शित किए गए असाधारण कौशल, सटीकता और पेशेवर रवैये को भी दर्शाता है। इसके अलावा आईएल विमान का यह प्रयास देश की रणनीतिक वायु परिवहन क्षमता को सशक्त बनाने की दिशा में एक मील के पत्थर के समान है। जिससे आपातकालीन परिस्थितियों में जवानों, रसद और हथियारों (भारी भरकम टैंकों, तोपों) को तेजी के साथ अग्रिम सीमावर्ती मोर्चों तक पहुंचाना आसान हो जाएगा।

दिवाली खुशियों के साथ जीवन में नई ऊर्जा का संचार करने वाला पर्व

मुख्यमंत्री नायब सैनी ने प्रदेश एवं देशवासियों को दी शुभकामनाएं

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने दीपावली के पावन अवसर पर प्रदेश एवं देशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कामना की कि प्रकाश और उल्लास का यह पावन पर्व सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली लेकर आए तथा हर घर में आशा, सकारात्मकता और नई ऊर्जा का संचार हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि दीपावली केवल दीप जलाने और खुशियां मनाने का पर्व ही नहीं, बल्कि यह अंधकार पर प्रकाश, असत्य पर सत्य और निराशा पर आशा की विजय का प्रतीक भी है। यह पर्व हमें जीवन में सकारात्मक सोच अपनाने, बुराइयों का त्याग करने तथा सदाचार, सेवा और परोपकार के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। दीपावली का पावन संदेश प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में नई ऊर्जा, उत्साह और उमंग का संचार करता है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति और परंपरा में दीपावली का विशेष महत्व है। यह पर्व समाज में प्रेम, भाईचारे, एकता और आपसी सद्भाव की भावना को मजबूत करने का अवसर प्रदान करता है। दीपावली हमें यह भी संदेश देती है कि सामूहिक प्रयासों, सहयोग और परस्पर विश्वास के बल पर समाज और राष्ट्र को प्रगति एवं समृद्धि के पथ पर आगे बढ़ाया जा सकता है। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि वे दीपावली का पावन पर्व आपसी प्रेम, भाईचारे, सौहार्द और उल्लास के साथ मनाएं तथा इस अवसर पर जरूरतमंदों के जीवन में भी खुशियों का दीप जलाने का संकल्प लें। उन्होंने सभी के सुखद, मंगलमय और समृद्ध भविष्य की कामना की।

मुख्यमंत्री ने राज्यपाल से की भेंट



मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अपनी पत्नी सुमन सैनी सहित शनिवार को हरियाणा लोक भवन में राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष और लेडी गवर्नर मित्रा घोष से शिष्टाचार भेंट की और उन्हें दीपावली के पावन पर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने राज्यपाल के उत्तम स्वास्थ्य एवं सुख-समृद्धि की कामना की। उन्होंने कहा कि दीपावली का पर्व भारतीय संस्कृति, परंपरा और आध्यात्मिक चेतना का प्रतीक है।

कालका की गोशालाओं के लिए 52.05 लाख रुपये की ग्रांट जारी

पंचकूला। दीपावली के पावन पर्व पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रदेश की गोशालाओं को आर्थिक सहायता राशि के चेक प्रदान कर गोसेवा एवं गोवंश संरक्षण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता का सराहनीय परिचय दिया है। मुख्यमंत्री की इस पहल से प्रदेश की गोशालाओं को बड़ी राहत मिलेगी और गोवंश की बेहतर देखभाल, चारे तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं को सुदृढ़ करने में सहायता प्राप्त होगी। कालका की विधायक शक्ति रानी शर्मा ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि दीपावली जैसे पावन पर्व से पहले गोशालाओं को आर्थिक सहायता प्रदान करना अत्यंत सराहनीय एवं पुण्य का कार्य है। यह पहल केवल आर्थिक सहयोग नहीं, बल्कि गोमाता के प्रति श्रद्धा, सेवा और संवेदनशीलता का प्रतीक है।

सहारनपुर गैंगरेप केसः 500 तारीखें, आठ गवाह, 11 साल बाद पीड़िता को इंसाफ

एजेंसी ⏭ सहारनपुर

न्याय की उम्मीद में अदालत की चौखट पर पहुंची पीड़िता को इंसाफ के लिए 11 साल से अधिक समय तक इंतजार करना पड़ा। इस दौरान मुकदमे में 500 से ज्यादा तारीखें पड़ीं। आठ गवाहों के बयान दर्ज हुए। तारीख पर तारीख के बीच पीड़िता और उसका परिवार कानूनी लड़ाई लड़ता रहा। आखिरकार फास्ट ट्रैक कोर्ट द्वितीय ने दो आरोपियों को दोषी करार दिया। पीड़िता की ओर से पैरवी करने वाले अधिवक्ता राजीव तोमर के मुताबिक, घटना के बाद पीड़िता ने सबसे पहले स्थानीय पुलिस से न्याय की गुहार लगाई। थाने से लेकर वरिष्ठ अधिकारियों तक शिकायत की लेकिन मुकदमा दर्ज नहीं हुआ।

प्रोटेस्ट पिटीशन के माध्यम से लड़ाई आगे बढ़ाई, गुहार के बाद भी थाने में पीड़िता की शिकायत दर्ज नहीं हुई

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

नीलामी सूचना

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वोक्सवैगन वेंटो कार, पंजीकरण संख्या **DL 8CL8437**, पंजीकरण दिनांक **27.09.2010**, जो थाना वसंत कुंज साउथ, नई दिल्ली में दर्ज **FIR No. 450/2024** दिनांक **22.09.2024**, धारा **281/125(A)** भारतीय न्याय संहिता एवं **196 MV Act** के अंतर्गत प्रकरण में सम्मिलित है. जिसका **चेसिस नंबर** WVWG10609BT001846 एवं **इंजन नंबर** CLS010189 है, को **ACJM-02**, **पटियाला हाउस कोर्ट, नई दिल्ली** के दिनांक **15.09.2026** के आदेश के तहत नीलामी हेतु अनुमति प्रदान की गई है। उक्त वाहन का मूल्य **35,000/-** निर्धारित किया गया है।

उपरोक्त वाहन की नीलामी **12.11.2026** को प्रातः **11:00 बजे थाना वसंत कुंज साउथ, नई दिल्ली** में आयोजित की जाएगी।

अधिक जानकारी के लिए थाना प्रभारी, थाना वसंत कुंज साउथ से **7065036265** पर संपर्क करें।

आदेशानुसार,
श्री सिद्धांत सिहाग
अतिरिक्त मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी–02
कमरा नं. 07, मेन बिल्डिंग
पटियाला हाउस कोर्ट, नई दिल्ली

DP/16059/SW/2026

आडवाणी : एक शताब्दी की ओर बढ़ती प्रेरणादायी यात्रा



व्यक्तित्व
नरेंद्र मोदी
प्रधानमंत्री

आज लालकृष्ण आडवाणी जी अपने जीवन के सौवें वर्ष में प्रवेश कर रहे हैं। ये सुखद संयोग है कि आज ही दीपावली का पावन पर्व भी है। प्रभु श्रीराम और दीपों के इस उत्सव के साथ आडवाणी जी के जीवन का इतना महत्वपूर्ण पड़ाव जुड़ना, इस अवसर को और भी यादगार बनाता है। इस संयोग को एक और बात विशेष बनाती है। इसी वर्ष हम जनसंघ की स्थापना के 75 वर्ष, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्ष और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती भी मना रहे हैं। मैं स्वयं को सौभाग्यशाली मानता हूं कि मुझे हमेशा आडवाणी का स्नेह, सान्निध्य और मार्गदर्शन मिलता रहा है। आज उनके साथ बिताए हुए अनगिनत पल, उनसे जुड़ी कितनी ही स्मृतियां मन में उमड़ रही हैं। मैं ईश्वर से उनके उत्तम स्वास्थ्य की प्रार्थना करता हूं।

आज 8 नवंबर को लालकृष्ण आडवाणी जी अपने जीवन के सौवें वर्ष में प्रवेश कर रहे हैं। ये कितना सुखद संयोग है कि आज ही दीपावली का पावन पर्व भी है। प्रभु श्रीराम और दीपों के इस उत्सव के साथ आडवाणी जी के जीवन का इतना महत्वपूर्ण पड़ाव जुड़ना, इस अवसर को और भी यादगार बनाता है। इस संयोग को एक और बात विशेष बनाती है। इसी वर्ष हम जनसंघ की स्थापना के 75 वर्ष, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्ष और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती भी मना रहे हैं।

आज का ये अवसर मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से बहुत भावुक कर देने वाला है। मैं स्वयं को सौभाग्यशाली मानता हूं कि मुझे हमेशा आडवाणी का स्नेह, सान्निध्य और मार्गदर्शन मिलता रहा है। आज उनके साथ बिताए हुए अनगिनत पल, उनसे जुड़ी कितनी ही स्मृतियां मन में उमड़ रही हैं। सार्वजनिक जीवन में काम करते हुए कई दशक पहले मुझे उनके संपर्क में आने का अवसर मिला था। धीरे-धीरे हमारा ये संबंध इतना आत्मीय हो गया कि वे मेरे लिए अभिभावक की तरह बन गए। उन्होंने मेरा हाथ थामकर मुझे राजनीति की बारीकियां सिखाईं, कदम-कदम पर मेरा मार्गदर्शन किया। जीवन में जब भी कोई कठिन परिस्थिति आई, उनका अनुभव और उनकी सीख मेरे लिए संबल बने। उनकी वैचारिक स्पष्टता, उनका आत्मविश्वास और अपने सिद्धांतों के प्रति उनकी अटूट निष्ठा ने मुझे हमेशा प्रेरित किया। आज भी जब मैं उनसे मिलने जाता हूं, तो उनके साथ बिताया हुआ समय मुझे नई ऊर्जा और नई प्रेरणा से भर देता है। आज इस अवसर पर आडवाणी जी के लिए मन में एक ही भाव उमड़ रहा है...“जीवेत शरदः शतं, पश्येम शरदः शतं, शृणुयाम शरदः शतं।” ऐसे व्यक्तित्व बहुत कम हैं, जिनके जीवन में आधुनिक भारत के इतिहास के इतने सारे अध्याय समाए हों। आडवाणी का जन्म 8 नवंबर, 1927 को देव दीपावली के दिन हुआ था। 1947 में उन्हें विभाजन की पीड़ा सहनी पड़ी। सिंध में अपना घर, अपना परिवेश, अपनी जानी-पहचानी दुनिया छोड़कर उन्हें आना पड़ा। सब कुछ पीछे छूट गया और जीवन की नई शुरुआत शून्य से करनी पड़ी।





जनसंघ को मजबूत बनाया

इस कठिन अनुभव को लेकर उनके मन में कभी कोई कड़वाहट या पछतावा नहीं रहा। कितनी भी कठिन परिस्थितियां क्यों न हों, नए सिरे से कुछ खड़ा करने का उनका ये संकल्प जीवनभर उनके साथ रहा। जनसंघ को मजबूत बनाने और बाद में भारतीय जनता पार्टी के निर्माण में भी उनका यही गुण सामने आया। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में उनके कार्यकाल में देश की राजनीति ने बड़े बदलाव देखे। 1989 में कांग्रेस की सीटें 400 से घटकर 200 से भी नीचे आ गईं। 1996 में भाजपा पहली बार देश की सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। आडवाणी ने कार्यकर्ताओं की अनेक पीढ़ियों को तैयार किया। उन्होंने राष्ट्र प्रथम के सिद्धांत पर पार्टी की मजबूत नींव रखी। यहां मैं उनके व्यक्तित्व की दो ऐसी विशेषताओं का उल्लेख करना चाहूंगा, जो एक नेता के रूप में उन्हें अलग पहचान देती हैं। पहली है, उनकी वैचारिक स्पष्टता और बौद्धिक प्रखरता। उनके भाषणों और लेखन में इसकी झलक साफ दिखाई देती थी। जनसंघ और भाजपा के लिए उन्होंने जो प्रस्ताव लिखे, वे आज भी पढ़ने और समझने योग्य हैं। उनके इंटरव्यू में भी विचारों की गहराई के साथ शब्दों की स्पष्टता और सटीकता दिखाई देती थी। दूसरी विशेषता थी, भारतीय राजनीति में लंबे समय तक हावी रही छद्म धर्मनिरपेक्षता को लेकर उनका स्पष्ट और निर्भीक रुख। उन्होंने देश के राजनीतिक विमर्श में इस प्रवृत्ति की वास्तविकता को उजागर किया। आडवाणी जी को जो भी जिम्मेदारी मिली, उन्होंने उसे पूरी निष्ठा और लगन से निभाया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक के रूप में उन्होंने सबसे पहले राजस्थान के अलग-अलग क्षेत्रों में काम किया। इसके बाद वे दिल्ली आए, जहां उन्हें अटल जी के साथ मिलकर काम करने का अवसर मिला। दोनों ने दशकों तक कंधे से कंधा मिलाकर काम किया। आडवाणी जी के लिए अटल जी हमेशा उनके नेता और मार्गदर्शक रहे। राजनीति के इतिहास में ऐसे उदाहरण बहुत कम मिलते हैं, जब दो बड़े कद के नेता इतने लंबे समय तक एक-दूसरे के साथ खड़े रहे हों। अक्सर समय के साथ राजनीतिक परिस्थितियां बदलती हैं, महत्वाकांक्षाएं टकराती हैं। साथ चलने वाले नेता भी अलग-अलग रास्तों पर निकल जाते हैं, लेकिन अटल जी और आडवाणी जी का साथ अपने आप में एक अनूठी मिसाल है।

अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण की शपथ

आडवाणी जी ने इस रथयात्रा में जिस जीवटता और संकल्प शक्ति का परिचय दिया, वो अपने आप में प्रेरणादायी है। इस यात्रा से जुड़ा एक प्रसंग आज भी मेरी स्मृतियों में ताजा है। बिहार में आडवाणी जी की गिरफ्तारी हम सभी के लिए बहुत दुखद क्षण था। उस समय गुजरात में भाजपा ने चिमनभाई पटेल की सरकार से अपना समर्थन वापस ले लिया। इसके पीछे संदेश बिल्कुल स्पष्ट था...अपनी विचारधारा और राम मंदिर के निर्माण के संकल्प पर कोई समझौता नहीं होगा। हमारे अनेक वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने शपथ ली कि चाहे कितनी भी बाधाएं आएं, अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण होकर ही रहेगा। और फिर वर्षों बाद वो ऐतिहासिक अवसर भी आया, जब जनता-जनार्दन के आशीर्वाद से अयोध्या में प्रभु श्रीराम का भव्य मंदिर का सपना साकार हुआ। आडवाणी जी के व्यक्तित्व के ऐसे अनेक पहलू हैं, जो उन्हें और भी विशिष्ट बनाते हैं। उनकी सादगी और सरलता भी ऐसी ही एक विशेषता है। नवनिर्माण आंदोलन के बाद आडवाणी जी जूनागढ़ आए थे। वहां वे एक सामान्य कार्यकर्ता की तरह पूरे एक महीने तक रहे और विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी को तैयार करने में जुटे रहे। इन चुनावों में जनता ने इंदिरा गांधी की कांग्रेस को नकार दिया था। आडवाणी जी ने अपने आचरण से हमेशा सार्वजनिक जीवन में ईमानदारी और शुचिता का उदाहरण प्रस्तुत किया है। उन्हें पढ़ने का बहुत शौक है। जो लोग उनके साथ रहे हैं, वे जानते हैं कि वे अखबारों को भी कितने ध्यान से और कितनी बारीकी से पढ़ते रहे हैं। सिनेमा और रंगमंच से भी उनका गहरा लगाव रहा है। वर्षों तक वे बड़े उत्साह से फिल्मों की समीक्षा भी करते रहे हैं।

2024 में ‘भारत रत्न’ से सम्मानित

इतिहास के प्रति उनकी गहरी समझ और उसे सहेजकर रखने की उनकी भावना भी उल्लेखनीय है। उनकी पुस्तक ‘**My Country My Life**’ में इसकी सुंदर झलक मिलती है। आडवाणी जी का अपनी सिंधी संस्कृति से हमेशा गहरा जुड़ाव रहा है। लेह के पास सिंधु दर्शन पूजा को लोकप्रिय बनाने में भी उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मुझे स्वयं भी एक बार आडवाणी जी और जॉर्ज फर्नांडिस जी के साथ सिंधु दर्शन पूजा में शामिल होने का सौभाग्य मिला था। आडवाणी जी की इस असाधारण जीवन यात्रा की बात हो और कमला आडवाणी जी का उल्लेख न हो, तो ये यात्रा अधूरी रह जाएगी। इतने लंबे सार्वजनिक जीवन में कमला जी हमेशा उनकी शक्ति और संबल बनी रहीं। हर कदम पर उनका साथ दिया। कराची में पले-बढ़े आडवाणी जी ने शायद ही कभी कल्पना की होगी कि जीवन उन्हें कितनी लंबी और असाधारण यात्रा पर ले जाएगा। देश के प्रति उनके योगदान के लिए कृतज्ञ राष्ट्र ने वर्ष 2024 में उन्हें भारत रत्न से सम्मानित किया। आज जब आडवाणी जी अपने जीवन के सौवें वर्ष में प्रवेश कर रहे हैं, तो मैं ईश्वर से उनके उत्तम स्वास्थ्य की प्रार्थना करता हूं।





सोमनाथ से अयोध्या की रथयात्रा

आपातकाल आडवाणी जी के जीवन का एक महत्वपूर्ण मोड़ था। उस दौर में वे लोकतंत्र को बचाने और संविधान की रक्षा के संघर्ष में अग्रिम पंक्ति में खड़े रहे। इसमें उन्होंने जून 1975 से भारत में शुरू हुई घटनाओं और 1933 में हिटलर के शासन के दौरान जर्मनी में हुई घटनाओं के बीच आश्चर्यजनक समानताओं का बहुत प्रभावी ढंग से वर्णन किया है। आडवाणी जी विपक्ष में जितने प्रखर नेता रहे, प्रशासन में भी उतने ही कुशल साबित हुए। 1977 में जब जनता सरकार बनी, तो उन्हें सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की जिम्मेदारी मिली। इस मंत्रालय में उनके कार्यकाल को आज भी विशेष रूप से प्रभावशाली माना जाता है। बाद में उप प्रधानमंत्री और देश में सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले गृह मंत्रियों में से एक के रूप में उन्होंने भारत की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। हमारे सुरक्षा बलों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए उन्होंने जो प्रयास किए, उन्हें आज भी बड़े आदर और आत्मीयता से याद किया जाता है। आतंकवाद के खिलाफ उनका रुख हमेशा स्पष्ट और दृढ़ रहा। उनके इसी संकल्प के कारण देश को आतंकवाद से निपटने के लिए एक सख्त कानून मिला। सोमनाथ से अयोध्या तक की रथयात्रा आडवाणी जी के जीवन का एक ऐतिहासिक अध्याय है। मैं स्वयं को सौभाग्यशाली मानता हूं कि मुझे इस ऐतिहासिक यात्रा से जुड़ने का अवसर मिला। यात्रा की परिकल्पना से लेकर उसकी तैयारियों और फिर उसे आगे बढ़ाने तक, मुझे हर चरण में योगदान देने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। रथयात्रा के शुभारंभ के समय सोमनाथ में उपस्थित रहना भी मेरे लिए एक अविस्मरणीय अनुभव था।

गुजरात से पुराना नाता रहा

इतिहास साक्षी है, पांच-छह दशकों की इस लंबी यात्रा में दोनों एक-दूसरे के सहयोगी बने रहे। भारतीय राजनीति में आपसी विश्वास, सहयोग और समर्पण की ये परंपरा आज भी एक बड़ी प्रेरणा है। आडवाणी जी जब दिल्ली आए थे, तब ये शहर विभाजन की विभीषिका से उबरने का प्रयास कर रहा था। ऐसे समय में उन्होंने जनसंघ को मजबूत बनाने के लिए खुद को पूरी तरह समर्पित कर दिया। 1967 में वे दिल्ली महानगर परिषद के अध्यक्ष बने। एक सांसद के रूप में आडवाणी की यात्रा 1970 के दशक से शुरू हुई। एक सांसद के रूप में, दोनों सदनों में विपक्ष के नेता के रूप में और सत्ता पक्ष में रहते हुए भी उन्होंने अपनी अलग पहचान बनाई। संसदीय जिम्मेदारियों में व्यस्त रहने के बावजूद वे लगातार देश के अलग-अलग हिस्सों में जाते रहे, लोगों से मिलते रहे और उनसे संवाद करते रहे। 1991 के लोकसभा चुनाव की स्मृतियां आज भी मेरे मन में ताजा हैं। उस समय तय हुआ था कि आडवाणी जी दो लोकसभा सीटों से चुनाव लड़ेंगे। इनमें से एक सीट गांधीनगर की थी। आडवाणी जी का गुजरात से बहुत पुराना नाता रहा है। विभाजन के बाद उनके पिताजी कच्छ में आकर बसे थे। 1976 में, जब देश में आपातकाल अपने चरम पर था, तब आडवाणी जी गुजरात से राज्यसभा सांसद भी बने थे। इस तरह 1991 में गांधीनगर से चुनाव लड़ना उनके लिए एक तरह से घर वापसी जैसा था। उस समय मैं भाजपा के संगठन में काम कर रहा था। मुझे आडवाणी जी के नामांकन पत्र तैयार करने से लेकर पूरे चुनाव अभियान में उनके साथ काम करने का सौभाग्य मिला।

अमेरिका के प्रति संतुलित रुख रखे भारत



मंथन
उमेश चतुर्वेदी
वरिष्ठ पत्रकार

यह पहला मौका नहीं है कि जब किसी अमेरिकी राष्ट्रपति की पार्टी को मध्यावधि चुनावों में करारी हार का सामना करना पड़ा हो। अमेरिकी इतिहास में 1934 से अब तक सिर्फ तीन ऐसे मौके आए हैं, जब मध्यावधि चुनावों में अमेरिकी राष्ट्रपति की पार्टी को जीत मिली। ट्रंप को अपने पहले कार्यकाल के दौरान भी मध्यावधि चुनाव में हार मिली थी। यह बात और है कि तब हार इतनी बड़ी नहीं थी।

लोकतांत्रिक समाज में हर चुनावी नतीजे का असर होता है। अगर नतीजे व्यापक हों तो उसका असर भी उतना ही व्यापक होता है। इस लिहाज से कह सकते हैं कि अमेरिका के इन चुनाव नतीजों का असर सिर्फ अमेरिका ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया पर पड़ेगा, जिसमें अपना देश भी शामिल है। चूंकि अमेरिकी संसद, कांग्रेस के दोनों सदनों हाउस ऑफ रिप्रजेंटिव और सीनेट में अब विपक्षी डेमोक्रेट का बहुमत हो गया है, इसलिए ट्रंप को अपनी नीतियों को लागू करना आसान नहीं होगा। डेमोक्रेट सांसद उनके प्रस्तावों को रोक सकते हैं या उनमें सुधार प्रस्तावित कर सकते हैं। लेकिन हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि अमेरिकी राष्ट्रपति के पास वीटो का ताकतवर हथियार है, जिसका वह इस्तेमाल करता रहा है। राष्ट्रपति ट्रंप की जैसी फितरत है, उसकी वजह से कह सकते हैं कि वे अपनी इस शक्ति का इस्तेमाल करने से नहीं रुकेंगे। अमेरिकी लोकतंत्र की एक खासियत है कि वहां की नीतियां जनमत के पैरामीटर के साथ गिरती और उठती रही हैं। अमेरिकी संविधान के अनुसार वहां का नागरिक इतना महत्वपूर्ण है कि उसकी सामूहिक राय से अमेरिकी राष्ट्रपति और उसकी नीतियां प्रभावित हुए बिना नहीं रहतीं। इसके बावजूद याद रखा जाना चाहिए कि ट्रंप अलग ही तरह की शख्सियत हैं। वे कब क्या बोल दें और कब अपनी ही कही हुई बात से पलट जाएं, कहना मुश्किल है। उन पर भरोसा करना मुश्किल है। जिस रूस से तेल खरीदने के लिए वे भारत पर टैरिफ लाद रहे थे, उसी रूस से खुद उन्होंने ही तेल खरीदना शुरू कर दिया। इसलिए मौजूदा मध्यावधि चुनाव नतीजों के बाद भारत को न तो ज्यादा उत्साहित होने की बात है और न ही ज्यादा निराश होने की। भारत को पहले की ही तरह संतुलित रुख अख्तियार किए रखना होगा। भारतीय नेतृत्व और कूटनीति के लिए अच्छी बात यह है कि उनका अमेरिका की दोनों प्रमुख पार्टियों रिपब्लिकन और डेमोक्रेट-से बेहतर संबंध रहा है। इसलिए रिपब्लिकन ट्रंप और डेमोक्रेट सांसदों के बीच भारत को संतुलन बनाए रखना होगा। अव्यवस्थित चित्त वाले ट्रंप और सधी हुई



अमेरिकी संविधान के अनुसार वहां का नागरिक इतना महत्वपूर्ण है कि उसकी सामूहिक राय से अमेरिकी राष्ट्रपति और उसकी नीतियां प्रभावित हुए बिना नहीं रहतीं। इसके बावजूद याद रखा जाना चाहिए कि ट्रंप अलग ही तरह की शख्सियत हैं। वे कब क्या बोल दें और कब अपनी ही कही हुई बात से पलट जाएं, कहना मुश्किल है।

राजनीति करने वाले डेमोक्रेट सांसदों से भरी अमेरिकी संसद से भारत को संतुलित संबंध बनाए रखना होगा। फिर भी मोटे तौर पर कहा जा सकता है कि अमेरिकी चुनाव के मौजूदा नतीजे भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। इन परिणामों का भारत से अमेरिका को होने वाले निर्यात के साथ ही वहां काम कर रहे भारतीय पेशेवरों के भविष्य पर असर पड़ेगा। इसके साथ ही दोनों देशों के बीच जारी रक्षा और सामरिक सहयोग पर भी प्रभाव दिख सकता है। चूंकि अमेरिका आज के दौर में भारतीय उत्पादो का बड़ा बाजार है, इसलिए अमेरिकी टैरिफ नीति में छोटे से छोटे परिवर्तन का असर सीधे तौर पर भारतीय निर्यातकों पर पड़ता है। भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौता अभी तक परवान नहीं चढ़ पाया है। पिछले महीने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने अपनी भारत यात्रा के दौरान कहा था कि दोनों देशों के बीच व्यापार समझौता अपने आखिरी दौर में है। इन चुनाव नतीजों से उम्मीद की जा रही है कि अमेरिका में रह रहे और वहां जाने की इच्छा रखने वाले भारतीय पेशेवरों को थोड़ी आसानी होगी। चूंकि ट्रंप प्रशासन ने अमेरिका आने वाले लोगों की वीजा नीति और वर्क परमिट में खासा बदलाव किया है। अब हो सकता है कि डेमोक्रेट बहुमत वाली अमेरिकी संसद इस प्रस्ताव में कुछ छूट सुझाए। पूरी दुनिया में महंगाई की वजह ट्रंप प्रशासन द्वारा ईरान पर किया गया हमला और उससे उपजी परिस्थितियां रही हैं। अब संसद पर ट्रंप की पकड़ कमजोर हुई है, लिहाजा अब ज्यादा दिन तक ईरान युद्ध नहीं चल सकता। इससे जहां कच्चे तेल का उत्पादन बढ़ सकता है, वहीं वैश्विक रक्षा खर्च भी कम हो सकता है। चूंकि भारत अपनी ईंधन जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात करता है, इसलिए तेल की कीमतें घटने से घरेलू अर्थव्यवस्था को बड़ी राहत मिलेगी।

दीपोत्सव का बदलता स्वरूप



दीपोत्सव
डॉ. शंकरलाल शास्त्री

‘तमसो मा ज्योतिर्गमय’ यानी अज्ञान रूपी अंधेरे से ज्ञान रूपी उजाले की ओर ले जाने वाला पर्व है दीपावली। वर्षभर में मनाया जाने वाला यह न केवल एक त्योहार ही है बल्कि मानव जीवन के लिए अनेक उपदेशात्मक संदेशों को भी अपने में समेटे है।

जब हम छोटी कक्षाओं में पढ़ा करते थे तो थैले पटी छुपाकर रख देते और माँ के साथ दिवाली की सफाई के कार्यों में मां के साथ लग जाते। कच्चे घर को लीपने का आनन्द ही कुछ अलग होता था। आज वह बालपन कहाँ? बालमन तो स्वच्छ शीशे की तरह होता है जिसमें किसी प्रकार का छद्म रूपी मैल नहीं। आज यक्ष प्रश्न यह है कि हम अपने अन्तर्मन में समाए मैल को कैसे और कब धोयेंगें। सच्चे अर्थों में दिवाली जैसा पर्व ही अन्तर्मन के मैल को धो डालनें का सुनहरा अवसर है।

हम जब याद करते हैं अपने बालमन को और याद करते हैं उन दिवाली के उल्लास और आनन्द से भरे दिनों की तो पुनः बाल्यकाल की चौखट पर बालसभा करने को मन करता है। स्कूल आते समय ग्वाल-बाल हमें घास फूस से बनी चरखी थमा देते थे तो कोई दिवाली के लिए मोरों की पंख। हम पिताजी को देखा करते थे घर के आसपास चढ़-चढ़ कर पिताजी कब फूलझड़ी, अनार जमीनचक्री पटाखे, और साँपले लेकर आयेंगें पिताजी की गठरी और थैला देखते ही हमारी खुशी का कोई ठिकाना न रहता और ममतामयी माँ पटाखे हमारे हवाले कर देतीं। दोनों भाइयों और बड़ी बहिन को बराबर-बराबर का बंटवारा कर दिया जात। उस समय पटाखों से होने वाले प्रदूषण व बीमारियों का हमें ज्ञान न था। तो भी घर के बड़े बुजुर्ग अपनी देखरेख में ही बहुत सीमित और दूरी बनाकर पटाखे चलाने का आदेश दिया जाता। आज के दौर में बढ़ते प्रदूषण नियंत्रण को ध्यान में रखते हुए अब माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने भी इसे गंभीरता से लिया है। इसलिए ग्रीन पटाखे (प्रदूषण रहित) बहुत ही सीमित मात्रा में चलाएं इनके बजाए हमें घर के अन्य सदस्यों के साथ सांस्कृतिक पर्व मनाना चाहिए। वर्ष भर के इस

पर्व से एक अनोखी उमंग पाकर मन खिल उठता है। उस दौर में भी सांझ होते ही दीपों की पाँत रखने की परम्परा शुरू होती और दिवाली की खुशी में जल्दी से दादी माँ के आदेश का पालन किया जाता बाहर खेतों में जाकर दीपक जलाए जाते और हम कहते - देखो बस्ती में पटाखे करने, अहंकार और अनियंत्रित महत्वाकांक्षी न होने जैसे बड़े - बड़े संदेश दिए जाते हैं और मानवीय मूल्यों का ढिंढोरा पीटा जाता है पर सच पूछिए तो कुछ तथाकथित महाज्ञानी ही स्वयं को उजाले के प्रकाश स्तंभ और दूसरों को नीचा दिखाकर उन्हें अंधेरे का प्रतीक सिद्ध कर हांशिए पर डाल दिया जाता है और स्वयं महापंडित की श्रेणी में आ खड़े होते हैं। जबकि सच्चाई यह है कि दीपावली जैसे पर्व ही ऐसे विकारों से मुक्ति



चलने लग गये। चल न भाई। जय हो लक्ष्मी मां की, जय हो भगवान गणेश जी की, जय हो बजरंग बली की, जय हो पितृदेव की। हम साष्टांग प्रणाम कर फिर घर पर दौडे-दौड़े आया करते थे और फिर सभी प्रकार के व्यंजनों सहित चावल, मूंग और पकवानों का आनन्द लेने के बाद चौपाल पर बड़े बुजुर्गों का हुजूम लग जाता था।सबका चरण स्पर्श करना न भूलते। इस कथाप्रसंग को बयां करने के पीछे हमारा दृष्टिकोण यह है कि आज हमारे देश में एक बड़ा तबका मनोरोगी हो चला है, तनाव में हैं। इन सबके लिए ऐसे पर्व किसी वरदान से कम नहीं। यह दीपोत्सव पर्व, परम्परा और हमारी संस्कृति की अनूठा खुशियों भरा पर्व है। यदि हमारी इन परम्पराओं को अपनी पीड़ा की बहती धाराओं में दृष्टि डालें तो पायेंगें कि आज इन बीमारियों से बच निकलने का रहस्य आनन्द और उल्लास के साथ मनाए जाने वाले ये दीपोत्सव जैसे पर्व ही हैं।

आज ऐसे पर्वों पर दूसरों को आत्म परीक्षण दिलाकर सुकून और शांति का अहसास कराते हैं।

गोवर्धन पूजा में सामूहिक रूप से परिक्रमा जैसे सामाजिक संदर्भ हमें सुख -दुःख में भागीदार बने रहने का संदेश देते हैं।

आज हम पर्व मनाते हैं किन्तु इन पर्वों की बस परिपाटी निभाने में ही लगे हैं। अब घर में वो मां की मधुर और मन को सुकून देने वाली आवाज कहां जो सदा ऐसे उत्सवों के अवसर पर पूरे परिवार को अपने वात्सल्य रुपी ममताभरे आशीष के वचनों से असीम दुआएं देतीं और न आकाश रूपी पिता का साया ही रहा अब तो चांद और सूरज ही शायद मां और पिताजी की दुआओं के दाता बने हैं।

यह बात तो सौ टका सही है कि हमारे बड़े-बुजुर्गों की बातें, उनके रहन-सहन और पर्वों के प्रति उल्लास में स्वास्थ्य, शान्ति और राहत के रंग छुपे होते हैं। दिवाली इसी शान्ति, कान्ति, ज्योति और स्वास्थ्य का प्रतीक है।

-लेखक वरिष्ठ साहित्यकार एवं विद्वान हैं

सोनिया को भाजपा ने दी नसीहत, कई मामलों का जिक्र किया

इटैलियन चश्मा उतारकर देखिए भारत की तरक्की, 12 वर्षों में देश कहां से कहां पहुंच गया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी के मोदी सरकार पर लोकतंत्र और संस्थाओं को नुकसान पहुंचाने के आरोपों के बाद भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने पलटवार किया है। भाजपा ने उन्हें पिछले 12 वर्षों में देश की तरक्की देखने की नसीहत दी। साथ ही पार्टी ने सोनिया के इमरजेंसी को सांविधानिक बताने वाले बयान पर भी सवाल उठाए। साथ ही बटला हाउस मुठभेड़, 1984 के सिख विरोधी दंगों और बोफोर्स मामले का जिक्र कर कांग्रेस को घेरा। सोनिया ने किताब 'बिलॉनिंगः अ जर्नी ऑफ लव' के विमोचन से पहले एक अखबार को साक्षात्कार दिया था। इसमें उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले कुछ वर्षों में देश के लोकतंत्र, संस्थाओं और सामाजिक ताने-बाने को काफी नुकसान पहुंचा है। उन्होंने कहा कि पिछले 12 वर्षों में भारत की व्यवस्था को गहरा नुकसान हुआ है।

नवीन ने बटला हाउस मुठभेड़, सिख विरोधी दंगों और बोफोर्स मामले का जिक्र किया

इमरजेंसी को सही ठहराने पर भी घेरा



विदेश टूलकिट बनकर देश में अराजकता फैला रहे

नवीन ने राहुल पर देश में अराजकता फैलाने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी इस देश को अस्थिर करने के लिए, अराजकता पैदा करने के लिए, एक टूलकिट की तरह इस्तेमाल हो रहे हैं।

जाति, धर्म और वोट बैंक की राजनीति के जरिए देश को बांट रहीं

नवीन ने कहा कि सोनिया को अपनी किताब में कांग्रेस शासन के दौरान सामने आए कथित घोटालों का भी जिक्र करना चाहिए। उन्होंने कांग्रेस के इतिहास पर जाति, धर्म और वोट बैंक की राजनीति के जरिए देश को बांटने का आरोप लगाया।

चुघ ने भी सोनिया पर किया पलटवार

अब नई लहर और नई वैश्विक शक्ति दिख रही



सोनिया के बयान पर भाजपा ने तीखी प्रतिक्रिया दी। पार्टी के वरिष्ठ नेता तरुण चुघ ने कहा कि सोनिया गांधी को 'इटैलियन चश्मा' उतारकर भारत की तरक्की देखनी चाहिए। उन्होंने दावा किया कि पिछले 12 वर्षों में देश ने हर क्षेत्र में प्रगति की है और भारत वैश्विक शक्ति के रूप में उभर रहा है। चुघ ने कहा कि अगर आप अपना इटैलियन चश्मा उतार देंगी तो आपको भारत की असली तस्वीर दिखाई देगी। सबका साथ, सबका विकास, सबका प्रयास और 7.8 प्रतिशत की जीडीपी विकास दर के साथ आगे बढ़ता भारत नजर आएगा। देशभर में आस्था की नई लहर दिखाई दे रही है, लेकिन सोनिया इसे पचा नहीं पा रही हैं।

अभिषेक के घर पर हमले से भड़कीं ममता

हमारे ऊपर बुलडोजर चला दो भाजपा यहां कर रही 'गुंडागर्दी'

उपद्रवियों ने काली पूजा समारोह में भी भारी तोड़-फोड़ की



एजेंसी ▶▶ कोलकाता

ममता ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेसकी प्रमुख ममता बेनर्जी ने शनिवार को भाजपा पर 'गुंडागर्दी' का गंभीर आरोप लगाया है। ममता ने दावा किया कि शनिवार तड़के करीब 2:00 बजे कोलकाता के कालीघाट इलाके में ममता टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव और सांसद अभिषेक बेनर्जी के घर पर हमला करने के बाद उपद्रवियों के एक गिरोह ने स्थानीय काली पूजा समारोह में भी भारी तोड़फोड़ और व्यवधान पैदा किया। काली पूजा और दिवाली के त्यौहार से ठीक पहले कालीघाट में हुई इस घटना के बाद बंगाल का राजनीतिक माहौल गरमा गया है। ममता ने भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि इंडी गठबंधन की एकजुटता से बौखलाई है और इसीलिए इस तरह के हथकंडे अपना रहा है।

ममता का पलटवार कार्यक्रम रद्द कर दिया

कालीघाट में ममता ने कहा, काली पूजा और दिवाली है। बीती रात 2:00 बजे अभिषेक के घर पर हमला किया गया। यह हमारा इलाका है, जहां से मां काली के कई जुलूस निकलते हैं। आप यहां इस तरह का उपद्रव क्यों पैदा कर रहे हैं? आपने हमारी पारंपरिक और वर्षों पुरानी पूजा की अनुमति रद्द कर दी और उसकी जगह नई पूजा आयोजित करने की इजाजत दे दी। बीती रात हमारे स्थानीय क्लबों को काम नहीं करने दिया गया। हम 'इंडिया' गठबंधन का हिस्सा हैं, और यही गुस्से की वजह है। अगर भाजपा में हिम्मत है तो वह सीधे मुकाबला क लोग रात के 2:00 या 3:00 बजे आकर हमारे पार्टी दफ्तर और पूजा के कामों में खलल डालते हैं।

इंदौर कॉन्सर्ट में नहीं गा सकेंगे ये चार गाने बच्चे भी शामिल होंगे



एजेंसी ▶▶ इंदौर

पंजाबी सिंगर दिलजीत दोसांझ के कॉन्सर्ट में 'पटियाला पैग' सहित 4 गानों पर रोक लगा दी गई है। महिला एवं बाल विकास विभाग ने शराब, नशे और हथियारों का जिक्र होने के कारण ये निर्देश जारी किए हैं, क्योंकि कॉन्सर्ट में बच्चों को भी प्रवेश मिलेगा। इंदौर में 15 नवंबर को होने वाले दोसांझ के कॉन्सर्ट को लेकर नया विवाद सामने आया है। कार्यक्रम में दिलजीत 4 चर्चित गाने नहीं गा सकेंगे। विभाग के जिला बाल संरक्षण अधिकारी ने सी 21 मॉल प्रबंधन को पत्र लिखकर इन गानों को कार्यक्रम में शामिल नहीं करने के निर्देश दिए हैं। इन गानों के बोल में शराब, नशे और हथियारों का जिक्र है। विभाग का कहना है कॉन्सर्ट में बच्चों को भी प्रवेश दिया जाएगा ऐसे में इस तरह के गानों का उन पर गलत असर पड़ सकता है। पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट के 22 जुलाई 2019 के आदेश का भी हवाला दिया है।

कर्नाटक ई-20 विवाद : सरकार ने जांच के तरीके पर उठाए सवाल

केंद्र सरकार ने 'अधिक इथेनॉल' मिलावट के दावे को किया खारिज

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्र ने कर्नाटक के कुछ पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल में तय सीमा से ज्यादा इथेनॉल मिलाने के दावों को खारिज कर दिया। केंद्र ने राज्य की जांच पर सवाल उठाए और कहा कि देशव्यापी गुणवत्ता निगरानी के तहत राज्य में जांचे गए सभी 56 सैंपल तय ई20 मानकों पर खरे हैं। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने कहा कि 3 सरकारी तेल कंपनियों इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड , भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने स्पष्ट किया है 26-31% इथेनॉल मिलावट के दावे गलत हैं। यह तकनीकी प्रक्रियाओं के तहत किए गए परीक्षणों से साबित नहीं होते।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने राज्य सरकार के दावों को नकारा

ई20 पेट्रोल आईएस 17021 के अनुरूप



मंत्रालय ने कहा कि देशभर में कर्नाटक सहित इन तीनों कंपनियों द्वारा आपूर्ति किया जाने वाला ई20 पेट्रोल आईएस 17021 के अनुरूप है, जो इथेनॉल-मिश्रित मोटर गैसोलीन के लिए भारतीय मानक ब्यूरो का मानक है।कंपनियों ने सैंपलिंग प्रक्रिया और जांच पद्धति पर चिंता जताई है।मंत्रालय के अनुसार यह एक उचित प्रक्रिया के तहत जारी किया है।

राज्य ने तकनीकी जानकारी नहीं दी

जांच में ओएमसी प्रतिनिधियों की भागीदारी के बिना ही सैंपल लिए गए। जिसके साथ ही, कंपनियों को संबंधित रिटेंशन सैंपल, आउटलेट-वार पूरी जानकारी या लैब रिपोर्ट नहीं मिली है।

सरकार ने कहा- मानकों पर जांच की

तय प्रक्रिया के तहत 6 एक-लीटर के सैंपल लिए जाने हैं, जिनमें से 2डीलर को दिए जाते हैं, 2 तेल कंपनी या विभाग के पास रखे जाते हैं और 2नामित प्रयोगशाला को भेजे जाते हैं। सरकार ने कहा कि सितंबर में सैंपल राज्य स्तरीय समन्वयक के माध्यम से नामित ओएमसी प्रयोगशालाओं में भेजे गए थे। जरूरी गुणवत्ता मानकों पर जांच की गई थी।

पूर्व दिशा की ओर जाने वाली त्यौहार विशेष रेलगाड़ियाँ–2026

दीपावली एवं छठ पूजा त्यौहारों के दौरान रेलयात्रियों के सुविधाजनक आवागमन हेतु उत्तर रेलवे द्वारा अन्य क्षेत्रीय रेलों के सहयोग से दिनांक 08.11.2026, 09.11.2026 एवं 10.11.2026 को पूर्व दिशा की ओर निम्नलिखित त्यौहार विशेष रेलगाड़ियाँ चलाई जायेंगी, जिनका विवरण निम्नानुसार है:–

दिनांक 08.11.2026 (रविवार) को पूर्व दिशा में प्रस्थान करने वाली रेलगाड़ियों की सूची

विशेष गाड़ी सं.	स्टेशन से	प्रस्थान समय	स्टेशन तक	आगमन समय	स्थान	ठहराव
02254	नई दिल्ली (वंदे भारत एक्सप्रेस)	08:35	पटना जं.	21:30	एग्जीक्यूटिव चेयर कार एवं एसी चेयर कार	अलीगढ़ जं., कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर एवं आरा
04014	आनन्द विहार (ट.)	15:40	लौकहा बाजार	20:15	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, मुरादाबाद, बरेली (एनआर), शाहजहांपुर जं., सीतापुर जं., गोंडा जं., गोरखपुर जं., कप्तानगंज जं., सिसवा बाजार, बगहा, हरिनगर, नरकटियागंज जं., सिकटा, रक्सौल जं., बैरगनिया, सीतामढ़ी जं., शीशो जं., सकरी जं., झंझारपुर एवं वाचस्पति नगर
04096	आनन्द विहार (ट.)	00:05	पाटलिपुत्र जं.	23:00	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., वाराणसी, गाजीपुर सिटी, फेफना जं., बलिया, सहतवार, बकुल्हा, छपरा एवं दिघवारा
04072	नई दिल्ली	21:35	सुपौल जं.	06:35	3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, अलीगढ़ जं., टुंडला जं., इटावा जं., गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., ज्ञानपुर रोड, वाराणसी, औड़िहार जं., गाजीपुर सिटी, बलिया, सुरेमनपुर, छपरा, सोनपुर, हाजीपुर जं., शाहपुर पटोरी, बरौनी जं., बेगूसराय, खगड़िया जं., मानसी जं., सिमरी बख्तियारपुर एवं सहरसा जं.
04052	नई दिल्ली	18:15	हावड़ा	23:40	3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, अलीगढ़ जं., टुंडला जं., गोविंदपुरी, सुबेदारगंज, मिर्जापुर, पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा, पटना जं., बख्तियारपुर जं., किऊल जं., झाझा, जसीडीह जं., मधुपुर जं., चित्तरंजन, आसनसोल जं., दुर्गापुर, बर्द्धमान एवं बंडेल
04062	आनन्द विहार (ट.)	12:00	भागलपुर	13:30	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	अलीगढ़ जं., टुंडला जं., गोविंदपुरी, सुबेदारगंज, पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑन सोन, अनुग्रह नारायण रोड, गया जं., तिलैया, नवादा, वारिसलीगंज, शेखपुरा, किऊल जं., अभयपुर, जमालपुर जं. एवं सुलतानगंज
04064	दिल्ली जं.	11:00	गया जं.	07:15	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	नई दिल्ली, टुंडला जं., गोविंदपुरी, सुबेदारगंज, पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑन सोन एवं अनुग्रह नारायण रोड
04088	नई दिल्ली	15:50	पटना जं.	12:45	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	टुंडला जं., गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., दिलदार नगर जं., बक्सर, रघुनाथपुर एवं आरा
02564	नई दिल्ली	17:55	बरौनी जं.	15:10	3 टियर वाता., 3 टियर वाता. (इकोनोमी), शयनयान	कानपुर सेंट्रल, ऐशबाग, बस्ती, गोरखपुर जं., देवरिया सदर, सिवान जं., छपरा एवं मुजफ्फरपुर जं.
02570	नई दिल्ली	12:15	दरभंगा जं.	10:00	3 टियर वाता., 3 टियर वाता. (इकोनोमी), शयनयान	कानपुर सेंट्रल, ऐशबाग, बस्ती, गोरखपुर जं., देवरिया सदर, सिवान जं., छपरा, मुजफ्फरपुर जं. एवं समस्तीपुर जं.
05580	आनन्द विहार (ट.)	05:15	पूर्णियाँ कोर्ट	13:45	3 टियर इकोनोमी, शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, हापुड़, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहाँपुर, सीतापुर जं., गोंडा जं., बस्ती, गोरखपुर, कप्तानगंज जं., बगहा, नरकटियागंज जं., रक्सौल जं., बैरगनिया, सीतामढ़ी, जनकपुर रोड, शीशो हॉल्ट, सकरी जं., झंझारपुर जं., घोघरडीहा, निर्मली, न्यू झाझा जं., सुपौल, गढ़ बरुआरी, सहरसा जं., दौराम मधेपुरा, मुरलीगंज एवं बनमनखी जं.
02418	शकूर बस्ती	21:30	प्रयागराज जं.	09:15	प्रथम वाता. सह 2 टियर वाता., 3 टियर वाता. शयनयान एवं सामान्य	नई दिल्ली, गाजियाबाद, दादरी, खुर्जा जं., अलीगढ़ जं., हाथरस जं., टुंडला जं., शिकोहाबाद जं., इटावा जं., फफूंद, कानपुर सेंट्रल, बिंदकी रोड, फतेहपुर, सिराथू, भरवारी
03310	दिल्ली जं.	11:45	धनबाद जं.	13:00	3 टियर वाता., 3 टियर इकोनोमी, शयनयान एवं सामान्य	टूंडला जं., गोविंदपुरी (कानपुर), प्रयागराज जं., ज्ञानपुर रोड, माधोसिंह, वाराणसी जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑन सोन, अनुग्रह नारायण रोड, गया जं., कोडरमा, हजारीबाग रोड, पारसनाथ एवं गोमोह जं.
03698	नई दिल्ली	13:40	गया जं.	11:15	षयनयान एवं सामान्य	टूंडला जं., गोविंदपुरी (कानपुर), प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑन सोन एवं अनुग्रह नारायण रोड
03294	आनन्द विहार (ट.)	15:50	पटना जं.	12:25	3 टियर वाता., 3 टियर इकोनोमी, शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, गोविंदपुरी (कानपुर), सूबेदारगंज (प्रयागराज जं.), पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा एवं दानापुर
02458	आनन्द विहार (ट.)	07:20	कानपुर सेन्ट्रल	13:15	3 टियर वाता. एवं शयनयान	अलीगढ़ जं. एवं इटावा जं.
04098	शकूर बस्ती	09:20	दरभंगा जं.	11:45	3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	नई दिल्ली, गाजियाबाद, कानपुर सेंट्रल, उन्नाव जं., ऐशबाग, बादशाह नगर, बाराबंकी जं., बुढ़वल जं., गोंडा जं., गोरखपुर जं., कप्तानगंज जं., सिसवा बाजार, बगहा, नरकटियागंज जं., सिकटा, रक्सौल जं., घोड़ासहन, बैरगनिया, सीतामढ़ी जं., जनकपुर रोड एवं कमतौल
02878	आनन्द विहार (ट.)	19:30	राँची	19:10	प्रथम वाता., 2 टियर वाता. 3 टियर वाता. एवं शयनयान	गाजियाबाद, टूंडला जं., गोविंदपुरी, सूबेदारगंज, मिर्जापुर, चुनार जं., पंडित दीन दयाल उपाध्याय जं., भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑन सोन, नबीनगर रोड, जपला, मुहम्मदगंज, गढ़वा रोड जं., डालटनगंज, लातेहार, टोरी, लोहरदगा
05284	आनन्द विहार (ट.)	07:00	मुज़फ्फरपुर जं.	04:50	3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	मुरादाबाद, शाहजहाँपुर, हरदोई, लखनऊ, गोंडा जंक्शन, बस्ती, गोरखपुर, बगहा, हरिनगर, नरकटियागंज जंक्शन, बेतिया, सगौली जंक्शन, बापूधाम मोतिहारी, पीपरा, चकिया, मेहसी, मोतीपुर

दिनांक 09.11.2026 (सोमवार) को पूर्व दिशा में प्रस्थान करने वाली रेलगाड़ियों की सूची

02252	नई दिल्ली (वंदे भारत एक्सप्रेस)	08:35	पटना जं.	21:30	एग्जीक्यूटिव चेयर कार एवं एसी चेयर कार	अलीगढ़ जं., कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर एवं आरा
04014	आनन्द विहार (ट.)	15:40	लौकहा बाजार	20:15	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, मुरादाबाद, बरेली (एनआर), शाहजहांपुर जं., सीतापुर जं., गोंडा जं., गोरखपुर जं., कप्तानगंज जं., सिसवा बाजार, बगहा, हरिनगर, नरकटियागंज जं., सिकटा, रक्सौल जं., बैरगनिया, सीतामढ़ी जं., शीशो जं., सकरी जं., झंझारपुर एवं वाचस्पति नगर
04096	आनन्द विहार (ट.)	00:05	पाटलिपुत्र जं.	23:00	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., वाराणसी, गाजीपुर सिटी, फेफना जं., बलिया, सहतवार, बकुल्हा, छपरा एवं दिघवारा
04072	नई दिल्ली	21:35	सुपौल जं.	06:35	3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, अलीगढ़ जं., टुंडला जं., इटावा जं., गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., ज्ञानपुर रोड, वाराणसी, औड़िहार जं., गाजीपुर सिटी, बलिया, सुरेमनपुर, छपरा, सोनपुर, हाजीपुर जं., शाहपुर पटोरी, बरौनी जं., बेगूसराय, खगड़िया जं., मानसी जं., सिमरी बख्तियारपुर एवं सहरसा जं.
04062	आनन्द विहार (ट.)	12:00	भागलपुर	13:30	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	अलीगढ़ जं., टुंडला जं., गोविंदपुरी, सुबेदारगंज, पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑन सोन, अनुग्रह नारायण रोड, गया जं., तिलैया, नवादा, वारिसलीगंज, शेखपुरा, किऊल जं., अभयपुर, जमालपुर जं. एवं सुलतानगंज
04098	शकूर बस्ती	09:20	दरभंगा जं.	11:45	3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	नई दिल्ली, गाजियाबाद, कानपुर सेंट्रल, उन्नाव जं., ऐशबाग, बादशाह नगर, बाराबंकी जं., बुढ़वल जं., गोंडा जं., गोरखपुर जं., कप्तानगंज जं., सिसवा बाजार, बगहा, नरकटियागंज जं., सिकटा, रक्सौल जं., घोड़ासहन, बैरगनिया, सीतामढ़ी जं., जनकपुर रोड एवं कमतौल
04064	दिल्ली जं.	11:00	गया जं.	07:15	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	नई दिल्ली, टुंडला जं., गोविंदपुरी, सुबेदारगंज, पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑन सोन एवं अनुग्रह नारायण रोड
04088	नई दिल्ली	15:50	पटना जं.	12:45	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	टुंडला जं., गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., दिलदार नगर जं., बक्सर, रघुनाथपुर एवं आरा
04214	आनन्द विहार (ट.)	09:00	अयोध्या कैंट	22:00	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, हापुड़, अमरोहा, मुरादाबाद, बरेली (एनआर), शाहजहांपुर जं., लखनऊ जं. एवं बाराबंकी जं.
02564	नई दिल्ली	17:55	बरौनी जं.	15:10	3 टियर वाता., 3 टियर वाता. (इकोनोमी), शयनयान	कानपुर सेंट्रल, ऐशबाग, बस्ती, गोरखपुर जं., देवरिया सदर, सिवान जं., छपरा एवं मुजफ्फरपुर जं.
02570	नई दिल्ली	12:15	दरभंगा जं.	10:00	3 टियर वाता., 3 टियर वाता. (इकोनोमी), शयनयान	कानपुर सेंट्रल, ऐशबाग, बस्ती, गोरखपुर जं., देवरिया सदर, सिवान जं., छपरा, मुजफ्फरपुर जं. एवं समस्तीपुर जं.
02398	आनन्द विहार (ट.)	13:30	गया जं.	11:15	प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता. (इकोनोमी), शयनयान	टूंडला जं., गोविंदपुरी (कानपुर), प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑन सोन एवं अनुग्रह नारायण रोड
03258	आनन्द विहार (ट.)	05:00	दानापुर	20:45	3 टियर वाता. एवं शयनयान	गोविंदपुरी, सूबेदारगंज, पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर, आरा
02456	नई दिल्ली	07:45	कानपुर सेन्ट्रल	13:15	3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	अलीगढ़ एवं इटावा जं.
04164	शकूर बस्ती	21:30	नारायनपुर बाजार	12:25	प्रथम वाता. सह 2 टियर वाता., 3 टियर वाता. शयनयान एवं सामान्य	नई दिल्ली, गाजियाबाद, दादरी, खुर्जा जं., अलीगढ़ जं., हाथरस जं., टुंडला जं., शिकोहाबाद जं., इटावा जं., फफूंद, कानपुर सेंट्रल, बिंदकी रोड, फतेहपुर, सिराथू, भरवारी, प्रयागराज जं., करछना, मेजा रोड, मिर्जापुर एवं चुनार
04124	हज़रत निज़ामुद्दीन	15:45	प्रयागराज जं.	09:10	प्रथम वाता., 3 टियर वाता. शयनयान एवं सामान्य	कोसी कलां, मथुरा जं., आगरा कैंट, धौलपुर, ग्वालियर जं., वीरांगना लक्ष्मीबाई (झाँसी), मऊरानीपुर, हरपालपुर, कुलपहाड़, महोबा, बांदा जं., अतर्रा, चित्रकूट, मानिकपुर जं., डभौरा एवं शंकरगढ़
05102	शकूर बस्ती	13:15	गोरखपुर	08:30	प्रथम वाता. 2 टियर वाता., 3 टियर वाता. शयनयान एवं सामान्य	दिल्ली, गाज़ियाबाद, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहाँपुर, सीतापुर जंक्शन, गोंडा जंक्शन, बलरामपुर, तुलसीपुर, बढ़नी, सिद्धार्थनगर एवं आनंदनगर
03294	आनन्द विहार (ट.)	15:50	पटना (ट.)	12:25	3 टियर वाता. 3 टियर (इकोनोमी), शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, गोविंदपुरी (कानपुर), सूबेदारगंज (प्रयागराज जंक्शन), पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा एवं दानापुर
08408	आनन्द विहार (ट.)	00:30	खोरधा रोड जं.	10:45	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, टूंडला जं., गोविंदपुरी (कानपुर), सूबेदारगंज (प्रयागराज जं.), पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑन सोन, गया जं., कोडरमा, गोमोन जं., आद्रा जं., बाँकुड़ा, विष्णुपुर, मिदनापुर, हिजली (खड़गपुर), बालासोर, भद्रक, जाजपुर केन्दुझर रोड, कटक एवं भुवनेश्वर

दिनांक 10.11.2026 (सोमवार) को पूर्व दिशा में प्रस्थान करने वाली रेलगाड़ियों की सूची

02254	नई दिल्ली (वंदे भारत एक्सप्रेस)	08:35	पटना जं.	21:30	एग्जीक्यूटिव चेयर कार एवं एसी चेयर कार	अलीगढ़ जं., कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर एवं आरा
04028	आनन्द विहार (ट.)	09:15	मुजफ्फरपुर जं.	04:30	प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	अमरोहा, मुरादाबाद, बरेली (एनआर), शाहजहांपुर जं., सीतापुर जं., गोंडा जं., बस्ती, गोरखपुर जं., देवरिया सदर, सिवान जं., छपरा, सोनपुर एवं हाजीपुर जं.
04014	आनन्द विहार (ट.)	15:40	लौकहा बाजार	20:15	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, मुरादाबाद, बरेली (एनआर), शाहजहांपुर जं., सीतापुर जं., गोंडा जं., गोरखपुर जं., कप्तानगंज जं., सिसवा बाजार, बगहा, हरिनगर, नरकटियागंज जं., सिकटा, रक्सौल जं., बैरगनिया, सीतामढ़ी जं., शीशो जं., सकरी जं., झंझारपुर एवं वाचस्पति नगर
04096	आनन्द विहार (ट.)	00:05	पाटलिपुत्र जं.	23:00	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., वाराणसी, गाजीपुर सिटी, फेफना जं., बलिया, सहतवार, बकुल्हा, छपरा एवं दिघवारा
04072	नई दिल्ली	21:35	सुपौल जं.	06:35	3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, अलीगढ़ जं., टुंडला जं., इटावा जं., गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., ज्ञानपुर रोड, वाराणसी, औड़िहार जं., गाजीपुर सिटी, बलिया, सुरेमनपुर, छपरा, सोनपुर, हाजीपुर जं., शाहपुर पटोरी, बरौनी जं., बेगूसराय, खगड़िया जं., मानसी जं., सिमरी बख्तियारपुर एवं सहरसा जं.
04052	नई दिल्ली	18:15	हावड़ा	23:40	3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, अलीगढ़ जं., टुंडला जं., गोविंदपुरी, सुबेदारगंज, मिर्जापुर, पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा, पटना जं., बख्तियारपुर जं., किऊल जं., झाझा, जसीडीह जं., मधुपुर जं., चित्तरंजन, आसनसोल जं., दुर्गापुर, बर्द्धमान एवं बंडेल
04062	आनन्द विहार (ट.)	12:00	भागलपुर	13:30	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	अलीगढ़ जं., टुंडला जं., गोविंदपुरी, सुबेदारगंज, पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑन सोन, अनुग्रह नारायण रोड, गया जं., तिलैया, नवादा, वारिसलीगंज, शेखपुरा, किऊल जं., अभयपुर, जमालपुर जं. एवं सुलतानगंज
04098	शकूर बस्ती	09:20	दरभंगा जं.	11:45	3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	नई दिल्ली, गाजियाबाद, कानपुर सेंट्रल, उन्नाव जं., ऐशबाग, बादशाह नगर, बाराबंकी जं., बुढ़वल जं., गोंडा जं., गोरखपुर जं., कप्तानगंज जं., सिसवा बाजार, बगहा, नरकटियागंज जं., सिकटा, रक्सौल जं., घोड़ासहन, बैरगनिया, सीतामढ़ी जं., जनकपुर रोड एवं कमतौल
04064	दिल्ली जं.	11:00	गया जं.	07:15	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	नई दिल्ली, टुंडला जं., गोविंदपुरी, सुबेदारगंज, पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑन सोन एवं अनुग्रह नारायण रोड
04088	नई दिल्ली	15:50	पटना जं.	12:45	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	टुंडला जं., गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., दिलदार नगर जं., बक्सर, रघुनाथपुर एवं आरा
04406	शकूर बस्ती	19:10	मानसी जं.	02:30	शयनयान एवं सामान्य	नई दिल्ली, गाजियाबाद, अलीगढ़ जं., टुंडला जं., इटावा जं., कानपुर सेंट्रल, उन्नाव जं., ऐशबाग, बादशाह नगर, बाराबंकी जं., गोंडा जं., बस्ती, खलीलाबाद, गोरखपुर जं., देवरिया सदर, सिवान जं., छपरा, सोनपुर, हाजीपुर जं., शाहपुर पटोरी, बरौनी जं., बेगूसराय एवं खगड़िया जं.
04404	शकूर बस्ती	15:15	पटना जं.	14:30	शयनयान एवं सामान्य	नई दिल्ली, गाजियाबाद, अलीगढ़ जं., टुंडला जं., गोविंदपुरी, सुबेदारगंज, मिर्जापुर, पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा एवं दानापुर
04410	शकूर बस्ती	13:00	झंझारपुर जं.	16:00	शयनयान एवं सामान्य	नई दिल्ली, गाजियाबाद, अलीगढ़ जं., कानपुर सेंट्रल, उन्नाव जं., ऐशबाग, गोंडा जं., गोरखपुर जं., कप्तानगंज जं., बगहा, नरकटियागंज जं., सिकटा, रक्सौल जं., घोड़ासहन, बैरगनिया, सीतामढ़ी जं., जनकपुर रोड, कनतौल, शीशो जं. एवं सकरी जं.
04058	आनन्द विहार (ट.)	00:20	छपरा जं.	19:20	प्रथम वाता., 2 टियर वाता. एवं 3 टियर वाता.	टुंडला जं., गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., ज्ञानपुर रोड, वाराणसी, सारनाथ, औड़िहार जं., गाजीपुर सिटी, फेफना जं., बलिया, रेवती एवं सुरेमनपुर
04064	दिल्ली जं.	11:00	गया जं.	07:15	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	नई दिल्ली, टुंडला जं., गोविंदपुरी, सुबेदारगंज, पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑन सोन एवं अनुग्रह नारायण रोड
04078	दिल्ली जं.	14:00	दरभंगा जं.	18:00	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., एवं शयनयान	नई दिल्ली, गाजियाबाद, टूंडला जं., गोविंदपुरी, सूबेदारगंज, पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, दानापुर, पटना जं., बख्तियारपुर जंक्शन, मोकामा जंक्शन, बरौनी जंक्शन, दलसिंहसराय, समस्तीपुर जंक्शन।
04210	दिल्ली जं.	18:50	वाराणसी जं.	09:50	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	नई दिल्ली, गाजियाबाद, हापुड़, गजरौला जं., मुरादाबाद, रामपुर, हरदोई, लखनऊ जं., रायबरेली जं. एव

लिक्विड फंड चुनने में रिटर्न नहीं, पोर्टफोलियो का दम देखें

- 36 फंडों के एक साल के रिटर्न में सिर्फ 0.80% अंक का अंतर
- फ्रैंकलिन, यूनियन और टाटा लिक्विड फंड ने बनाई अहम जगह
- एक साल में 6.42 से 6.52 प्रतिशत तक रहा रिटर्न
- तीन फंडों ने रिटर्न के साथ जोखिम प्रबंधन में भी दिखाया संतुलन

विश्लेषण में दिए गए आंकड़े डायरेक्ट ग्रोथ प्लान के हैं। तीनों फंडों के रिटर्न में अंतर बहुत कम है। उदाहरण के लिए, फ्रैंकलिन के 6.49 प्रतिशत और टाटा के 6.43 प्रतिशत रिटर्न के बीच एक लाख रुपये के निवेश पर एक साल में करीब 57 रुपये का अंतर बनता है। इसलिए केवल मामूली अधिक रिटर्न के आधार पर फंड चुनना उचित नहीं है। लिक्विड फंड में भी क्रेडिट जोखिम और ब्याज दर से जुड़ा जोखिम हो सकता है। इनका रिटर्न निश्चित नहीं होता और यह बैंक जमा की तरह गारंटीड नहीं है। निवेश से पहले अपनी जरूरत, निवेश की अवधि और जोखिम क्षमता का आकलन करें तथा जरूरत पड़ने पर वित्तीय सलाहकार से परामर्श लें।

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

बचत खाते में पैसा रखने के बजाय बेहतर रिटर्न की तलाश करने वाले निवेशकों के लिए लिक्विड म्यूचुअल फंड एक विकल्प हो सकते हैं। ये फंड आमतौर पर 91 दिनों तक की परिपक्वता वाली ऋण प्रतिभूतियों में निवेश करते हैं। कम अवधि के कारण इनमें ब्याज दरों में बदलाव का असर अपेक्षाकृत जल्दी दिखाई दे सकता है। हालांकि, इन्हें बैंक की सावधि जमा की तरह पूरी तरह जोखिम-मुक्त नहीं माना जाना चाहिए। ऐसे में लिक्विड फंड चुनते समय केवल पिछले रिटर्न के बजाय उसके पोर्टफोलियो, खर्च और जोखिम के पैमानों को समझना जरूरी है। फाइनेंशियल एक्सप्रेस में प्रकाशित इक्विटीमास्टर के विश्लेषण के अनुसार, पिछले एक साल में लिक्विड फंड श्रेणी का औसत मध्य रिटर्न 6.42 प्रतिशत रहा। कम से कम तीन साल का रिकॉर्ड रखने वाले 36 फंडों में सबसे बेहतर रिटर्न 6.52 प्रतिशत और सबसे कम 5.72 प्रतिशत रहा। यानी दोनों के बीच केवल 0.80 प्रतिशत अंक का अंतर था। ऐसे में निवेश का फैसला करते समय फंड के पोर्टफोलियो और जोखिम अनुपात की भूमिका अहम हो जाती है। विश्लेषण में एक साल के रिटर्न के साथ मानक विचलन, शार्प और सॉर्टिनो अनुपात को भी आधार बनाया गया। इसी आधार पर तीन लिक्विड फंड सामने आए।

1. फ्रैंकलिन इंडिया लिक्विड फंड

फ्रैंकलिन इंडिया लिक्विड फंड ने एक साल में 6.49% रिटर्न दिया। 36 फंडों में इसका स्थान तीसरा रहा। शार्प अनुपात 1.99 के साथ यह छठे स्थान पर रहा। छह महीने के प्रदर्शन में इसने 3.21% रिटर्न दिया, जो इन तीनों फंडों में सबसे अधिक था। इसके पोर्टफोलियो का करीब 81% हिस्सा ए1+ रेटिंग वाली प्रतिभूतियों में है। इसके अलावा 3.8 प्रतिशत एएए रेटिंग वाले निवेश और 0.5 प्रतिशत ट्रेजरी बिल में है। करीब 14.7% हिस्सा नकदी और कॉल मनी में रखा गया है। तीनों फंडों में इसका नकदी हिस्सा सबसे अधिक है। इसकी औसत परिपक्वता अवधि 35 दिन और पोर्टफोलियो यील्ड 6.34 प्रतिशत है। डायरेक्ट सुपर इंस्टीट्यूशनल प्लान का आधार व्यय अनुपात 0.12% बताया गया है।



2. यूनियन लिक्विड फंड

यूनियन लिक्विड फंड ने एक साल में 6.44 प्रतिशत रिटर्न दिया और 36 फंडों में 14वां स्थान हासिल किया। हालांकि, इसका शार्प अनुपात 2.02 रहा, जो इन तीनों में सबसे बेहतर है। इसका मानक विचलन 0.22 प्रतिशत रहा, जो तीनों फंडों में सबसे कम है। फंड के पोर्टफोलियो का करीब 91 प्रतिशत हिस्सा ए1+ रेटिंग वाली प्रतिभूतियों में है। इसमें 15.2 प्रतिशत सरकारी प्रतिभूतियां और 5.4 प्रतिशत एएए रेटिंग वाले निवेश शामिल हैं। इसका पोर्टफोलियो यील्ड 6.58 प्रतिशत है, जो इन तीनों में सबसे अधिक है। डायरेक्ट प्लान का खर्च अनुपात 0.06 से 0.07 प्रतिशत के बीच है। इसकी औसत परिपक्वता अवधि करीब 58 दिन है।

3. टाटा लिक्विड फंड

टाटा लिक्विड फंड ने एक साल में 6.43 प्रतिशत रिटर्न दिया। शार्प अनुपात 1.95 रहा। इसका मानक विचलन 0.23 प्रतिशत है। पोर्टफोलियो का करीब 85 प्रतिशत हिस्सा ए1+ रेटिंग वाली प्रतिभूतियों में और 17 प्रतिशत सरकारी प्रतिभूतियों में है। इसकी औसत परिपक्वता अवधि 53 दिन और पोर्टफोलियो यील्ड 6.44 प्रतिशत है। तीनों फंडों में इसका आकार सबसे बड़ा है। यह सितंबर 2004 में शुरू हुआ था। हालांकि, इसका डायरेक्ट प्लान खर्च अनुपात 0.19 प्रतिशत है, जो इन तीनों में सबसे अधिक है।

निवेश से पहले इन बातों का रखें ध्यान

लिक्विड फंड चुनते समय केवल एक साल के रिटर्न को आधार बनाना सही नहीं है। फंड की प्रतिभूतियों की रेटिंग, पोर्टफोलियो में सरकारी निवेश की हिस्सेदारी, औसत परिपक्वता अवधि और खर्च अनुपात को भी देखना चाहिए। शार्प और सॉर्टिनो अनुपात से जोखिम के मुकाबले मिले रिटर्न को समझने में मदद मिलती है। विश्लेषण में दिए गए आंकड़े डायरेक्ट ग्रोथ प्लान के हैं। तीनों फंडों के रिटर्न में अंतर बहुत कम है। उदाहरण के लिए, फ्रैंकलिन के 6.49 प्रतिशत और टाटा के 6.43 प्रतिशत रिटर्न के बीच एक लाख रुपये के निवेश पर एक साल में करीब 57 रुपये का अंतर बनता है। इसलिए केवल मामूली अधिक रिटर्न के आधार पर फंड चुनना उचित नहीं है।

कम कमाई में भी शुरू करें निवेश, वेतन बढ़ने पर बचत की रकम बढ़ाएं

युवा कैसे बचाएं पैसे, ये सात टिप्स निभाएंगे अहम भूमिका

जानकारी
बिजनेस डेस्क

करियर की शुरुआत में कम वेतन के कारण कई युवा बचत और निवेश को टालते रहते हैं। उन्हें लगता है कि अच्छी कमाई शुरू होने के बाद ही पैसा बचाया जा सकता है। लेकिन आर्थिक मजबूती के लिए बड़ी आय से ज्यादा जरूरी है बचत की आदत और समय पर निवेश की शुरुआत। एक 26 वर्षीय युवा की वित्तीय यात्रा बताती है कि कैसे 18 हजार रुपये महीने की कमाई से शुरुआत करके तीन साल में सालाना 50 लाख रुपये के कंपनी पैकेज तक पहुंचा जा सकता है और निवेश के जरिए अच्छी-खासी संपत्ति बनाई जा सकती है। वर्ष 2023 में इस युवा का मासिक वेतन करीब 18 हजार रुपये था। उन्होंने शुरुआत में ही पांच हजार रुपये की मासिक एसआईपी शुरू कर दी। तीन साल में उनका सालाना पैकेज बढ़कर 50 लाख रुपये हो गया और वित्तीय संपत्ति करीब 65 से 75 लाख रुपये तक पहुंच गई। इस दौरान मई 2026 में नौकरी भी चली गई, लेकिन आपातकालीन बचत ने आर्थिक मुश्किलों से निपटने में मदद की। इस अनुभव से युवा सात अहम सबक सीख सकते हैं।

आपातकालीन कोष बनाएं

अच्छी नौकरी और ऊंचा वेतन भी नौकरी जाने के जोखिम को खत्म नहीं करते। इसलिए कम से कम छह महीने के जरूरी खर्च के बराबर रकम अलग रखें। इसे बचत खाते, सावधि जमा या ऐसे सुरक्षित विकल्पों में रखें, जहां जरूरत पड़ने पर पैसा आसानी से मिल सके। इस रकम को शेयर बाजार जैसे जोखिम वाले निवेश में न लगाएं। संबंधित युवा के पास नौकरी जाने के समय छह लाख रुपये का आपातकालीन कोष था, जिसे बाद में बढ़ाकर सात से आठ लाख रुपये कर लिया गया।

5. सीटीसी और हाथ में आने वाले वेतन का अंतर समझें

कंपनी का सालाना पैकेज यानी सीटीसी बैंक खाते में आने वाली रकम नहीं होता। इसमें मूल वेतन के अलावा बोनस, भविष्य निधि, कंपनी के शेयर और दूसरी सुविधाएं शामिल हो सकती हैं। इसलिए नौकरी बदलते समय केवल बड़े पैकेज से प्रभावित न हों। कर और दूसरी कटौतियों के बाद हर महीने मिलने वाली वास्तविक रकम का हिसाब लगाएं। उसी के आधार पर खर्च, बचत और निवेश की योजना बनाएं।



वेतन बढ़ते ही जीवनशैली महंगी न करें

नौकरी में वेतन बढ़ने के साथ महंगे फोन, वाहन, कपड़े और बाहर खाने पर खर्च बढ़ाना आसान है। इसे जीवनशैली का विस्तार कहा जाता है। यदि हर वेतन वृद्धि के साथ खर्च भी उतनी ही तेजी से बढ़ेगा तो बचत सीमित रह जाएगी। वेतन बढ़ने पर पहले निवेश की रकम बढ़ाएं और फिर जरूरत के अनुसार खर्च तय करें।

पूरा पैसा एक ही निवेश विकल्प में न लगाएं

संपत्ति बनाने के लिए निवेश में विविधता जरूरी है। म्यूचुअल फंड, शेयर, सोना और सुरक्षित बचत विकल्पों में अपनी जोखिम क्षमता और लक्ष्य के अनुसार पैसा बांट सकते हैं। किसी एक शेयर या तेजी से मुनाफा देने वाले विकल्प के पीछे पूरी बचत न लगाएं। नियमित निवेश और लंबी अवधि का नजरिया अपनाएं। बाजार में उतार-चढ़ाव के कारण निवेश का मूल्य घट-बढ़ सकता है, इसलिए रिटर्न की गारंटी मानकर न चलें। आर्थिक योजना केवल अपनी जरूरतों और शौक तक सीमित नहीं होनी चाहिए।

कम कमाई हो तो भी बचत

निवेश शुरू करने के लिए बड़ी रकम का इंतजार न करें। नौकरी की शुरुआत में पांच सौ या एक हजार रुपये की बचत भी अच्छी आदत बन सकती है। नियमित निवेश से समय के साथ रकम बढ़ाने का अवसर मिलता है। शुरुआत छोटी हो सकती है, लेकिन उसे लगातार जारी रखना जरूरी है।

आय बढ़ाने पर भी दें ध्यान

बचत के लिए अनावश्यक खर्च कम करना जरूरी है, लेकिन केवल खर्च घटाकर बड़ी संपत्ति बनाना मुश्किल है। युवाओं को अपने कौशल और कार्यक्षमता बढ़ाने पर ध्यान देना चाहिए। नए प्रशिक्षण, बेहतर नौकरी के अवसर और वेतन वृद्धि के लिए बातचीत आय बढ़ाने में मदद कर सकती है। कमाई बढ़ने पर बचत और निवेश की रकम भी बढ़ाएं।

दिवाली पर गोल्ड या सिल्वर ईटीएफ में कहां लगाएं पैसा?

● सोना देता है बाजार की उठापटक में सहारा ● चांदी में तेजी के साथ जोखिम भी ज्यादा ● पोर्टफोलियो में 10 से 15 प्रतिशत तक रखें कीमती धातुओं की हिस्सेदारी

तैयारी
बिजनेस डेस्क

दिवाली पर सोना खरीदना शुभ माना जाता है। इसी वजह से कई निवेशक त्योहार के मौके पर गोल्ड और सिल्वर में पैसा लगाने की योजना बनाते हैं। हालांकि, अब भौतिक सोने-चांदी के साथ एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) भी निवेश का एक विकल्प बन गए हैं। इनके जरिये निवेशक बिना धातु को खरीदे और संभालकर रखे, उसकी कीमतों में होने वाले बदलाव का लाभ ले सकते हैं। लेकिन सवाल यह है कि इस दिवाली गोल्ड ईटीएफ बेहतर रहेगा या सिल्वर ईटीएफ? इसका जवाब केवल पिछले रिटर्न में नहीं, बल्कि निवेश के उद्देश्य और जोखिम उठाने की क्षमता में छिपा है। सोना और चांदी दोनों कीमती धातुएं हैं, लेकिन इनके दाम तय होने के कारक अलग-अलग हैं। सोना आर्थिक अनिश्चितता और महंगाई के दौर में निवेशकों के लिए सुरक्षा का माध्यम माना जाता है। वहीं, चांदी का इस्तेमाल औद्योगिक गतिविधियों में भी होता है। इसलिए इसकी कीमत पर निवेश की मांग के साथ उद्योगों की जरूरत का भी असर पड़ता है। इसमें तेजी के साथ गिरावट की आशंका भी अधिक रहती है। निवेश से पहले इन पांच बातों को समझना जरूरी है।

सोने और चांदी की भूमिका को समझें

गोल्ड ईटीएफ और सिल्वर ईटीएफ को एक जैसा निवेश विकल्प नहीं मानना चाहिए। सोना आमतौर पर आर्थिक अनिश्चितता, महंगाई और बाजार में अस्थिरता के दौरान पोर्टफोलियो को संतुलन देने में मदद करता है। इसके मुकाबले चांदी की कीमत औद्योगिक मांग से भी प्रभावित होती है। इलेक्ट्रॉनिक्स और अन्य औद्योगिक क्षेत्रों में इसकी जरूरत बढ़ने या घटने का असर कीमतों पर पड़ सकता है। पिछले एक साल में चांदी ने सोने से बेहतर प्रदर्शन किया, लेकिन बीते छह महीनों में दोनों की कीमतों पर दबाव रहा। इसलिए केवल हालिया रिटर्न देखकर निवेश का फैसला न करें।

पहली बार निवेश कर रहे हैं तो सोने से करें शुरुआत

यदि आप पहली बार कीमती धातुओं में निवेश कर रहे हैं और ज्यादा जोखिम नहीं लेना चाहते तो गोल्ड ईटीएफ से शुरुआत पर विचार कर सकते हैं। इसकी तुलना में सिल्वर ईटीएफ में कीमतों का उतार-चढ़ाव अधिक हो सकता है। जिन निवेशकों के पास पहले से सोना है और निवेश की अवधि लंबी है, वे अपने पोर्टफोलियो में सीमित मात्रा में चांदी शामिल करने पर विचार कर सकते हैं। ध्यान रखें कि चांदी का भाव सोने से कम होने का अर्थ यह नहीं है कि उसमें तेजी की संभावना निश्चित है।



पोर्टफोलियो में कितनी रखें हिस्सेदारी?

निवेश विशेषज्ञों के अनुसार, पोर्टफोलियो में कीमती धातुओं की हिस्सेदारी सीमित रखनी चाहिए। इन्वेस्को म्यूचुअल फंड के पैसिव इन्वेस्टमेंट प्रमुख अभिषेक बहिनिपति के अनुसार, एक सामान्य रणनीति के तहत पोर्टफोलियो का करीब 10 प्रतिशत हिस्सा सोने में रखा जा सकता है। यदि निवेशक सोने और चांदी दोनों में पैसा लगाना चाहते हैं तो कुल 15 प्रतिशत हिस्सेदारी में 10 प्रतिशत सोना और पांच प्रतिशत चांदी रख सकते हैं। हालांकि, यह कोई अनिवार्य नियम नहीं है। कम जोखिम लेने वाले निवेशक चांदी का हिस्सा और कम रख सकते हैं।

किस्तों में लगाएं पैसा

सोने और चांदी की कीमतों में तेजी से बदलाव हो सकता है। ऐसे में एक साथ बड़ी रकम निवेश करने से बचना बेहतर हो सकता है। निवेशक हर महीने थोड़ी-थोड़ी रकम लगाकर खरीद की औसत लागत को संतुलित करने का प्रयास कर सकते हैं। यदि एकमुश्त पैसा उपलब्ध है तो उसे तीन से छह महीने में अलग-अलग हिस्सों में निवेश किया जा सकता है। इससे किसी एक दिन की ऊंची कीमत पर पूरी रकम लगाने का जोखिम कम हो सकता है। हालांकि, किस्तों में निवेश करने से नुकसान की आशंका पूरी तरह समाप्त नहीं होती।

पोर्टफोलियो का संतुलन जरूर जांचें

सोने या चांदी की कीमतों में तेजी आने से पोर्टफोलियो में इनकी हिस्सेदारी तय सीमा से अधिक हो सकती है। ऐसी स्थिति में कुछ निवेश बेचकर दूसरी संपत्तियों में पैसा लगाया जा सकता है। इसे पोर्टफोलियो का पुनर्संतुलन कहा जाता है। वहीं, बाजार में थोड़ी गिरावट आने पर घबराकर निवेश बेचने से बचना चाहिए। निवेश बनाए रखने या मुनाफा निकालने का फैसला अपने वित्तीय लक्ष्य, निवेश अवधि, जोखिम उठाने की क्षमता और कर देनदारी को ध्यान में रखकर करें। गोल्ड या सिल्वर ईटीएफ चुनते समय केवल रिटर्न पर ध्यान देना पर्याप्त नहीं है। संबंधित फंड का खर्च अनुपात, कारोबार की मात्रा और खरीद-बिक्री के बीच कीमत का अंतर भी देखना चाहिए। ईटीएफ में निवेश के लिए डीमैट और ट्रेडिंग खाते की जरूरत होती है। यह भी समझें कि ईटीएफ का मूल्य संबंधित धातु की कीमत के साथ घट-बढ़ सकता है। इसलिए इसमें निश्चित रिटर्न की उम्मीद नहीं करनी चाहिए।

अलर्ट

10 हजार की मासिक एसआईपी में 10 साल बाद 1.45 लाख का अंतर संभव

डायरेक्ट प्लान की ओर बढ़ रहा निवेशकों का रुझान

एम्फी-क्रिसिल फैक्टबुक 2026 के आंकड़ों के अनुसार, डायरेक्ट प्लान में खुदरा निवेशकों की हिस्सेदारी मार्च 2021 में 21.4 प्रतिशत थी, जो मार्च 2026 में बढ़कर 36.7 प्रतिशत हो गई। डिजिटल निवेश मंचों की उपलब्धता और वित्तीय जागरूकता बढ़ने से युवा निवेशक खुद फंड चुनने में अधिक रुचि दिखा रहे हैं। 18 से 34 वर्ष आयु वर्ग में डायरेक्ट प्लान का रुझान अधिक है। इसके विपरीत, 58 वर्ष से अधिक आयु के निवेशकों में रेगुलर प्लान की हिस्सेदारी मार्च 2021 के 18.5 प्रतिशत से बढ़कर मार्च 2026 में 22.4 प्रतिशत हो गई।

निवेश में अनुशासन और सही फंड का चयन भी जरूरी

कम खर्च में निवेश, लंबी अवधि में बड़ा फायदा

म्यूचुअल फंड वेबसाइटों पर एक नवंबर से डायरेक्ट प्लान डिफॉल्ट विकल्प

समझदारी
बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड में निवेश करने वालों के लिए खर्च घटाने और लंबी अवधि में बेहतर कोष बनाने का एक नया अवसर सामने आया है। बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के फैसले के अनुसार, एक नवंबर से म्यूचुअल फंड कंपनियों की वेबसाइटों पर डायरेक्ट प्लान डिफॉल्ट विकल्प के रूप में उपलब्ध होंगे। इसका उद्देश्य निवेशकों को कम खर्च वाले विकल्प की ओर प्रोत्साहित करना है। हालांकि, जिन निवेशकों को फंड चुनने, पोर्टफोलियो की निगरानी और बाजार के उतार-चढ़ाव के दौरान मार्गदर्शन की जरूरत है, वे रेगुलर प्लान भी चुन सकेंगे। इस बदलाव से निवेशकों के सामने अब यह समझने का अवसर है कि उन्हें केवल कम खर्च वाला विकल्प चुनना है या विशेषज्ञ की सलाह के साथ निवेश को आगे बढ़ाना है।

क्या है डायरेक्ट व रेगुलर प्लान का अंतर

म्यूचुअल फंड में निवेश के लिए मुख्य रूप से दो विकल्प होते हैं। डायरेक्ट प्लान में निवेशक सीधे म्यूचुअल फंड कंपनी के माध्यम से निवेश करता है। इसमें वितरक या एजेंट का कमीशन शामिल नहीं होता, इसलिए इसका व्यय अनुपात यानी एक्सपेंस रेशियो कम रहता है। दूसरी ओर, रेगुलर प्लान में निवेशक वितरक या एजेंट के माध्यम से निवेश करता है। इसके बदले फंड के खर्च में वितरक का कमीशन भी शामिल रहता है। दोनों प्लान में निवेश एक ही फंड और पोर्टफोलियो में होता है, लेकिन खर्च अलग होने के कारण लंबी अवधि में मिलने वाले रिटर्न में अंतर आ सकता है। डायरेक्ट प्लान की शुरुआत वर्ष 2013 में हुई थी।

फंड के अनुसार अलग है खर्च का अंतर

डायरेक्ट और रेगुलर प्लान के बीच एक्सपेंस रेशियो का अंतर फंड की श्रेणी के अनुसार बदलता है। लार्ज कैप फंड में यह अंतर करीब 0.7 से 0.8 प्रतिशत, मिड कैप फंड में 1 से 1.3 प्रतिशत और फ्लेक्सी कैप फंड में 0.8 से 1 प्रतिशत तक हो सकता है। लिक्विड फंड में यह अंतर अपेक्षाकृत कम, करीब 0.15 से 0.3 प्रतिशत रहता है। कम खर्च का फायदा शुरुआत में भले ही छोटा दिखाई दे, लेकिन लंबी अवधि में चक्रवृद्धि की वजह से इसका प्रभाव बड़ा हो सकता है। निवेशक को यह समझना चाहिए कि खर्च में कमी का अर्थ निश्चित रूप से अधिक रिटर्न नहीं है, क्योंकि फंड का प्रदर्शन बाजार की परिस्थितियों पर भी निर्भर करता है।



10 हजार की एसआईपी में 1.45 लाख रुपये का अंतर

डायरेक्ट और रेगुलर प्लान के बीच खर्च का प्रभाव एक उदाहरण से समझा जा सकता है। यदि कोई निवेशक मिड कैप फंड में हर महीने 10 हजार रुपये की एसआईपी करता है और 14 प्रतिशत सालाना अनुमानित रिटर्न मानकर 10 साल तक निवेश बनाए रखता है तो डायरेक्ट प्लान में करीब 24.66 लाख रुपये का कोष बन सकता है। वहीं, रेगुलर प्लान में यह राशि करीब 23.21 लाख रुपये रह सकती है। इस तरह दोनों विकल्पों के बीच लगभग 1.45 लाख रुपये का अंतर हो सकता है। यदि निवेश की अवधि 20 साल कर दी जाए तो खर्च में अंतर और उस पर मिलने वाले संभावित चक्रवृद्धि लाभ का प्रभाव भी बढ़ जाता है। हालांकि, यह केवल अनुमानित गणना है। वास्तविक रिटर्न बाजार के प्रदर्शन, फंड के खर्च और निवेश की अवधि के अनुसार अलग हो सकता है।

रेगुलर प्लान में मिलता है मार्गदर्शन का लाभ

कम एक्सपेंस रेशियो डायरेक्ट प्लान का बड़ा फायदा है, लेकिन निवेश में केवल लागत ही महत्वपूर्ण नहीं होती। बाजार में गिरावट, आर्थिक अनिश्चितता और फंड के प्रदर्शन में उतार-चढ़ाव के दौरान निवेशक कई बार घबराकर पैसा निकाल लेते हैं। ऐसे समय में वितरक निवेशकों को धैर्य बनाए रखने, पोर्टफोलियो की समीक्षा करने और जरूरत के अनुसार निवेश में बदलाव करने में मदद कर सकते हैं। आंकड़ों के अनुसार, मार्च 2026 में पांच साल से अधिक समय तक निवेश बनाए रखने वाले रेगुलर प्लान के निवेशकों की हिस्सेदारी 23.5 प्रतिशत थी, जबकि डायरेक्ट प्लान में यह 14 प्रतिशत रही। इससे निवेश के दौरान मार्गदर्शन और अनुशासन की अहमियत सामने आती है।

सलाह लेकर भी चुन सकते हैं डायरेक्ट प्लान

निवेशकों के पास एक तीसरा रास्ता भी है। वे सेबी में पंजीकृत निवेश सलाहकार से शुल्क देकर वित्तीय सलाह ले सकते हैं और इसके बाद डायरेक्ट प्लान में निवेश कर सकते हैं। इसमें सलाह का शुल्क फंड के खर्च से अलग रहता है। इस व्यवस्था में निवेशक को फंड चयन और वित्तीय योजना के लिए विशेषज्ञ की मदद मिल सकती है, जबकि वितरक के कमीशन का अतिरिक्त खर्च नहीं देना पड़ता। हालांकि, सलाहकार का चयन करते समय उसकी योग्यता, पंजीकरण और शुल्क व्यवस्था की जांच करना जरूरी है।

निवेश से पहले इन बातों का रखें ध्यान

- केवल कम एक्सपेंस रेशियो देखकर किसी फंड में निवेश न करें। उसके पिछले प्रदर्शन, निवेश रणनीति और जोखिम का आकलन करें।
- अपनी आय, वित्तीय लक्ष्य और जोखिम उठाने की क्षमता के अनुसार फंड की श्रेणी चुनें।
- बाजार में गिरावट आने पर जल्दबाजी में एसआईपी बंद करने या निवेश निकालने से बचें।
- समय-समय पर पोर्टफोलियो की समीक्षा करें और जरूरत के अनुसार संतुलन बनाए रखें।
- यदि फंड और बाजार की पर्याप्त समझ नहीं है तो विशेषज्ञ की सलाह लेने में संकोच न करें।

अनुशासन भी जरूरी

डायरेक्ट प्लान निवेश की लागत घटाने का अवसर जरूर देता है, लेकिन केवल इसी आधार पर निवेश का फैसला करना उचित नहीं है। सही फंड का चयन, निवेश की अवधि, जोखिम की समझ और नियमित निवेश बनाए रखना भी उतना ही जरूरी है। निवेशक को अपनी जानकारी और जरूरत के अनुसार डायरेक्ट या रेगुलर प्लान चुनना चाहिए। लंबी अवधि में बेहतर कोष बनाने का रास्ता केवल कम खर्च से नहीं, बल्कि सही रणनीति और अनुशासित निवेश से तैयार होता है।

डकवर्थ लुईस प्रणाली से भारत ने न्यूजीलैंड को 4 रन से हराया, सीरीज में 2-0 की बढ़त

बारिश में भी नहीं धुला भारत की जीत का रंग

राहुल की संयमित पारी व तेज गेंदबाजों ने दिखाया दम

एजेंसी ▶▶| वेलिंगटन

सितारों से सजे भारतीय बल्लेबाजी क्रम की शुरुआती नाकामी के बाद केएल राहुल की संयमित पारी के दम पर भारत ने वर्षाबाधित दूसरे वनडे में शनिवार को न्यूजीलैंड को डकवर्थ लुईस प्रणाली के आधार पर 4 रन से हरा दिया। अब भारत 5 मैचों की श्रृंखला में 2-0 से आगे है। तीसरा मैच मंगलवार को हैमिल्टन में खेला जाएगा। जीत के लिए 47 ओवर में 135 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने 26 ओवर में 7 विकेट 113 रन पर गंवा दिए थे, जब बारिश शुरू हो गई। उस समय डकवर्थ लुईस प्रणाली के आधार पर भारत को 109 रन की जरुरत थी। भारत ने अपने तेज गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की मदद से न्यूजीलैंड को 41 ओवर में 134 रन पर समेट दिया।



भारतीय गेंदबाजों ने फेंकी 176 डॉट गेंदें

आकिब नबी ने 7 ओवर में 31 रन देकर 2 विकेट लिए जबकि अंशुल कम्बोज ने 8 ओवर में 25 रन देकर 2 विकेट चटकाए। वहीं बराड़ ने 10 ओवर में 30 रन देकर 4 विकेट लिए, जो उनके कैरियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। उन्होंने शॉर्ट गेंदों का बखूबी इस्तेमाल करके मेजबान मध्यक्रम की कमर तोड़ दी। अर्शदीप सिंह ने 7 ओवर में 16 रन दिए लेकिन उन्हें विकेट नहीं मिली। उन्होंने हालांकि बेहद अनुशासित और सटीक गेंदबाजी करके दबाव बनाया। भारतीय गेंदबाजों ने 176 डॉट गेंदें फेंकी।

जीरो पर आउट हुए गिल

जवाब में कप्तान शुभमन गिल पहली ही गेंद पर जैकब डफी का शिकार हुए और खाता खोले बिना स्लिप में कैच दे बैठे। डफी ने विराट कोहली (7) को भी पवेलियन भेजा। रोहित शर्मा ने 28 गेंद में 23 रन बनाए लेकिन सीम का सामना करने में सहज नहीं दिखे। अक्षर पटेल (7) और श्रेयस अय्यर (30) शॉर्ट गेंदों पर विकेट गंवा बैठे। वहीं पहली 20 में से 18 डॉट गेंद खेलने वाले राहुल ने अपना संयम बनाए रखा और डफी को छक्का लगाकर टीम को सौ रन के पार पहुंचाया। राहुल ने 38 गेंद में 26 रन बनाए।

रोहित ने तोड़ा अफरीदी का वर्ल्ड रिकॉर्ड



रोहित शर्मा ने कीवी टीम के खिलाफ दूसरे वनडे मैच में 2 छक्के लगाए और वो वनडे में इस टीम के खिलाफ सबसे ज्यादा छक्के जड़ने वाले बल्लेबाज बन गए और शाहिद अफरीदी का वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ दिया।

शाहिद अफरीदी ने न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे में कुल 50 छक्के अपने करियर के दौरान लगाए थे, लेकिन रोहित ने 51 छक्के लगाते हुए उन्हें पीछे छोड़ दिया और लिस्ट में टॉप पर पहुंच गए जबकि शाहिद अफरीदी अब दूसरे नंबर पर आ गए। इससे पहले गिल ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का सही फैसला लिया। बारिश और मौसम को देखते हुए मैच प्रति टीम 47 ओवर का कर दिया गया था। नबी ने सबसे पहले टिम सीफर्ट (0) का विकेट लिया। मिडविकेट पर खड़े कम्बोज ने सामने की ओर डाइव लगाकर कैच पकड़ा और नबी को उनका पहला अंतरराष्ट्रीय विकेट दिलाया। विल यंग ने 17 गेंद में 6 रन बनाए और वह जूझते ही नजर आए। आफ स्टम्प पर पड़ती गेंद पर बल्ला अड़ाकर वह विकेट के पीछे केएल राहुल को कैच देकर लौटे। हेनरी निकोल्स 26 गेंद में 11 रन बनाकर नौवें ओवर में कम्बोज की गेंद पर बोल्ड हुए।

पेरिस मास्टर्स

अल्काराज के वार से फ्रिट्ज का टूटा सपना

जोडार को मिला एटीपी फाइनल्स का टिकट



एजेंसी ▶▶| पेरिस

कार्लोस अल्काराज ने टेलर फ्रिट्ज को 6-7 (10), 7-5, 6-3 से हराकर पेरिस मास्टर्स के सेमीफाइनल में जगह बना ली। अल्काराज की जीत ने फ्रिट्ज की एटीपी फाइनल्स के लिए क्वालीफाई करने की उम्मीदों को खत्म कर दिया और इसके बजाय यह पक्का कर दिया कि उनके देश के राफेल जोडार साल के आखिर में होने वाले टूर्नामेंट के लिए आखिरी जगह पक्की कर लें।

कार्लोस ने फ्रिट्ज के खिलाफ की जबरदस्त वापसी

अल्काराज ने फ्रिट्ज के खिलाफ मैच में जबरदस्त वापसी करते हुए सीजन के अपने तीसरे एटीपी मास्टर्स 1000 सेमीफाइनल में पहुंच गए। वह मैच में 36-7 (10) और 3-5 से पीछे थे और अपनी सर्व पर एक मैच पॉइंट का सामना कर रहे थे, इससे पहले कि उन्होंने एक शानदार पॉइंट जीतकर स्कोर 4-5 कर दिया। इसके बाद अल्काराज को अगले गेम में फ्रिट्ज की सर्व पर एक मैच पॉइंट बचाना पड़ा, इससे पहले कि वह उन्हें 5-5 से बराबर कर पाते। अल्काराज ने तब अपना गेम बेहतर किया जब यह सबसे ज्यादा जरूरी था, क्योंकि उन्होंने अगले दो गेम जीतकर डिसाइडर में चीजें अपने नाम कीं।

टेस्ट श्रृंखला से पहले फॉर्म में लौटे जायसवाल, जड़ा शतक



एजेंसी ▶▶| लिंकन

यशस्वी जायसवाल के लगातार दूसरे शतक से भारत ए ने न्यूजीलैंड ए के खिलाफ शनिवार को तीसरे अनौपचारिक टेस्ट के पहले दिन 2 विकेट पर 227 रन बना लिए। जायसवाल ने 138 गेंद में 102 रन बनाकर 19 नवंबर से शुरू हो रही दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला से पहले फॉर्म में वापसी की।

बारिश के कारण 70वें ओवर में पहले दिन का खेल खत्म करना पड़ा। पहले दिन का खेल समाप्त होने पर साइ सुदर्शन (205 गेंद में नाबाद 77 रन) और कप्तान ध्रुव जुरेल (नाबाद 12) क्रीज पर थे। टेस्ट श्रृंखला से पहले जसप्रीत बुमराह, रविंद्र जडेजा और प्रसिद्ध कृष्णा भी यह मैच खेल रहे हैं।

जायसवाल ने लगाई चौकों की हैट्रिक

जायसवाल ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड ए के किसी भी गेंदबाज को नहीं बख्शा। उन्होंने जेरोड मैकी को दो बार लगातार तीन चौके लगाए। न्यूजीलैंड ए ने जायसवाल का कैच उस समय छोड़ा था जब वह 54 रन पर थे। इसका खामियाजा टीम को भुगतना पड़ा। जायसवाल ने आफ स्पिनर डीन फॉक्सक्राफ्ट की गेंद पर 44वें ओवर में स्वीप शॉट खेलकर अपना शतक पूरा किया। इसके कुछ देर बाद ही वह फर्न्स की गेंद पर मिडआफ में कैच देकर आउट हो गए। मैकी ने 63वें ओवर में देवदत्त पडिक्कल को रवाना किया।

अंडर-19 एशिया कप: पाक से हिसाब चुकता करने उतरेगा भारत रोमांचक मुकाबला आज

अल अमेरात। पिछली बार अंडर-19 एशिया कप में पाकिस्तान से पराजय झेलने वाला भारत रविवार को होने वाले ग्रुप ए के महत्वपूर्ण मुकाबले में बदला चुकता करने में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहेगा। भारत ने अपने पहले मैच में नेपाल को 10 विकेट से हराकर अपने अभियान का शानदार आगाज किया था। उसने 128 रन के लक्ष्य को 19.1 ओवर में हासिल कर दिया था। वहीं, पाकिस्तान ने मेजबान यूएई के खिलाफ 37.3 ओवरों में 225 रन के लक्ष्य को हासिल करते हुए 9 विकेट से जीत दर्ज की थी। यह मैच ग्रुप ए में शीर्ष पर रहने वाली टीम के निर्धारण को देखते हुए महत्वपूर्ण है। इसमें जीत हासिल करने वाली टीम के ग्रुप में शीर्ष पर रहने की संभावना बढ़ जाएगी। प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष पर रहने वाली दो टीम सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी। दोनों टीम ने अपने अभियान का शानदार आगाज किया है और ऐसे में रविवार को होने वाला मैच काफी रोमांचक होने की संभावना है।

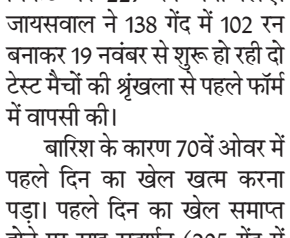

चेन्नई ओपन : वैष्णवी रुतुजा ने रचा इतिहास

चेन्नई। वैष्णवी अडकर और रुतुजा भोसले ने डब्ल्यूटीए टूर स्तर के किसी टूर्नामेंट के युगल फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय जोड़ी बनकर इतिहास रच दिया। उन्होंने चेन्नई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के रोमांचक सेमीफाइनल में पोलैंड की वेरोनिका फाल्कोव्स्का और अमेरिका की अलाना स्मिथ की दूसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी को 6-2 2-6 10-8 से हराया। भारतीय जोड़ी पहला सेट आसानी से जीतने के बाद दूसरे सेट में लड़खड़ा गई लेकिन उन्होंने निर्णायक सुपर टाई-ब्रेक में संयम बनाए रखा और जीत हासिल की।

हार्दिक का पंजाब किंग्स, अर्शदीप का एमआई में जाना तय

नई दिल्ली। आईपीएल नीलामी से पहले मुंबई इंडियंस और पंजाब किंग्स के बीच खिलाड़ियों की अदला-बदली (ट्रेड) पर सहमति बन गई है। इससे स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या पंजाब किंग्स जबकि तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह मुंबई इंडियंस से जुड़ जाएंगे। यह सौदा हालांकि अभी प्रस्तावित है और इसे भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की मंजूरी मिलना बाकी है। आईपीएल से जुड़े एक सूत्र ने इस ट्रेड की पुष्टि की है। सूत्र ने बताया कि हार्दिक पंड्या श्रेयस अय्यर की कप्तानी में खेलने को लेकर खुश हैं। उम्मीद है कि श्रेयस अय्यर आगामी सत्र में भी पंजाब किंग्स के कप्तान बने रहेंगे। सूत्र ने कहा, 'ट्रेड पूरा हो चुका है। हार्दिक पंजाब किंग्स में जा रहे हैं और अर्शदीप मुंबई इंडियंस में शामिल हो रहे हैं।

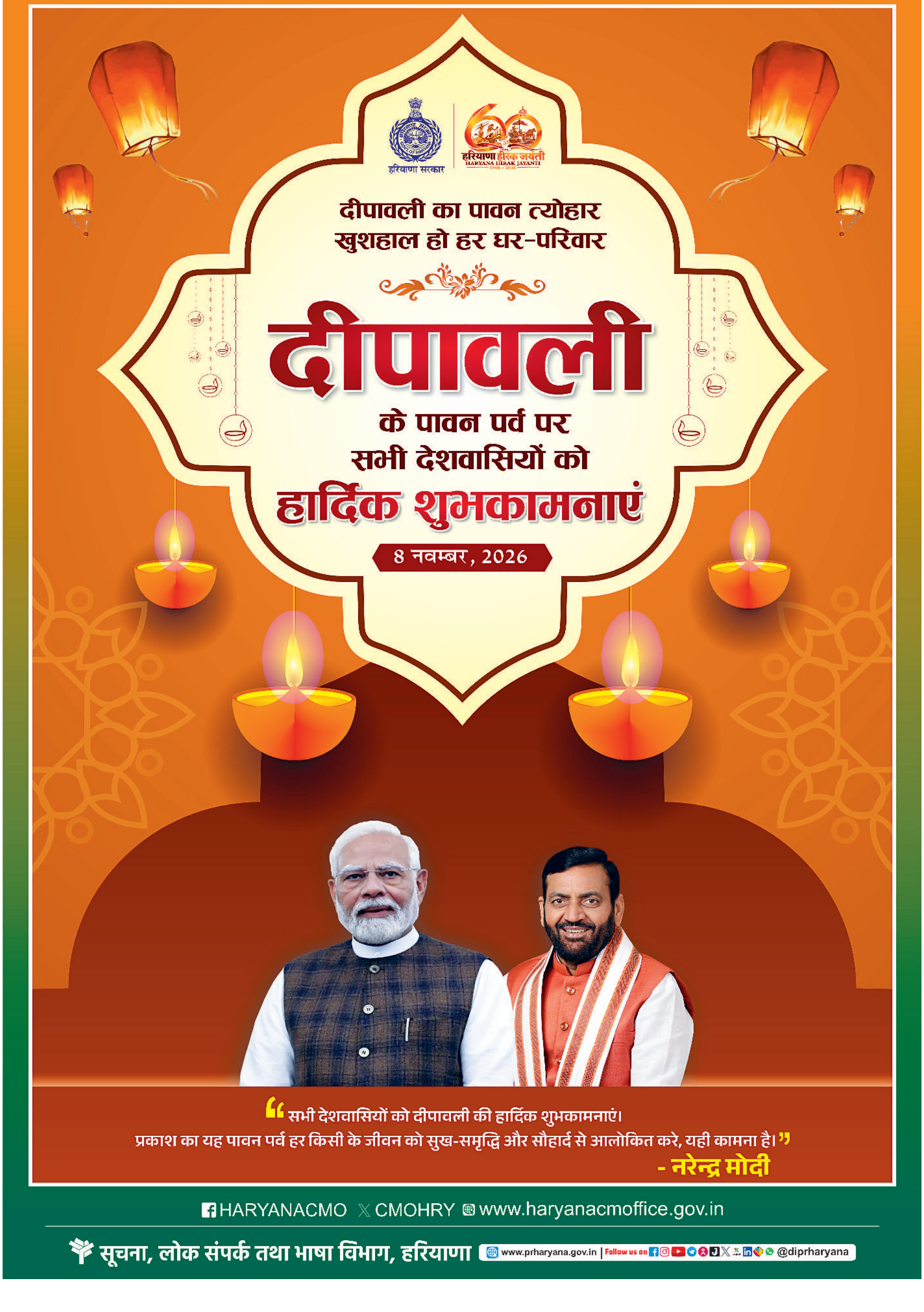



खबर संक्षेप

कीव पर रूस का मिसाइल हमला, 6 लोग घायल

कीव। यूक्रेन, रूस और अमेरिका के बीच संयुक्त अरब अमीरात की राजधानी अबू धाबी में होने वाली



चौथे दौर की अहम शांति वार्ता से ठीक पहले रूस ने शनिवार तड़के राजधानी कीव पर भीषण मिसाइल हमले को अंजाम दिया है। इन हमलों की चपेट में आने से कम से कम नौ नागरिक गंभीर रूप से घायल हो गए हैं।

पराग्वे में उपराष्ट्रपति पेड्रो ने संभाली सत्ता

असुनसियन। दक्षिण अमेरिका के पराग्वे में बड़ा सियासी उलटफेर हुआ है। एक बड़े बैंकिंग संकट के



बाद पराग्वे की संसद के उच्च सदन सीनेट ने राष्ट्रपति सैंटियागो पेना को महाभियोग के जरिए पद से हटा दिया गया है। उन्हें नजरबंद रखने का आदेश दिया गया है। उपराष्ट्रपति पेड्रो एलियाना ने नए राष्ट्रपति के रूप में शपथ ले ली है।

बिश्नोई का करीबी हैरी बॉक्सर यूएस से अरेस्ट

वॉशिंगटन। गैंगेस्टर लॉरेंस बिश्नोई के करीबी हैरी बॉक्सर को अमेरिका में हिरासत में लेने के बाद गिरफ्तार



कर लिया गया है। हरियाणा एसटीएफ के मुताबिक, हरियाणा के मोस्ट वांटेड गैंगस्टर हैरी बॉक्सर को अमेरिका से हिरासत में लिया गया, फिर गिरफ्तार किया गया है। वह लॉरेंस बिश्नोई गैंग को अमेरिका में बैठकर ऑपरेट कर रहा था।

यूएन के बजट सलाहकार पैनल में शिवानी नामित

न्यूयॉर्क। संयुक्त राष्ट्र में राजनयिक शिवानी गुप्ता को संयुक्त राष्ट्र महासभा के महत्वपूर्ण बजट सलाहकार पैनल में शामिल करने के लिए निर्विरोध नामित किया गया है। चार्टर्ड अकाउंटेंट शिवानी इस प्रतिष्ठित समिति में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी।

पड़ोसी दुश्मन देश ने नवंबर में होने वाले विश्व पंजाबी सम्मेलन को बताया इसकी मुख्य वजह

अगर भारत की सरकार वीजा दे... तो भगवंत मान को लाहौर बुलाने का इच्छुक है पाकिस्तान

मामले पर भारत की तरफ से अभी तक नहीं दी गई कोई प्रतिक्रिया

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

भारत के निकट पड़ोसी दुश्मन देश पाकिस्तान की तरफ से पंजाब के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के नेता भगवंत मान को लाहौर बुलाए जाने की इच्छा जताई गई है। जिसकी मुख्य वजह उसने मौजूदा नवंबर महीने में होने वाले विश्व पंजाबी सम्मेलन को बताया है। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता सज्जाद हैदर खान ने एक हालिया प्रेस कॉन्फ्रेंस में पत्रकारों द्वारा इस मामले पर पूछे गए एक सवाल के जवाब में बताया कि पाकिस्तान की सरकार भारत के पंजाब राज्य के मुख्यमंत्री भगवंत मान को वीजा देना चाहती है। अगर वो हमारे देश की यात्रा करना चाहें तो हम उन्हें वीजा देने के लिए तैयार हैं। इसी नवंबर महीने में लाहौर में विश्व पंजाबी सम्मेलन का आयोजन किया जाना है। जिसके लिए हम मान को बुलाना चाहते हैं।



यहां बता दें कि इस मामले को लेकर अभी तक भारत की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं दी गई है। लेकिन आगामी दिनों में इस बाबत तस्वीर साफ हो सकती है।

भारत की सरकार की मंजूरी जरूरी

पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने अपने जवाब में ये भी स्पष्ट किया कि हम तो आम आदमी पार्टी के नेता को अपने देश की यात्रा के लिए वीजा देने के लिए तैयार हैं। लेकिन इस मामले में भारत की सरकार की मंजूरी भी आवश्यक है। अगर नई दिल्ली की सरकार उन्हें अपने पड़ोसी देश की यात्रा के लिए सीमा के पार जाने की अनुमति प्रदान करे, तो हम मान को वीजा देने के लिए राजी हैं।

मान ने की निमंत्रण मिलने की पुष्टि

यहां बता दें कि भगवंत मान ने पिछले महीने के अंतिम सप्ताह के दौरान 23 अक्टूबर को पाकिस्तान की तरफ से लाहौर में 27 नवंबर को विश्व पंजाबी सम्मेलन में शिरकत करने के लिए एक निमंत्रण मिलने की पुष्टि की थी। उन्होंने पाकिस्तान यात्रा को लेकर भाजपा की केंद्र सरकार द्वारा मंजूरी दिए जाने को लेकर अनिश्चितता भी जताई थी। मान के मुताबिक, हमारी संस्कृति समान है। यहां देश से कई कवि वहां जाएंगे। उन्होंने करतारपुर साहिब कॉरिडोर के एक बार फिर से खुलने के मुद्दे का उल्लेख करते हुए कहा कि मैं राज्य की विधानसभा के सभी सदस्यों के साथ सीमापार जाकर पवित्र स्थल के दर्शन करना चाहता हूं।

पाक ने 9 हजार भारतीयों को दिया वीजा

खान ने कहा कि पाकिस्तान ने पिछले साल धार्मिक पर्यटन के लिए कुल करीब 9 हजार भारतीयों को वीजा प्रदान किया था। जिसमें सिख के अलावा हिंदू तीर्थयात्री भी शामिल थे। इसके अलावा मौजूदा साल की पहली छमाही के दौरान पाकिस्तान सरकार ने भारत के 4 हजार अतिरिक्त सिख तीर्थयात्रियों को वीजा प्रदान किया है।

न्यूजीलैंड में मतदान समाप्त, काउंटिंग शुरू

नेशनल और लेबर के बीच कांटे की टक्कर, छोटे दल हुए अहम

एजेंसी ▶▶ वेलिंगटन

न्यूजीलैंड के आम चुनाव की वोटिंग (7 नवंबर) संपन्न होने के कुछ देर बाद ही काउंटिंग शुरू हो गई। शुरुआती नतीजों में सत्तारूढ़ नेशनल पार्टी को 29.4 फीसदी और मुख्य विपक्षी लेबर पार्टी को 29.9 फीसदी मत मिले। इस तरह दोनों के बीच मुकाबला बेहद करीबी हो गया है। लगभग 35 फीसदी काउंटिंग होने के बाद ये स्पष्ट किया गया। शुरुआती रुझानों में नेशनल पार्टी आगे रही, जबकि मतगणना के दौरान लेबर पार्टी ने भी उसे कड़ी चुनौती दी। किसी भी प्रमुख दल को स्पष्ट बहुमत मिलने के संकेत नहीं हैं, और ऐसे में सरकार गठन में छोटे दलों की भूमिका महत्वपूर्ण हो सकती है।

पीएम लक्सन की पार्टी को 29.4% वोट

न्यूजीलैंड के चुनाव आयोग की शुरुआती मतगणना में नेशनल पार्टी को 29.4 प्रतिशत और लेबर पार्टी को 29.9 प्रतिशत वोट मिले। ग्रीन पार्टी 14.1 प्रतिशत, एसीटी न्यूजीलैंड 10.5 प्रतिशत और न्यूजीलैंड फर्स्ट पार्टी 9.3 प्रतिशत वोट के साथ अन्य प्रमुख दलों में शामिल रहे। ऑपरचुनिटी पार्टी को 5.4 प्रतिशत वोट मिले, जो संसद में प्रवेश के लिए जरूरी पांच प्रतिशत की सीमा से अधिक हैं।



ढाका में टैगोर की तस्वीर पर कालिख पोती, बताया मुस्लिम विरोधी

एजेंसी ▶▶ ढाका

बांग्लादेश में कवि रवींद्रनाथ टैगोर की तस्वीर पर कालिख पोती गई। घटना आज खुलना रेलवे स्टेशन के पास हुई। टैगोर की तस्वीर के पास कुछ पोस्टर भी लगाए गए, जिनमें लिखा था कि मुस्लिम विरोधी टैगोर की यहां कोई जगह नहीं है। यह



घटना ऐसे समय हुई है, जब बांग्लादेश में पिछले कुछ समय से भारत के खिलाफ प्रदर्शन हो रहे हैं। कुछ प्रदर्शनकारी टैगोर पर ढाका यूनिवर्सिटी की स्थापना का विरोध करने का आरोप भी लगा रहे हैं। पीएम तारिक रहमान खुलना शहर में दौरे पर आने वाले हैं। इसके चलते ही स्थानीय प्रशासन ने रेलवे स्टेशन की दीवार पर ये चित्र बनवाए थे। टैगोर के अलावा फकीर लालन शाह, काजी नजरुल इस्लाम, कलाकार एसएम सुल्तान और पूर्व राष्ट्रपति जियाउर रहमान समेत कई जानी-मानी हस्तियों के चित्र थे। दीवार पर सुंदरबन, 60 गुंबद वाली मस्जिद और जूट उद्योग से जुड़े चित्र भी बनाए गए थे। लेकिन इन सभी में सिर्फ टैगोर की तस्वीर पर ही कालिख पोती गई।

इजराइल में नई सरकार को लेकर असमंजस की स्थिति

आज होगा साफ, राष्ट्रपति हर्जोग के फैसले पर टिकी सबकी निगाहें

एजेंसी ▶▶ तेल अवीव

इजराइल में नई सरकार किसकी होगी इसको लेकर तस्वीर अब भी साफ नहीं है। हाल ही संपन्न हुए चुनाव को लेकर राजनीतिक अनिश्चितता बनी हुई है। अब रविवार को साफ होगा कि राष्ट्रपति इसाक हर्जोग किसे मौका देते हैं। पीएम बेंजामिन नेतन्याहू और उनके प्रमुख प्रतिद्वंद्वी एवं पूर्व सेना प्रमुख गादी आइजेनकोट, दोनों ही बहुमत के आंकड़े से दूर हैं। ऐसे में हर्जोग के सामने चुनौती बड़ी है।



एक उम्मीदवार को करेंगे आमंत्रित

राष्ट्रपति हर्जोग रविवार को सरकार गठन के लिए किसी एक उम्मीदवार को आमंत्रित करने वाले हैं। उन्होंने एक वीडियो मैसेज जारी कर कहा कि मैं आने वाले रविवार (8 नवंबर) को नेसेट (संसद) के एक सदस्य को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित करूंगा। राष्ट्रपति के साथ राजनीतिक दलों के प्रमुखों की बातचीत गुरुवार को पूरी हुई। इस दौरान 120 सदस्यीय नेसेट (इजराइली संसद) के 67 सदस्यों ने आइजेनकोट के समर्थन में अपनी राय दी, जबकि नेतन्याहू को 46 सांसदों का समर्थन मिला।

आंकड़े आइजेनकोट के पक्ष में

हालांकि, चुनाव बाद संसद में मिले समर्थन के आंकड़े आइजेनकोट के पक्ष में दिखाई दे रहे हैं, लेकिन उनकी राह भी आसान नहीं है। इसकी बड़ी वजह अरब पार्टियों का समर्थन है, जिसे आइजेनकोट सरकार में शामिल करने से इनकार कर चुके हैं। नेतन्याहू के नेतृत्व वाले दक्षिणपंथी और धार्मिक गठबंधन के पास 53 सीटें हैं।

केंद्र सरकार ने राज्यों के बीच कैदियों के तबादले की दी मंजूरी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने 'पंजाब पुलिस एंड करेक्शनल सर्विसेज एक्ट, 2006' को केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ में लागू कर दिया है, जिसके तहत राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के बीच कैदियों के तबादले और जेल प्रशासन के कामकाज में बदलाव से जुड़े प्रावधान शामिल किए गए हैं।

केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा शुक्रवार को जारी एक अधिसूचना के अनुसार, 'पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966' की धारा 87 के तहत यह

सरकारों और अदालत की मंजूरी जरूरी



अधिसूचना जारी की गई है। इसके जरिए पंजाब के कानून को कुछ संशोधनों के साथ केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ में लागू किया गया है। इन संशोधित प्रावधानों में चंडीगढ़ और अन्य राज्यों या केंद्र शासित प्रदेशों के बीच कैदियों के तबादले की व्यवस्था की गई है। इन प्रावधानों के तहत, चंडीगढ़ में सजा काट रहे कैदियों (जिनमें आजीवन कारावास की सजा पाने वाले भी शामिल हैं) को संबंधित सरकार की सहमति और चंडीगढ़ प्रशासक के आदेश से किसी दूसरे राज्य या केंद्र शासित प्रदेश की जेल में भेजा जा सकता है। विचाराधीन कैदियों के मामले में, इन संशोधनों के तहत उनका तबादला चंडीगढ़ से किसी दूसरे राज्य या केंद्र शासित प्रदेश में किया जा सकता है।

ईरानी एयरोस्पेस फोर्स ने अपना विशेष स्मृति सप्ताह मनाया

पूर्व सैनिकों को दी श्रद्धांजलि

दुश्मन के 260 विमान मारने और 7 ड्रोन सुरक्षित कब्जे में लेने का दावा

एजेंसी ▶▶ तेहरान

ईरान की इस्लामी रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स (आईआरजीसी) की एयरोस्पेस फोर्स ने अपना



विशेष स्मृति सप्ताह मनाया। तेहरान के सरचेशमेह कल्चरल कॉम्प्लेक्स में आईआरजीसी के प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल हुसैन मोहेब्बी ने पुराने क्षेत्रीय युद्धों से जुड़े प्रमुख लोगों और शहीद हुए सैनिकों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि एयरोस्पेस वीक, एयरोस्पेस फोर्स के शहीदों, उसके पूर्व सैनिकों, कमांडरों और उनके सम्मानित परिवारों को श्रद्धांजलि देने का एक कीमती अवसर है।

जमीन के नीचे बड़े पैमाने पर मिसाइल ठिकाने

प्रवक्ता मोहेब्बी ने बताया कि ईरान ने जमीन के नीचे बड़े पैमाने पर मिसाइल ठिकाने बनाए हैं। इन ठिकानों को बनाने में देश की अपनी तकनीक का इस्तेमाल किया गया है। साथ ही, ईरान की भौगोलिक परिस्थितियों का भी फायदा उठाया गया है। ईरान की वायु रक्षा इकाइयों ने 'दुश्मन' के 260 विमानों को रोका और मार गिराया।

12 देशों के साथ विदेश मंत्री की चर्चा

क्षेत्रीय मुद्दों पर ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि उन्होंने 48 घंटों (गुरुवार और शुक्रवार) के भीतर 12 देशों के अपने समकक्षों से संवाद स्थापित किया। सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए उन्होंने इसकी जानकारी दी।

पोलैंड में अंधाधुंध गोलीबारी में 6 की मौत, कई घायल

क्राको। पोलैंड के खूबसूरत शहर क्राको से शनिवार को बेहद डरावनी और सनसनीखेज खबर सामने आई है। शहर के मुख्य बाजार के पास अचानक ताबड़तोड़ गोलियां चलने लगीं, जिससे वहां अफरा-तफरी मच गई।

मीडिया को मिली जानकारी के मुताबिक, इस खतरनाक गोलीबारी में छह बेकसूर लोगों की जान चली गई है, जबकि कम से कम एक दर्जन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। खबर यह भी है कि पुलिस की जवाबी कार्रवाई में हमलावर भी मारा गया है।



हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109